य एषु सुप्तेषु जागर्ति
वर्ष : 19 | अंक : 315 | पृष्ठ 12 | ₹5.00
patrika.com /rajasthanpatrika /rpbreakingnews /rajasthan_patrika
दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

नई दिल्ली, शनिवार, 08 जून, 2024 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया, संवत् 2081

नार्वे शतरंज: मैग्नस कार्लसन और आर प्रग्गनानंदा जीते
@स्पोर्ट्स &गेमिंग

ग्रीनलैंड में मिले बड़े वायरस, खतरे के बदले होंगे 'मददगार'
@इंडिया &वर्ल्ड

मानसून की रफ्तार थोड़ी धीमी, 4 दिन और बढ़ा इंतजार
@छत्तीसगढ़

मोदी 3.0 का रोडमैप तैयार : एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री ने दिया संकेत

सर्वपंथ समभाव व सर्वमत से चलेगी सरकार

कलेवर बदला, तेवर पुराना ही रहेगा

'हमारे पास सपनों को पूरा करने का रोडमैप है। गरीबों का कल्याण पहला संकल्प है। हमारी सरकार रोजगार के लिए लोन की व्यवस्था करेगी।' – मोदी

नवनीत मिश्र@ नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद करीब एक घंटे के भाषण में अपनी सरकार की तीसरी पारी के तौर-तरीकों पर स्पष्ट संकेत दे दिए। उन्होंने पांच नहीं पूरे 10 साल का एजेंडा बता दिया। सरकार कैसे चलेगी, यह भी जाहिर किया। एनडीए का नया फुलफॉर्म दिया- न्यू इंडिया, डेवलप इंडिया और एस्पिरेशनल इंडिया। प्रधानमंत्री यह संकेत देने से नहीं चूके कि गठबंधन की सरकार होने पर भी उनके तेवर में कोई बदलाव नहीं होगा, यह जरूर है कि फैसले सर्वमत होंगे और सर्वपंथ समभाव का ध्यान रहेगा।

मोदी के संदेश में नौ संकेत

1 बहुमत जरूरी, सर्वमत से चलेगा देश: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनका मानना है कि सरकार चलाने के लिए बहुमत आवश्यक है, लेकिन देश चलाने के लिए सर्वमत जरूरी है। माना जा रहा है कि सर्वमत की बात के जरिए मोदी ने सहयोगियों को आश्वस्त किया है कि फैसले उन्हें भरोसे में लेकर होंगे।

2 बड़े और कड़े फैसले होकर रहेंगे: मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि तीसरी सरकार में भी बड़े और कड़े फैसले होकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी कहा था कि पिछले 10 साल का कार्यकाल तो सिर्फ ट्रेलर है, आगे और बहुत कुछ होना बाकी है।

3 जनता के जीवन में दखल कम: मोदी ने आने वाली सरकार में सबसे बड़े विजन का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी पूरी कोशिश होगी कि जनता के जीवन में सरकार का दखल कम से कम हो। सरकार का दखल जितना कम होगी, उतना ही लोकतंत्र मजबूत होगा।

भरोसा दिया....हम साथ हैं और साथ ही रहेंगे

नई दिल्ली. संसदीय दल की बैठक में नरेंद्र मोदी से आशीर्वाद लेते नीतीश और अभिवादन करते चंद्रबाबू नायडू।

4 मध्यम वर्ग का रखेंगे ध्यान: मोदी ने तीसरे कार्यकाल में मध्यम वर्ग का विशेष ख्याल रखे जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि हर गारंटी को मन से पूरा करेंगे और मध्यम वर्ग की सुविधा हमारी प्राथमिकता होगी।

5 ब्रेकिंग न्यूज से नहीं चलेगा देश: आमतौर पर गठबंधन की सरकारों में बयानों के जरिए प्रेशर पॉलिटिक्स चलना आम बात है। लेकिन, मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि एनडीए की गठबंधन सरकार में इन बातों की कोई जगह नहीं होगी। उन्होंने कहा कि ब्रेकिंग न्यूज से देश नहीं चलेगा।

6 तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था: प्रधानमंत्री ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के एजेंडे को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यकाल में हमने पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था से तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है।

7 एनडीए की महाविजय: मोदी ने कहा कि दो दिन तक ऐसा चलता रहा, जैसे हम हार गए। जबकि, ये एनडीए की महाविजय है। ना हम हारे थे, ना हारेंगे। विजय को पचाना आता है, पराजय का उपहास नहीं उड़ाते। कल भी एनडीए सरकार थी, आज भी है, कल भी रहेगी।

8 कांग्रेस और गर्त में गिरेगी: मोदी ने कहा, 10 साल बाद भी कांग्रेस 100 के आंकड़े को नहीं छू पाई। शेष@पेज05

मोदी ने किया दावा, राष्ट्रपति ने दिया सरकार बनाने का न्योता

नौ जून शाम 7.15 बजे तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेंगे मोदी

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. पुराने संसद भवन के ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल में शुक्रवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार नेता चुना गया। दो प्रमुख सहयोगियों नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू ने पीएम मोदी के पिछले 10 साल के कार्यकाल की जमकर तारीफ करते हुए अगले पांच साल के दौरान भरपूर समर्थन देने का भरोसा दिया। बैठक के बाद एनडीए नेताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इसके बाद राष्ट्रपति ने मोदी को सरकार बनाने का न्योता दे दिया। नौ जून (रविवार) को शाम 7.15 बजे राष्ट्रपति भवन में नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। इसके लिए राष्ट्रपति भवन में तैयारी तेज हो गई हैं। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद मोदी दूसरे नेता हैं, जो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का रेकॉर्ड बनाएंगे। दुनिया में लगातार तीसरी बार शासनाध्यक्ष बनने वाले मोदी 10वें नेता होंगे। शेष@पेज05

मोदी को सरकार बनाने का न्योता देते समय मुंह मीठा करातीं राष्ट्रपति मुर्मु।

लगातार 3 बार बने शासनाध्यक्ष

	नाम	देश	कार्यकाल
1	फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट	अमरीका	1932-1944
2	**जवाहर लाल नेहरू**	**भारत**	**1947-1964**
3	ली कुआन यू	सिंगापुर	1959-1990
4	रॉबर्ट मेन्जीस	ऑस्ट्रेलिया	1966-1972
5	हेल्मुट कोहल	जर्मनी	1976-1990
6	मार्ग्रेट थैचर	यूके	1979-1990
7	हेलेन क्लार्क	न्यूजीलैंड	1999-2008
8	एन्जेला मार्केल	जर्मनी	2005-2021
9	जॉन फिलिप की	न्यूजीलैंड	2008-2016
10	**नरेंद्र मोदी**	**भारत**	**2014-अभी तक**

शास्त्री ने भी 9 जून को ली थी शपथ

साठ साल पहले लाल बहादुर शास्त्री ने भी 9 जून, 1964 को देश के दूसरे प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। नौ जून को ही आदिवासियों में भगवान के रूप में पूजे जाने वाले बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि भी है।

मानहानि मामले

राहुल गांधी को एक केस में बेल, दूसरे में झटका

बेंगलूरु की कोर्ट में पेश होने के लिए पहुंचे राहुल गांधी।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. बेंगलूरु की स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भाजपा की मानहानि के मामले में जमानत दे दी। भाजपा की ओर से दर्ज कराए गए इस मामले में कर्नाटक के सीएम सिद्धारामैया और डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार को पहले जमानत मिल चुकी है। दूसरी तरफ झारखंड हाईकोर्ट ने भाजपा नेता अमित शाह की मानहानि के दूसरे मामले में राहुल गांधी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें चाईबासा कोर्ट में चल रहे मामले को रद्द करने की मांग की गई थी।

न्यूज विंडो

एससी कोच में आग, ट्रेन को रोका

जयपुर@ पत्रिका. जयपुर में शुक्रवार को चलती साबरमती-दौलतपुर चौक एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच में आग लग गई। कोच में 72 यात्री सवार थे। आग खातीपुरा स्टेशन से रवाना होने के बाद लगी। कोच अटेंडेंट व यात्रियों ने फायर अलार्म का बटन दबाकर ट्रेन रुकवाई। यात्रियों को दूसरे कोच में शिफ्ट कर एक घंटे बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

हज यात्रा 14 जून से शुरू होगी

नई दिल्ली@पत्रिका. इस बार हज यात्रा 14 जून से शुरू होगी। इस अवसर पर दुनियाभर से लाखों हज यात्री मक्का पहुंचेंगे। सऊदी अरब में 7 जून को इस्लामिक कैलेंडर के आखिरी महीने जिलहिज्जा का चांद गुरुवार को दिखाई दिया।

झरोखा

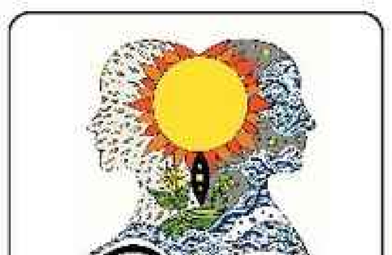

'शरीर ही ब्रह्माण्ड' में आज **कर्म के विवर्त** पढ़ें@पत्रिकायन

मौद्रिक नीति : आठवीं बार लोन की किस्त यथावत

रेपो रेट नहीं बदली, जीडीपी का अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने तीन दिन की बैठक के बाद रेपो रेट यथावत रखने का फैसला किया गया। लगातार आठवीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया। रेपो रेट में बदलाव नहीं होने से लोन की ईएमआइ में बदलाव नहीं होगा।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025 में जीडीपी ग्रोथ 7.2% रहने का अनुमान है, जो पिछले अनुमान 7% से अधिक है। शहरी क्षेत्रों में स्थिर खर्च के साथ निजी खपत में सुधार हो रहा है। निवेश गतिविधियों में तेजी जारी है। उन्होंने कहा कि महंगाई में कमी लाने में एमपीसी की भूमिका अहम है। गर्मी से सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को स्थायी आधार पर 4% के लक्ष्य पर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। गवर्नर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में रुपए में कम उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। शेष@पेज05

जोश लौटा, सेंसेक्स ऑलटाइम हाई पर

चुनावी नतीजों के दिन लुढ़के शेयर बाजार में रिजर्व बैंक की ओर से जीडीपी अनुमान बढ़ाने और केंद्र में मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनने के ऐलान के बाद फिर जोश दिखा। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन 7 जून को सेंसेक्स 76,795 के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। नतीजों के दिन निवेशकों को जो घाटा हुआ था, उसकी भरपाई हो गई। हालांकि बाजार बाद में थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 1,618 अंक की बढ़त के साथ 76,693 पर बंद हुआ। निफ्टी 468 अंक की बढ़त के साथ 23,290 के स्तर पर बंद हुआ। यह निफ्टी की ऑलटाइम हाई क्लोजिंग है। तीन दिन में कंपनियों की बाजार पूंजी 28.65 लाख करोड़ रुपए बढ़ी, जो 4 जून को 31 लाख करोड़ रुपए घट गई थी।

मैराथन मंथन : एनडीए सहयोगियों से मंत्री पदों के बंटवारे पर चर्चा

मंत्रिमंडल में उत्तर-दक्षिण-पूरब-पश्चिम को एक साथ साधेगी गठबंधन सरकार

भाजपा ने समझाया मंत्री पद का फॉर्मूला

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. एनडीए संसदीय दल का नरेंद्र मोदी को तीसरी बार नेता चुने जाने के बाद नौ जून को बनने वाली सरकार के मंत्रियों के नामों पर शुक्रवार रात मैराथन मंथन हुआ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के आवास पर शाम छह बजे से देर रात चली मीटिंग में सहयोगी दलों से उनकी पसंद पूछी गई और बदले में भाजपा का फॉर्मूला समझाया गया। सूत्रों का कहना है कि टीडीपी और जेडी-यू जैसे बड़े सहयोगी दलों ने एक कैबिनेट और दो राज्यमंत्री पदों की जगह कम से कम दो कैबिनेट मंत्री पदों की इच्छा जताई।

ओडिशा में भाजपा को लोकसभा और विधानसभा में शानदार सफलता मिली है। पार्टी ने 21 में से 20 लोकसभा सीटें जीती हैं। वहां से धर्मेंद्र प्रधान और संबित पात्रा को मंत्री बनने का मौका मिल सकता है।

सहयोगी दलों से ये बन सकते हैं मंत्री...

- **एच.डी. कुमार स्वामी** जेडी-एस कोटे से।
- **चिराग पासवान** सहयोगी दल एलजेपी का मुखिया होने के कारण।
- **ललन सिंह या संजय झा** सहयोगी दल जद-यू के वरिष्ठ नेता।
- **अनुप्रिया पटेल** अपना दल (एस) की मुखिया।
- **जयंत चौधरी** रालोद कोटे से।

केरल-तमिलनाडु को मिलेगा प्रतिनिधित्व

केरल की त्रिशूर सीट से सुरेश गोपी ने पहली बार भाजपा का खाता खोला है। सूत्रों के मुताबिक गोपी को मोदी सरकार में मंत्री बनाकर पार्टी राज्य में विस्तार अभियान को और मजबूती देना चाहती है। तमिलनाडु में भले खाता नहीं खुला, लेकिन वहां पार्टी का वोट शेयर दहाई में पहुंचा है। वहां के प्रदेश अध्यक्ष अन्ना मलाई को मंत्री बनाया जा सकता है। इसके अलावा तेलंगाना में बेहतर प्रदर्शन पर जी. किशन रेड्डी और संजय बड्डी को मौका मिल सकता है।

चुनौती : दिल्ली व कोलकाता हाईकोर्ट पहुंचा मामला

नीट यूजी में ग्रेस मार्क्स देने पर एनटीए से किया जवाब तलब

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. देशभर के मेडिकल कॉलेज प्रवेश के लिए आयोजित नीट यूजी के परीक्षा परिणाम मे ग्रेस मार्क्स देने का मामला दिल्ली और कोलकाता हाईकोर्ट पहुंच गया है। दिल्ली हाईकोर्ट में श्रेयांसी ठाकुर नाम की छात्रा ने याचिका दाखिल कर राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के ग्रेस मार्क्स देने के फैसले को मनमाना बताते हुए इसे चुनौती दी है। अगली सुनवाई बुधवार को होगी। नीट यूजी में इस साल 67 छात्रों को पहली रैंक मिली है।

याचिका में कहा गया कि एनटीए के ग्रेस अंक देने के निर्णय से हजारों विद्यार्थी प्रभावित हो रहे हैं। एनटीए का निर्णय उन अभ्यर्थियों के साथ भेदभाव करता है, जिन्होंने परीक्षा के नियमों का पालन किया। यह हजारों अभ्यर्थियों के अधिकारों का उल्लंघन है। जस्टिस दिनेश कुमार शर्मा ने याचिका पर सुनवाई के बाद एनटीए से जवाब मांगा है। परीक्षा में अनियमितता पर कोलकाता हाईकोर्ट में भी जनहित याचिका दाखिल की गई है। इस पर भी कोर्ट ने भी एनटीए से जवाब मांगा है। परीक्षा में गड़बड़ी का मुद्दा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व प्रियंका गांधी ने भी उठाया था।

यह हुई थी गड़बड़ी

एनटीए की ओर से मई में आयोजित नीट यूजी परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्न में दो उत्तरों को सही माना गया। छात्रा का कहना कि परीक्षा के निर्देशों के मुताबिक एक ही विकल्प सही हो सकता है। एनटीए के निर्णय का लाभ उन अभ्यर्थियों को मिला, जिन्होंने अनुमान लगाया। इसके अलावा एक साथ 67 अभ्यर्थियों के 720 में से 720 अंक आने पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसमें छह अभ्यर्थी एक ही परीक्षा केंद्र के हैं।

ट्रेंडिंग न्यूज

दिल्ली

संसद में घुसने की कोशिश, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली@ पत्रिका. फर्जी आधार कार्ड से संसद भवन में घुसने की कोशिश करने पर तीन लोगों को सीआइएसएफ ने गिरफ्तार कर लिया। इनके नाम कासिम, मोनिस और शोएब बताए गए हैं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ जालसाजी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

केरल

अब लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे थरूर

नई दिल्ली@ पत्रिका. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा है कि अगला लोकसभा चुनाव 5 साल बाद होता है तो वह खुद को चुनावी मैदान में नहीं देखते हैं। उन्होंने कहा कि हर किसी को युवाओं के लिए जगह छोड़नी चाहिए। थरूर केरल की तिरुवनंतपुरम सीट से लगातार चौथी बार जीते हैं।

कर्नाटक

प्रज्वल की मां की गिरफ्तारी पर रोक

बेंगलूरु@पत्रिका. जद-एस के निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण से जुड़े अपहरण मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने उनकी मां भवानी रेवन्ना को अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी। उनके खिलाफ जारी वारंट पर भी रोक लगा दी गई। उन्हें जांच में सहयोग का निर्देश दिया।

नवाचार आइआइटी जोधपुर ने विकसित किया एडॉप्टर, सिंगल सोलर पैनल से कर सकेंगे चार्ज

नहीं थमेंगे पहिए...सोलर पैनल से भी ई-वीकल की चार्जिंग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. आप किसी एक्सप्रेस-वे पर इलेक्ट्रॉनिक वीकल (ईवी) लेकर निकल रहे हैं और बैटरी खत्म हो जाए तो आसपास कोई सुविधा नहीं मिलेगी। एक्सप्रेस-वे का एंट्री व एग्जिट पॉइंट 50-60 किलोमीटर तक नहीं होता है। यही, हाल गांवों और जंगल की राहों में बैटरी खत्म होने पर होता है। समस्या के समाधान के लिए आइआइटी जोधपुर ने एक चार्जिंग एडॉप्टर विकसित किया है, जो गाड़ी को इमरजेंसी चार्जिंग देगा ताकि आपकी गाड़ी के पहिए थमे नहीं।

देश में केवल 5% ईवी: वर्तमान में देश में केवल पांच प्रतिशत ईवी है। भारत के अलावा अन्य बड़े देश कनाडा, चीन, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, रूस भी चार्जिंग सुविधा की समस्या का सामना कर रहे हैं।

सिर्फ एक हजार रुपए कीमत

इस चार्जिंग एडॉप्टर की वर्तमान में कीमत करीब एक हजार रुपए है। इसका आकार एक फीट लंबा और करीब इतना ही चौड़ा है, जो पोर्टेबल होने के कारण साथ में ले जा सकते हैं।

ऐसे काम करेगा यह अनूठा एडॉप्टर

वर्तमान में ईवी की बैटरी ग्रिड से चार्ज होती है। सोलर पैनल भी इनवर्टर-कनर्वटर के जरिए ग्रिड से जुड़े होते हैं। सीधा सोलर पैनल से बिजली नहीं ले सकते। आइआइटी जोधपुर के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. निशांत कुमार का बनाया एडॉप्टर सोलर पैनल से सीधे बिजली ले सकेगा। एडॉप्टर में विशेष एल्गोरिदम है, जो अधिकतम पावर पॉइंट ट्रैकिंग पर काम करता है। यह किसी भी वॉल्टेज में सोलर पैनल की बिजली खींचकर ईवी की बैटरी इमरजेंसी में चार्ज कर देगा।

गांवों, जंगली राहों से लेकर हाइवे तक

सरकार गांवों, जंगलों व एक्सप्रेस-वे पर सिंगल सोलर पैनल लगाने पर विचार कर रही है, जिसके केवल सॉकेट होंगे। इस एडॉप्टर को सोलर पैनल के सॉकेट से जोड़ना होगा। जो सोलर पैनल से बिजली लेकर एकबार में कार को जरूरत के अनुसार 5 से 10 मिनट के लिए चार्ज कर देगा। फिर ईवी को नजदीक चार्जिंग स्टेशन ले जाना आसान होगा।

नई खोज : वैज्ञानिकों ने 94 साल पहले मिली प्राचीन खोपड़ी पर किया शोध

13 लाख साल पहले चीनी जंगलों में टहलते थे आधुनिक अफ्रीकी प्रजाति से 3 गुना भारी चीते

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीजिंग. चीनी वैज्ञानिकों ने एक प्राचीन खोपड़ी के जीवाश्मों का विश्लेषण करने के बाद अब तक की सबसे बड़ी चीता प्रजाति का पता लगाया है। यह विशालकाय चीता आधुनिक चीतों से तीन गुना ज्यादा वजनी था। 'एसिनोनिक्स प्लीस्टोकेनिक्स' नाम की यह प्रजाति करीब 13 लाख साल पहले चीन के जंगलों में टहलती थी।

लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक शोधकर्ताओं ने चीन में खोजे गए जीवाश्मों के साथ इन अवशेषों का विश्लेषण किया। खोपड़ी की लंबाई, दाढ़ के दांत की ऊंचाई के साथ खोपड़ी और रीढ़ को जोड़ने वाली हड्डी की संरचना की चौड़ाई के आधार पर जानवर के वजन का अनुमान लगाया गया। शेष@पेज05

कैसे हुए विलुप्त

चीनी विज्ञान अकादमी के जीवाश्म विज्ञानी किगाओ जियांगजू का कहना है कि विशालकाय चीतों की प्रजाति संभवत: मध्य-प्लीस्टोसीन संक्रमण के दौरान जलवायु परिवर्तन के कारण विलुप्त हुई। इनके दांतों की व्यवस्था और नाक के पीछे की हड्डीदार जगह आधुनिक अफ्रीकी चीतों से मेल खाती हैं।

8 राज्य, 38 संस्करण | अजमेर ▪ अलवर ▪ अहमदाबाद ▪ इंदौर ▪ उज्जैन ▪ उदयपुर ▪ कोटा ▪ कोलकाता ▪ खंडवा ▪ ग्वालियर ▪ चेन्नई ▪ छिंदवाड़ा ▪ जगदलपुर ▪ जबलपुर ▪ जयपुर ▪ जोधपुर ▪ झुंझुनूं ▪ दिल्ली ▪ नागौर ▪ नर्मदापुरम ▪ पाली ▪ बाड़मेर ▪ बांसवाड़ा ▪ बिलासपुर ▪ बीकानेर ▪ बेंगलूरु ▪ भरतपुर ▪ भिलाई ▪ भीलवाड़ा ▪ भोपाल ▪ रतलाम ▪ रायपुर ▪ सतना ▪ सागर ▪ सीकर ▪ सूरत ▪ शहडोल ▪ श्रीगंगानगर

लेनी चाहिए एक्सपर्ट की सलाह

बदलते व्यवहार को न समझें वर्चुअल ऑटिज्म

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पांच साल का राहुल बहुत अधिक टीवी देखता है। उसकी मम्मी ममता ने कुछ दिनों से उसके व्यवहार में परिवर्तन देखा। उन्होंने इंटरनेट सर्च किया तो उन्हें लगा कि बेटा वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार हो गया है और अब वह उसके लिए अच्छे डॉक्टर की तलाश कर रही हैं। ऐसा सिर्फ ममता के साथ ही नहीं, बल्कि यह स्थिति कई माताओं के साथ देखने को मिल रही है। डॉक्टर्स के अनुसार यह केवल मिथ है, जिसे अभिभावक समझ नहीं पा रहे हैं। पेरेंट्स को वर्चुअल ऑटिज्म को लेकर फैले मिथ को समझने की जरूरत है। डॉक्टर्स का मानना है कि पेरेंट्स बच्चों को समझे बिना उन्हें ट्रीटमेंट की ओर धकेल देते हैं।

स्वयं के व्यवहार को बदलें पेरेंट्स

जब बच्चा जरूरत से ज्यादा स्क्रीन टाइम बिताता है और उसके व्यवहार में बदलाव आने लगता है। वह लोगों के साथ घुलता-मिलता नहीं और सामाजिक दूरी बनाने लगता है। उसे फोन, टीवी में ही अपनी खुशी नजर आने लगती है। ऐसे में बच्चे वर्चुअल ऑटिज्म की तरफ बढ़ने लगते हैं, इसमें समझने की जरूरत यह है कि यह चेंज बच्चे के डवलपमेंट में है या फिर व्यवहार में। अगर बच्चा सामान्य रूप से सही है और अधिक स्क्रीन टाइम के कारण उसके व्यवहार में परिवर्तन है तो डॉक्टर के पास ले जाने के बजाए पेरेंट्स बच्चे के साथ खुद की आदतों को बदलें।

पेरेंट्स कर रहे हैं गलतियां

ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट डॉ. शैलेन्द्र कटारा का कहना है कि आजकल माताएं अपने बच्चों के बिहेवियर चेंज के लिए काफी हद तक जिम्मेदार हैं। बच्चा खाना नहीं खा रहा या रो रहा है तो उसे फोन दे दिया जाता है, जो कि गलत है। इससे बच्चा टीवी या फोन का एडिक्ट होने लगेगा। पेरेंट्स बच्चे का स्क्रीन टाइम कम करने के बजाए उसे अनावश्यक ट्रीटमेंट की तरफ धकेलते हैं जो बच्चे के लिए सही नहीं है।

करवाएं काउंसलिंग

पीडिएट्रिक थैरेपिस्ट डॉ. अंकिता शुक्ला बताती हैं कि वर्चुअल ऑटिज्म मुख्यतया तीन साल तक के बच्चों में ज्यादा देखा जाता है। अगर बच्चा तीन साल से बड़ा है और वह सामान्य है, लेकिन स्क्रीन टाइम के बाद से उसके बिहेवियर में चेंज है तो वह ऑटिज्म की श्रेणी में नहीं आता। पेरेंट्स, उसके बिहेवियर पर काम करें। जरूरत पड़े तो बच्चे की काउंसलिंग करवाएं।

SHE STARTUP

बच्चों के कहने पर शुरू किया काम

कभी घर की चारदीवारी में रहने वाली समीक्षा दिनेश कापकर आज कई महिलाओं को रोजगार दे रही हैं। महाराष्ट्र की समीक्षा जूट के बैग बनाने का काम करती हैं। समीक्षा ने एक हजार से अधिक महिलाओं को जूट बैग बनाने की ट्रेनिंग दी है। वह बताती हैं कि कोविड के दौरान पति की नौकरी चली गई थी, घर की स्थिति खराब हो गई। ऐसे में उन्हें बच्चों ने घर में रहकर ही कुछ काम करने की सलाह दी। तब उन्होंने जूट बैग बनाने का प्रशिक्षण लिया। हालांकि शुरुआती परेशानियों के बाद आज उन्हें 700-800 बैग बनाने के ऑर्डर प्रतिदिन मिलते हैं। वह बताती हैं कि बढ़ते ऑर्डर के कारण उन्होंने इस काम में नई तकनीकों को भी अपनाया है।

अचीवर

हॉरर डांस से सभी को चौकाया

13 साल की अर्शिया ने देश का नाम रोशन करते हुए 'अमेरिकाज गॉट टैलेंट' शो के अगले राउंड में जगह बना ली है। इतना ही नहीं अर्शिया की परफॉर्मेंस के लिए उसे शो के चारों जजेज की ओर से स्टैण्डिंग ऑविएशन भी मिला। शो में अर्शिया की अनोखी हॉरर डांस परफॉर्मेंस से दर्शक भी चौंक गए। अर्शिया का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जम्मू-कश्मीर की अर्शिया

जिमनास्टिक में गोल्ड जीत चुकी हैं। उन्होंने डांस में जिमनास्टिक शामिल कर अपने मूव्ज से जजेज से स्टैंडिंग ऑविएशन पाया। अर्शिया 'डीआइडी लिटिल स्टार', 'सुपर डांसर-4' में भी भाग ले चुकी हैं।

बिजनेस माइंड

सरल स्वभाव से बुलंदियों पर

महिला उद्यमियों की बात की जाए तो सावित्री जिंदल आज सबसे अमीर भारतीय महिला हैं। फॉर्ब्स वर्ल्ड बिलिनियर्स लिस्ट 2024 में 35.5 बिलियन डॉलर के साथ सावित्री जिंदल को सबसे अमीर भारतीय महिला बताया गया है। 84 वर्षीय जिंदल की वर्ष 2023 में कुल सम्पति 29.1 बिलियन थी। गुवाहाटी के एक छोटे से शहर तिनसुकिया की सावित्री ने पति ओ.पी. जिंदल की मृत्यु के बाद 2005 में जिंदल ग्रुप को संभाला। इससे पहले वह अपने

महिलाओं से जुड़े प्रेरणास्पद वीडियोज का लिंक हमें वॉट्सऐप नंबर **9057531584** पर भेजें। हम ऐसे वीडियो को शी न्यूज में जगह देंगे।

परिवार और नौ बच्चों के साथ खुश थीं। बहुत ही सरल स्वभाव की सावित्री हरियाणा में कैबिनेट मंत्री भी रह चुकी हैं।

पत्रिका शी न्यूज़
आप पत्रिका शी न्यूज फेसबुक पेज के माध्यम से भी जुड़ सकते हैं। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें।
हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

उपराष्ट्रपति ने युवाओं को अपने विचार व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया की शक्ति का लाभ उठाने की सलाह दी

60 साल बाद किसी प्रधानमंत्री को तीसरा कार्यकाल मिला : धनखड़

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मौजूदा सरकार के तीसरे कार्यकाल के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि 1962 के बाद यह पहली बार है कि किसी प्रधानमंत्री को तीसरा कार्यकाल मिला है।

धनखड़ ने यह बातें उपराष्ट्रपति आवास में राज्य सभा इंटर्नशिप कार्यक्रम में कही। उन्होंने प्रशिक्षुओं से अनुरोध किया कि वे अपने विचार व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया की शक्ति का उपयोग करें और लोकतंत्र में हानिकारक प्रवृत्तियों को लेकर सावधान रहें।

रचनात्मक बहस, संवाद और चर्चा की भूमिका पर जोर दिया

उन्होंने सकारात्मक विकास के लिए संसद में रचनात्मक बहस, संवाद और चर्चा की भूमिका पर जोर दिया। इसके अलावा धनखड़ ने प्रशिक्षुओं से अनुरोध किया कि अगर वे इन सिद्धांतों से कोई विचलन देखते हैं, तो वे जनता की राय जुटाएं। उन्होंने कहा कि भारत एक निष्क्रिय महाशक्ति नहीं है, बल्कि एक गतिशील देश है। जो हर दिन और हर क्षण आगे बढ़ रहा है। उपराष्ट्रपति ने स्पष्टता के लिए भारतीय संविधान का अध्ययन करने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने प्रशिक्षुओं को सलाह दी कि जब भी कोई संदेह हो तो वे भारतीय संविधान को पढ़ें। धनखड़ ने इंटर्नशिप कार्यक्रम को एक ऐसा संसदीय स्टार्टअप बताया, जो देश की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जुड़ने के लिए एक नई दिशा और प्रेरणा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि आम आदमी संसद सदस्य बने बिना भी याचिकाओं के माध्यम से सार्वजनिक मुद्दों को संसद में उठा सकते हैं।

इस अवसर पर डॉ. सुदेश धनखड़, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, राज्य सभा के महासचिव पीसी मोदी, सचिव सुनील कुमार गुप्ता, राज्य सभा के सचिव राजित पुनहानी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस का आरोप... हार की खीज निकालने के लिए संसद परिसर में किए बदलाव

भाजपा ने गांधी, शिवाजी और अंबेडकर की मूर्तियां हटाईं : खेड़ा

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. कांग्रेस ने संसद परिसर में महात्मा गांधी जी, छत्रपति शिवाजी महाराज जी और बाबा साहेब अंबेडकर जी की मूर्तियों को मौजूदा स्थानों से हटाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस मीडिया एवं प्रचार विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने कहा कि मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में मिली अपनी हार को पचा नहीं पा रही, इसलिए नित नए शगूफा ढूंढकर किसी तरीके से संविधान और लोकतंत्र के स्तंभों को तोड़ने में लगी है।

खेड़ा ने यह यह बातें कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहीं। खेड़ा ने संसद परिसर में किए बदलावों के फोटो जारी करते हुए कहा कि चुनाव के बीच नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'गांधी' फिल्म से पहले महात्मा गांधी को कोई नहीं जानता था। जब जनता ने चुनाव नतीजों के ज़रिए इसका जवाब दिया तो खीज निकालने के लिए उन्होंने संसद से गांधी जी की प्रतिमा हटा दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनावों में संविधान को बचाने की मुहिम छेड़ी तो खीज निकलने के लिए अंबेडकर जी की मूर्ति कहीं पीछे धकेल दी। फिर जब महाराष्ट्र की जनता ने चुनावों में करारा जवाब दिया तो बदला लेने के लिए शिवाजी महाराज जी की मूर्ति भी हटा दी। कांग्रेस नेता ने कहा कि चूंकि विपक्षी सांसद इन प्रतिमाओं के सामने सरकार की गलत नीतियों के प्रति विरोध प्रदर्शन करते थे, इसलिए सरकार ने इन्हें ही हटाने का फैसला कर दिया।

समितियों से नहीं ली राय

खेड़ा ने कहा कि संसद के प्रांगण में उसके गौरवशाली इतिहास को संजोने के लिए दो समितियां हैं। क्या इन दोनों समितियों से मूर्तियों को हटाने के बारे में कोई राय ली गई थी। हैरानी की बात है कि इनमें से एक समिति की आखिरी बैठक 18 दिसंबर 2018 को हुई थी। जब कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ये मुद्दा उठाया तो लोकसभा सचिवालय की तरफ से मनगढ़ंत बयान जारी किया गया कि राजनीतिक दलों से बात हुई थी, जबकि किसी राजनीतिक दल से कोई बात नहीं हुई। ऐसे में मोदी सरकार देश की जनता को स्पष्टीकरण दे कि महान विभूतियों की मूर्तियों को हटाने के पीछे मंशा क्या है।

कमोडिटीज : अमरीका में जॉब ग्रोथ से टूटी कीमतें

सोने में जबरदस्त गिरावट, चांदी भी 3700 रुपए टूटी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. अंतरराष्ट्रीय बाजारों सहित भारत में शुक्रवार को सोना-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट आई। अमरीका में जॉब ग्रोथ अच्छी रहने से ब्याज दरों जल्द कटौती की उम्मीदें धुमिल होने और भारत में भी दिसंबर तक रेपो रेट में कटौती नहीं होने से विदेशी बाजारों के साथ एमसीएक्स पर सोना 2% तो चांदी 4% लुढ़क गई। अमरीका में पिछले माह नॉन-फार्म पेरोल यानी नौकरियों में 2,72,000 का इजाफा हुआ है। यह बाजार की उम्मीदों से अधिक है। इसे कीमतों में यह गिरावट आई है। वैश्विक बाजार (कॉमेक्स) पर सोना प्रति औंस 60 डॉलर यानी 2.8% गिरकर 2310 डॉलर पर आ गया। वहीं चांदी 5% से अधिक गिरकर 29.82 डॉलर प्रति औंस पर रहा।

वायदा बाजार गिरावट

सोने-चांदी की घरेलू वायदा कीमत में शक्रवार को बड़ी गिरावट आई। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 5 अगस्त 2024 की डिलीवरी वाला 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 71,300 रुपए पर आ गया जो गुरुवार को 72,960 रुपए पर बंद हुआ था। वही चांदी 93,700 रुपए से गिरकर 88,860 रुपए के निचले स्तर पर पहुंच गई। यानी इसकी कीमतें 5,000 रुपए से अधिक लुढ़क गई। हालांकि बाद में इसमें थोड़ी तेजी आई और चांदी 3700 रुपए की गिरावट के साथ 90,117 रुपए प्रति किलो पर रहा।

अनसेफ मसाले किए जाएंगे सीज

नामी कंपनियों के मसाले अनसेफ, मिला पेस्टिसाइड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर/नई दिल्ली. मिलावट के खिलाफ अभियान के तहत देश की नामी मसाला कंपनियों के उत्पाद अनसेफ पाए गए हैं। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने इन कंपनियों के विरुद्ध भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करने और इन अनसेफ मसालों को तत्काल प्रभाव से सीज किए जाने के निर्देश दिए हैं।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान ने बताया कि जांच में एमडीएच, एवरेस्ट, गजानंद, शीबा ताजा जैसी नामी कंपनियों के मसाले अनसेफ पाए गए हैं। इनमें तय मात्रा से अधिक पेस्टिसाइड मिला है। खाद्य सामग्रियों में अनसेफ श्रेणी को सेहत के लिहाज से घातक माना जाता है। इनका लगातार उपयोग किडनी, कैंसर जैसी घातक बीमारियां पनपाने के साथ जानलेवा भी हो सकता है।

इस अभियान के तहत नामी कंपनियों सहित विभिन्न कंपनियों के मसालों के प्रदेश भर में 93 नमूने लिए गए। राज्य केंद्रीय जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट के अनुसार कुछ नमूनों में पेस्टिसाइड और इनसेक्टीसाइड की मात्रा काफी अधिक पाई गई। विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि राज्य के सभी संबंधित अधिकारियों एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को पत्र लिखकर अनसेफ पाए गए मसालों को सीज करने के निर्देश दिए हैं।

इसमें तय मात्रा से अधिक मिले

- **एमडीएच कंपनी:** गरम मसाले में एसिटामिप्रिड, थियामेथोक्साम, इमिडाक्लोप्रिड, सब्जी मसाला एवं चना मसाला में ट्राईसाइलाजोन, प्रोफिनोफोस। अधिक मिले
- **शीबा ताजा कंपनी:** रायता मसाले में थियामेथोक्साम एवं एसिटामिप्रिड।
- **गजानंद कंपनी:** अचार मसाले में इथियोन।
- **एवरेस्ट कंपनी:** जीरा मसाले में एजोक्सीस्ट्रोबिन व थियामेथोक्साम पेस्टिसाइड, इनसेक्टीसाइड।

राजस्थान : कई जगह बारिश

अंधड़ से हिण्डौन में विद्युत तंत्र को हुआ नुकसान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर/नई दिल्ली. राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का असर जारी है। अधिकतर जिलों में अंधड़-बारिश का दौर चल रहा है। राज्य में गुरुवार देर रात आए अंधड़ से दो जनों की मौत हो गई।

मौसम केन्द्र के अनुसार शुक्रवार को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से जोधपुर, बीकानेर, अजमेर व जयपुर संभाग के कुछ भागों में दोपहर बाद तेज अंधड़ के साथ बारिश हुई। हिण्डौनसिटी में तेज अंधड़ और बारिश से बिजली के सैकड़ों पोल टूट गए और दर्जनों ट्रांसफार्मर जमीन पर गिर गए। करीब दो घंटे तक चले चक्रवाती अंधड़ से क्षेत्र का विद्युत तंत्र चरमरा गया। अंधड़ से विद्युत निगम को करीब सवा करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अंधड़ के दौरान छत से उतरते समय गिरने से रमेश सैनी की मौत हो गई। खेतड़ी के गांव अशोक नगर में गुरुवार रात को अंधड़ के दौरान पेड़ गिरने से घायल महिला सावित्री देवी की भी मौत हो गई। इससे पहले उसकी बेटी काजल की भी मौत हो गई थी।

आगे क्या... आज यहां बारिश-आंधी

मौसम केन्द्र के अनुसार 8 और 9 जून को भी जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, अजमेर भरतपुर और कोटा संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन, आंधी व हल्की बारिश की संभावना है। 10 जून से कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में आंधी-बारिश की गतिविधियां दर्ज होने और शेष भागों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

उठने लगी नीट परीक्षा निरस्त करने की मांग

कोटा/नई दिल्ली @ पत्रिका . नीट यूजी 2024 के परिणाम में खामियों पर एनटीए की ओर से दो बार स्पष्टीकरण देने के बावजूद कोटा समेत देशभर में नीट परीक्षा निरस्त करने की मांग जोर पकड़ रही है।

कोटा में न्यू कोटा हॉस्टल एसोसिएशन के सदस्यों व नीट परीक्षा में शामिल स्टूडेंट्स ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री और राष्ट्रपति के नाम एडीएम को ज्ञापन देकर परीक्षा निरस्त करने की मांग उठाई। महासचिव राजीव कुमार ने बताया कि एनटीए की ओर से 5 मई को नीट यूजी 2024 परीक्षा आयोजित की गई थी, उसका पेपर 4 मई को रात को लीक हो गया और काफी लोगों के पास इसकी प्रतिलिपि है। उसके बाद इस पेपर का रिजल्ट जारी किया गया।

उधर, एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा ने बताया कि एजेंसी की ओर से जारी स्पष्टीकरण के अनुसार 1563 विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान व्यवधान उत्पन्न होने से नष्ट हुए समय को कंपेनसेट करने के लिए कंपेनसेटरी मार्क्स जारी किए गए। इन्हीं कंपेनसेटरी मार्क्स के कारण 6 अतिरिक्त विद्यार्थियों को परफेक्ट स्कोर 720/720 प्राप्त हुआ। प्रोविजनल उत्तर तालिकाओं पर 13373 आपत्तियां दर्ज की गई।

जेईई एडवांस्ड : 9 जून को रिजल्ट

कोटा @ पत्रिका . जेईई एडवांस्ड का परिणाम 9 जून को सुबह 10 बजे जारी होगा। आईआईटी मद्रास की ओर से 26 मई को दो पारियों में यह परीक्षा देश के 221 परीक्षा शहरों में हुई थी। परिणाम के साथ फाइनल आंसर-की भी जारी की जाएगी।

एसपी ने नहीं दी गवाही पर आने की अनुमति, थानेदार गिरफ्तारी वारंट से तलब

भीलवाड़ा@ पत्रिका . राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद गवाही के लिए पेशी पर नहीं आने पर अदालत ने शुक्रवार को नाराजगी जताई। विशिष्ट न्यायालय (एनडीपीएस मामलात) ने मांडलगढ़ थाने के तत्कालीन थानाप्रभारी सुरेश चौधरी को गिरफ्तारी वारंट से तलब किया है। वर्तमान में सीआई डीडवाना जिले में पदस्थापित है। डीडवाना पुलिस अधीक्षक सीआई को राजकार्य में व्यस्त बताकर गवाही के लिए नहीं भेज रहे।

प्रकरण के अनुसार 15 फरवरी 2022 को मांडलगढ़ थाने के तत्कालीन प्रभारी सुरेश कुमार चौधरी ने कार से 222 किलो 300 ग्राम डोडा चूरा बरामद किया। मौके से डाबर कला (देवली) निवासी शैतानसिंह गुर्जर को गिरफ्तार किया। तभी से आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में है। आरोपी की ओर से राजस्थान उच्च न्यायालय में जमानत अर्जी लगाई थी। उच्च न्यायालय ने मामले में जब्ती अधिकारी सीआई सुरेश कुमार के दो माह में अधीनस्थ न्यायालय में बयान लेखबद्ध कराने के आदेश दिए। गवाह को तीन पेशियों पर बुलाया गया। हर बार डीडवाना एसपी ने राजकार्य में व्यस्त बताकर सीआई को नहीं भेजा।

तैयारी : इरडा ने सरेंडर वैल्यू बढ़ाने के लिए तैयार किया नया प्रस्ताव

पॉलिसीधारकों को बीमा पॉलिसी सरेंडर करने पर अधिक राशि वापस मिलेगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. बीमा नियामक इरडा जल्द ही इंश्योरेंस पॉलिसी सरेंडर करने के नियमों में बड़ा फेरबदल कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीमा का सरेंडर वैल्यू बढ़ाने के लिए इरडा ने नया प्रस्ताव तैयार कर लिया है। बीमा कंपनियों से इस पर राय मांगी गई है। नए प्रस्ताव में बीमा वापसी शुल्क सरेंडर चार्ज को बढ़ाकर 82% करने की बात कही गई है। वर्तमान में यह वैल्यू करीब 30% है। अगर नया प्रस्ताव लागू हुआ तो यदि कोई शख्स परिपक्वता अवधि से पहले अपनी जीवन बीमा पॉलिसी को सरेंडर करता है तो उसे पहले के मुकाबले ज्यादा रकम वापस मिलेगी।

दिसंबर, 2023 में भी इरडा ने सरेंडर वैल्यू बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था, जिसका विरोध बीमा कंपनियों ने किया था, जिससे इसे लागू नहीं किया गया और अप्रेल, में इरडा को पुराना नियम ही लागू करना पड़ा है। अब दोबारा यह कवायद शुरू की गई है। नया प्रस्ताव पास हो जाता है, इसका फायदा बीमाधारकों को होगा।

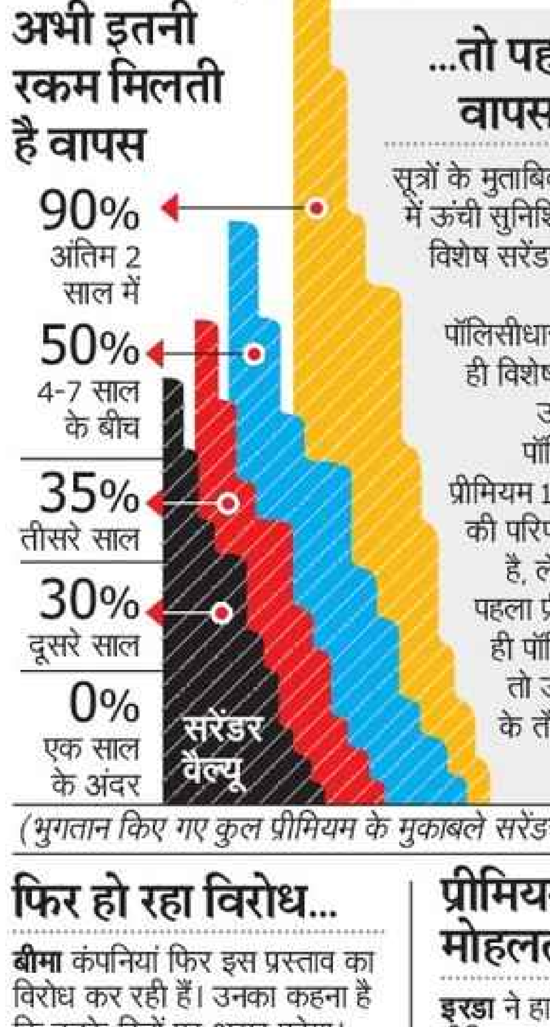

(भुगतान किए गए कुल प्रीमियम के मुकाबले सरेंडर राशि)

...तो पहले साल में भी वापस मिलेगी रकम

सूत्रों के मुताबिक, इरडा ने नए प्रस्ताव में ऊंची सुनिश्चित रकम वापसी और विशेष सरेंडर वैल्यू का भी विकल्प रखा है। इसके तहत पॉलिसीधारकों को पहले साल से ही विशेष सरेंडर वैल्यू मिलेगी। उदाहरण के लिए किसी पॉलिसीधारक का वार्षिक प्रीमियम 100 रुपए है और बीमा की परिपक्वता अवधि 10 साल है, लेकिन पॉलिसीधारक ने पहला प्रीमियम चुकाने के बाद ही पॉलिसी सरेंडर कर दिया तो उसे विशेष सरेंडर वैल्यू के तौर पर 30 से 50 रुपए तक वापस मिलेंगे।

फिर हो रहा विरोध...

बीमा कंपनियां फिर इस प्रस्ताव का विरोध कर रही हैं। उनका कहना है कि उनके हितों पर असर पड़ेगा। कंपनियों ने छोटी और लंबी अवधि वालीपॉलिसी के अनुसार सरेंडर वैल्यू तय करने की बात कही है। यह 5 साल से पहले पॉलिसी लौटाने के आधार पर तय हो सकती है।

प्रीमियम चुकाने की मोहलत अवधि बढ़ी

इरडा ने हाल में बीमा पॉलिसी प्रीमियम भुगतान के लिए ग्रेस पीरियड के नियमों में बदलाव किया है। अगर पॉलिसी अवधि के दौरान प्रीमियम का भुगतान किस्तों में किया जाता है, तो ग्रेस पीरियड के लिए भी कवरेज उपलब्ध होगा।

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सिलेक्शन®
INSTITUTE OF BANKING PERSONNEL SELECTION
असेसमेंट में, हम पर भरोसा रखता है भारत
In assessment, India trusts us

CRP RRBs XIII
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRBs) में
अधिकारी (स्केल-I, II एवं III) तथा ऑफिस सहायक (मल्टीपर्पज)
की भर्ती हेतु साझा भर्ती प्रकिया

वेबसाइट: www.ibps.in
प्रश्नों/शिकायतों के लिए कृपया http://cgrs.ibps.in पर लॉग इन करें।

आरआरबी (CRP RRBs XIII) के लिए अगली साझा भर्ती प्रक्रिया ग्रुप 'ए' अधिकारी (स्केल-I, II एवं III) और ग्रुप 'बी' ऑफिस सहायक (मल्टीपर्पज) की भर्ती हेतु ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सिलेक्शन (IBPS) के द्वारा संभवतः नीचे दिए गए अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार किया जायेगा। इसी प्रक्रिया के अधीन ग्रुप 'ए' अधिकारी (स्केल-I, II एवं III) की भर्ती के लिए साक्षात्कार नाबार्ड एवं आईबीपीएस के सहयोग से नोडल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा उचित प्राधिकरण के साथ परामर्श करके संभवतः नवंबर, 2024 में आयोजित किया जायेगा।

CRP RRBs XIII के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे निर्धारित तिथि पर न्यूनतम पात्रता मानदंड पूर्ण करते हों, जैसा कि अधिकृत वेबसाइट पर आईबीपीएस द्वारा जारी और दी गई विस्तृत अधिसूचना में बताया गया है।

आयोजन	संभावित तिथियाँ
आवेदन के संपादन/संशोधन सहित ऑनलाइन पंजीकरण और आवेदन शुल्क/सूचना शुल्क का भुगतान	07.06.2024 से 27.06.2024
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण (PET) का आयोजन ●	22.07.2024 से 27.07.2024
ऑनलाइन परीक्षा - प्रारंभिक	अगस्त, 2024
ऑनलाइन परीक्षा - प्रारंभिक का परिणाम	अगस्त/ सितंबर, 2024
ऑनलाइन परीक्षा - मुख्य/सिंगल	सितंबर/ अक्टूबर, 2024

● पीईटी ऑनलाइन स्वरूप में या भौतिक स्वरूप में आयोजित की जा सकती है।

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे विस्तृत जानकारी एवं अपडेट के लिए आईबीपीएस की अधिकृत वेबसाइट www.ibps.in का नियमित अवलोकन करें।

ऑनलाइन पंजीकरण करने से पहले, उम्मीदवारों को विस्तृत अधिसूचना पढ़ने तथा इसमें वर्णित अनुदेशों का पालन करने की सलाह दी जाती है।

मुंबई
दिनांक : 07.06.2024
निदेशक

गठबंधन मजबूरी नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता है

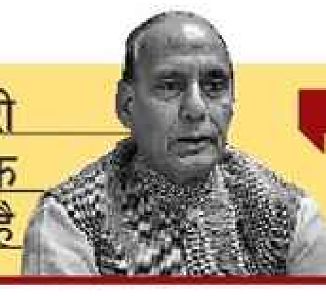

मोदीजी के नेतृत्व, दक्षता और दूरदर्शिता के कारण एनडीए परिवार बड़ा हुआ है। अटलजी के समय से ही एनडीए की पहचान गठबंधन धर्म निभाने वाले परिवार के रूप में रही है। हमारे लिए गठबंधन मजबूरी नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता है।

राजनाथ सिंह, पूर्व रक्षा मंत्री

एनडीए 3.0 की तैयारी: सहयोगियों का अभिवादन, संविधान का सम्मान और वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात

नई दिल्ली में संविधान सदन में शुक्रवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक के लिए पहुंचने पर एनडीए नेताओं का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। बैठक के लिए पहुंचने पर उन्होंने भारत के संविधान को ससम्मान माथे से लगाया। पार्टी और एनडीए घटकों के नेताओं से मुलाकात के दौरान उन्होंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पीठ भी थपथपाई। बाद में उन्होंने लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी से उनके आवास पर मुलाकात भी की।

संकेतक: संसद की संरचना समझने के महत्त्वपूर्ण पैमाने

एनडीए के 293, 'इंडिया' समूह के 234 और अन्य 16 सांसद 18वीं लोकसभा का हिस्सा बनेंगे। लोकसभा के ये सदस्य लोकतंत्र में अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में अहम भूमिका निभाएंगे। लैंगिक और जातीय प्रतिनिधित्व के साथ युवा नेताओं की मौजूदगी और सांसदों की शैक्षणिक योग्यता जैसे कुछ और भी पैमाने हैं जो संसद के गठन की बेहतर समझ देते हैं, जैसे 18वीं लोकसभा में उम्रदराज सांसद बढ़े हैं और करीब 80% सांसद स्नातक हैं। ऐसे ही कुछ ***पैमानों पर एक नजर:***

18वीं लोकसभा: 52% सांसदों का होगा पहला कार्यकाल

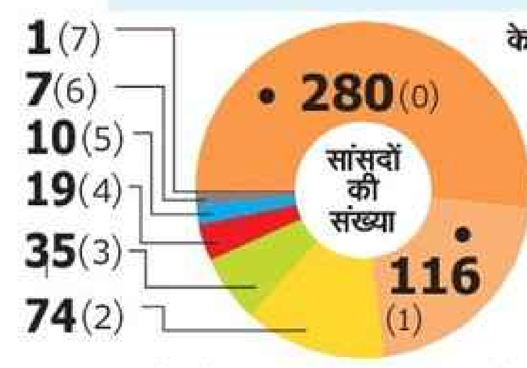

केरल में मवेलिक्करा सीट से कांग्रेस के निवर्तमान सांसद कोडिकुन्निल सुरेश इसी सीट से फिर से निर्वाचित हो गए हैं। 18वीं लोकसभा में यह उनका सातवां कार्यकाल होगा।

कोष्ठक में दी गई संख्या बताती है कितने कार्यकाल हो चुके हैं। आम तौर पर लोकसभा में एक कार्यकाल पांच साल का रहता है।

लोकसभा में पहली बार निर्वाचित सांसद पार्टीवार

पेशे से किसान और सामाजिक कार्यकर्ताओं की अधिकता

प्रोफेशन	जानकारी मुहैया कराने वाले सांसद
सामाजिक कार्य	48%
कृषि	37%
ट्रेड व बिजनेस	32%
विधि	7%
चिकित्सा	4%
कला व मनोरंजन	3%
शिक्षण	3%
सरकारी सेवा से निवृत्त	2%

प्रत्याशी अपने शपथ-पत्र में एक से अधिक पेशे का उल्लेख कर सकते हैं।

18वीं लोकसभा में 7 प्रतिशत सांसद अधिवक्ता हैं और 4 प्रतिशत मेडिकल प्रैक्टिशनर हैं।

राजनीति के रंग: इस बार लोकसभा में नहीं रहेगी बीजू जनता दल और बसपा की मौजूदगी

हार के बाद छह क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व पर संकट

जग्गोसिंह धाकड़
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव परिणाम भाजपा के लिए चौंकाने वाले रहे। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। कम सीट आने के बाद भी भाजपा सरकार बना रही है, क्योंकि एनडीए के सांसदों का आंकड़ा बहुमत के अंक से ज्यादा है। भाजपा को यह संतोष है कि सत्ता से बाहर नहीं हुई। वहीं कांग्रेस 99 सीटें आने पर भी खुश है, क्योंकि पिछले चुनाव की तुलना में सीटें लगभग दोगुनी हो गई हैं। इसके अलावा क्षेत्रीय दल समाजवादी पार्टी के लिए चुनाव परिणाम खुशी का पैगाम लेकर आए हैं। सपा 5 सीटों से 37 पर पहुंच गई है।

इस बीच कुछ क्षेत्रीय दल ऐसे भी हैं जो हाशिए पर पहुंच गए हैं। इनमें छह क्षेत्रीय दल ऐसे हैं, जिन्होंने मुख्यमंत्री दिए और बड़ी संख्या में सांसदों को संसद में भेजा, पर इस बार के लोकसभा चुनाव में शून्य पर आ गए और अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी के लिए लोकसभा के नतीजे विधानसभा चुनाव 2022 से भी खराब रहे हैं। विधानसभा में तो कम से कम पार्टी को एक सीट मिल गई थी, पर लोकसभा चुनाव में खाता खुलना तो दूर की बात है, किसी भी सीट पर बसपा दूसरे नम्बर पर भी नहीं रही।

यूपी में खाता खोलना तो दूर, कहीं दूसरे नंबर पर भी नहीं रही बसपा

नवीन पटनायक | के. चंद्रशेखर राव | ईके पलानीस्वामी | मायावती | महबूबा मुफ्ती | दुष्यंत चौटाला

बीजू जनता दल: पिछली बार थीं 12 सीट, अब शून्य पर

बीजू जनता दल की स्थापना 1997 में हुई थी। इसके बाद पहली बार बीजू पटनायक की पार्टी को लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं मिली। विधानसभा चुनाव में भी 2009 के बाद पहली बार पार्टी बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने में विफल रही। पटनायक, जो 24 वर्ष से अधिक समय तक ओडिशा के मुख्यमंत्री रहे, उन्हें अब हटना होगा। लोकसभा चुनाव में, बीजद का वोट शेयर 2019 के 43.32 प्रतिशत से गिरकर 37.53 प्रतिशत रह गया है। पिछले चुनाव में बीजद ने कुल 21 सीट में से 12 सीटें जीती थीं, पर इस बार आंकड़ा शून्य पर आ गया। विधानसभा चुनाव में भी बीजद का वोट शेयर कम हुआ है। दोनों चुनावों में यह अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। बीजद उन क्षेत्रीय दलों में से एक थी जो मतदाताओं पर प्रभाव रखती थी, लेकिन इस साल एक भी लोकसभा सीट जीतने में नाकामयाब रही।

बसपा की पकड़ खत्म : उत्तरप्रदेश में कभी दलितों की आवाज मानी जाने वाली बहुजन समाज पार्टी की राज्य पर पकड़ खत्म हो गई है। पार्टी चुनावों में अपना खाता खोलने में विफल रही और 10 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर खोकर 9.39 प्रतिशत पर आ गई। 2019 में, उसने 19.43 प्रतिशत वोट शेयर के साथ लोकसभा में 10 सीटें हासिल की थीं, पर इस बार एक भी सीट नहीं जीत पाई।

बीआरएस: खाता खोलने में विफल... दक्षिण के राज्य तेलंगाना में के. चन्द्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) भी अपना खाता खोलने में विफल रही। 2019 के चुनाव में पार्टी ने 9 सीटें जीती थीं और 41.71 प्रतिशत मत हासिल किए थे। इस बार 16.68 प्रतिशत मत ही प्राप्त हुए हैं।

जेजेपी : निराशाजनक प्रदर्शन... जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) ने भी हरियाणा की सभी 10 सीटें हारकर निराशाजनक प्रदर्शन किया। पिछले 2019 के चुनाव में 4.9 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। इस बार 0.87 प्रतिशत मतों तक सिमट कर रह गई।

एआइएडीएमके : एक भी सीट नहीं... तमिलनाडु में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआइएडीएमके) की स्थापना राजनीतिक दिग्गज एमजी रामचंद्रन ने की थी। तमिलनाडु में पार्टी ने जितने भी सीटों पर चुनाव लड़ा, सभी पर हार गई। 2019 में इस पार्टी को एक सीट मिली थी और 18.72 प्रतिशत मत मिले थे। इस बार 20.46 प्रतिशत मत मिले हैं, पर सीट एक भी नहीं।

पीडीपी भी रही खाली हाथ... लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर में जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेकोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) का भी खाता नहीं खुल पाया। पीडीपी के बारामुला व श्रीनगर प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती खुद अनंतनाग-राजौरी से चुनाव नहीं जीत पाईं। पीडीपी को कुल 8.48 प्रतिशत मत मिले।

अपडेट

■ **मुस्लिम आरक्षण जारी रहेगा:** एनडीए के प्रमुख घटक टीडीपी के नेता एन.चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश ने कहा है कि आंध्र में मुस्लिम आरक्षण की नीति जारी रहेगी।

■ **बेनीवाल को न बुलाना चूक:** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 'इंडिया' समूह की बैठकों में आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल को न बुलाना चूक थी। बेनीवाल ने आमंत्रित न करने पर नाराजगी जताई थी।

■ **नतीजों की भविष्यवाणी में गलती हुई:** चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने स्वीकार किया है कि इस बार चुनाव के नतीजों की भविष्यवाणी करने में उनसे बड़ी गलती हुई है, वह भविष्य में इस तरह की गलती नहीं करेंगे।

■ **हो सकते हैं मध्यावधि चुनाव:** छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने छह माह से लेकर एक साल के भीतर मध्यावधि चुनाव की संभावना जताई है।

■ **नायडू 12 को शपथ लेंगे:** तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू 12 जून को तीसरी बार आंध्रप्रदेश के सीएम पद की शपथ लेंगे। करीब 30 साल पहले वह पहली बार सीएम बने थे।

कर्नाटक : लोकसभा चुनाव परिणाम करेंगे आगे की राजनीति को प्रभावित

भाजपा-कांग्रेस दोनों को झटका, उम्मीद से कम मिली सीटें

आशुतोष शर्मा
patrika.com

बेंगलूरु. कर्नाटक में लोकसभा चुनाव परिणामों से दोनों ही प्रमुख दलों, भाजपा और कांग्रेस, को झटका लगा है। दक्षिण के अपने प्रवेश द्वार में भाजपा को झटका इसलिए कि वह पिछले चुनाव का शानदार प्रदर्शन बरकरार नहीं रख पाई और कांग्रेस को इसलिए कि वह अपनी सीटों की संख्या दहाई तक नहीं पहुंच पाई।

पिछले चुनाव में 28 में से एक समर्थित निर्दलीय सहित 27 सीटें जीतने वाला एनडीए 19 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाया। भाजपा ने 17 सीटें जीतीं तो दो सीटें सहयोगी जेडी-एस के खाते में गईं। चुनाव प्रचार में भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और काम को ही मुद्दा बनाया था। मुख्यमंत्री एन. सिद्धारामैया के नेतृत्व में कांग्रेस ने राज्य सरकार की गारंटियों को प्रमुख मुद्दा बनाया था। गारंटियों की पूरे प्रदेश, खासकर ग्रामीण व अर्द्धशहरी क्षेत्रों में जबरदस्त चर्चा थी। इसका कांग्रेस को लाभ भी मिला, पर अन्य कारकों ने अपेक्षित परिणाम नहीं दिए।

भाजपा - मोदी के सहारे में लगा आंतरिक असंतोष का घुन: प्रदेश में भाजपा सिर्फ पीएम मोदी और केंद्र सरकार के राममंदिर, तीन तलाक, मुफ्त राशन जैसे बड़े काम गिनाने के भरोसे थी। शहरी क्षेत्रों में मोदी के नाम और काम के साथ हिंदुत्व के तड़के ने भाजपा को सफलता दिलाई पर ग्रामीण व अर्द्धशहरी क्षेत्रों में कांग्रेस की गारंटियां भारी पड़ीं। टिकट वितरण से लेकर चुनाव संचालन तक में पार्टी के एक खास वर्ग के प्रभुत्व और आंतरिक गुटबाजी के कारण भाजपा को खमियाजा उठाना पड़ा।

राजनीतिक प्रेक्षक मानते हैं कि प्रदेश में चुनाव की कमान दिग्गज येड्डियुरप्पा परिवार को सौंपने से भाजपा को नुकसान के बजाय फायदा ज्यादा हुआ। टिकटों में येड्डी परिवार के प्रभाव के कारण अनेक सीटों पर असंतोष हुआ पर लिंगायत मतों का एकमुश्त समर्थन और बेहतर चुनाव संचालन के कारण भाजपा को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। बगावत करने वाले केएस ईश्वरप्पा की शिमोगा में जमानत जब्त हुई पर उनके बयानों से नुकसान हुआ।

बी.एस. येड्डियुरप्पा | एचडी कुमारस्वामी | डीके शिवकुमार

कांग्रेस: गारंटियों का अति आत्मविश्वास और तुष्टीकरण के आरोप पड़े भारी

कांग्रेस ने सीटों की संख्या एक से बढ़ा कर नौ तो कर ली, पर ठीक एक साल पहले विधानसभा चुनाव में भाजपा को बड़े बहुमत से सत्ताच्युत कर सरकार बनाने वाले मुख्यमंत्री सिद्धारामैया और ख्यात पॉलिटिकल मैनेजर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार लोकसभा चुनाव में भाजपा को परास्त नहीं कर पाए। कांग्रेस को 15-17 सीटें मिलने की उम्मीद थी लेकिन गारंटियों पर अति आत्मविश्वास और तुष्टीकरण के आरोपों ने उसकी आशाओं पर पानी फेर दिया। पिछले चुनाव में जीती इकलौती बेंगलूरु ग्रामीण सहित चारों सीटें कांग्रेस ने गंवा दीं।

दलों की आंतरिक राजनीति लेगी करवट

कर्नाटक में लोकसभा चुनाव परिणाम से भाजपा-कांग्रेस की आंतरिक राजनीति नई करवट ले सकती है। सत्तारूढ़ कांग्रेस में सीएम सिद्धारामैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बीज असहज संबंध और कुर्सी की लड़ाई जगजाहिर है। हालांकि मैसूरु क्षेत्र में पार्टी की पराजय सीएम के लिए और बेंगलूरु ग्रामीण से अपने भाई की हार डिप्टी सीएम को बराबरी के स्तर पर लाती हैं लेकिन आने वाले समय में पार्टी में उठापटक हो सकती है। उधर, येड्डी परिवार के प्रभुत्व के खिलाफ पार्टी में आवाजें उठनी तय हैं लेकिन भाजपा के पास फिलहाल मौजूदा नेतृत्व से ज्यादा दमदार विकल्प तलाशना आसान नहीं है।

जेडी-एस का अस्तित्व बचा: प्रदेश में सरकार चला चुकी पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा की जेडी-एस के लिए यह चुनाव अस्तित्व की लड़ाई था। भाजपा से गठबंधन के कारण जेडी-एस ने तीन में से दो सीटें जीत लीं। मंड्या में पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी ने जीत दर्ज की लेकिन हासन की पारिवारिक सीट से यौन शोषण कांड में फंसे देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना चुनाव हार गए।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक आज

राहुल को नेता प्रतिपक्ष बनाने की मांग ने पकड़ा जोर

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) और कांग्रेस संसदीय दल की बैठक शनिवार को होने जा रही है। इससे पहले कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाने की मांग शुरू कर दी है। वहीं सीडब्ल्यूसी बैठक में भी इस मुद्दे के साथ सरकार से लोकसभा उपाध्यक्ष का पद मांगने पर चर्चा हो सकती है। इसके अलावा शेयर मार्केट स्कैम पर जेपीसी और नीट परीक्षा में गड़बड़ी की जांच की मांग को लेकर प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है।

सीडब्ल्यूसी की पहली बैठक में सभी प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल हो रहे हैं। इसमें नतीजों की समीक्षा के साथ आगामी रणनीति पर चर्चा होगी। 2014 व 2019 में कांग्रेस के पर्याप्त सांसद नहीं होने के चलते नेता प्रतिपक्ष का पद नहीं मिल सका था। इस बार 99 सांसदों के जीतने के चलते यह पद कांग्रेस को मिलना तय है। ऐसे में बैठकों से पहले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने राहुल को 'मैन ऑफ द मैच' बताकर नेता प्रतिपक्ष का पद संभालने के लिए कहा है। शाम साढ़े पांच बजे पुरानी संसद के सेंट्रल हॉल में कांग्रेस संसदीय दल की बैठक होगी।

लोकसभा उपाध्यक्ष का पद मांगने की तैयारी

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि इस बार विपक्ष के पास पर्याप्त संख्या में सांसद है। लोकसभा अध्यक्ष का पद का चुनाव सर्वसम्मिति से कराने की एवज में कांग्रेस लोकसभा उपाध्यक्ष का पद एनडीए से मांग सकती है। इस पर भी सीडब्ल्यूसी में चर्चा हो सकती है।

वायनाड को छोड़ सकते हैं राहुल

राहुल गांधी वायनाड से सांसद रहेंगे या रायबरेली से, इस पर राहुल ने अभी स्पष्ट कुछ नहीं कहा है, पर सोनिया गांधी ने रायबरेली की जनता को जिस तरह राहुल गांधी को सौंपने की बात कही थी, लग रहा है कि राहुल रायबरेली से सांसद रह सकते हैं।

जीते व हारे प्रत्याशियों को नसीहत

राहुल गांधी ने मंत्रियों के क्षेत्र में हार पर रिपोर्ट मांगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. कर्नाटक में सरकार होने के बावजूद उम्मीद से कम लोकसभा सीटें मिलने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कुछ मंत्रियों के अपने जिलों में पार्टी को अच्छी बढ़त दिलाने में विफल रहने को लेकर रिपोर्ट मांगी है।

सूत्रों के मुताबिक, राहुल ने कहा कि इसके लिए हर किसी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और गलतियों को सुधारा जाना चाहिए।

अदालत की पेशी में बेंगलूरु आए राहुल ने शुक्रवार को यहां भारत जोड़ो भवन में पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों और पराजित उम्मीदवारों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उन लोगों के दिल जीतने की कोशिश करें जिन्होंने कांग्रेस पार्टी को वोट नहीं दिया है। नए सांसदों को दिल्ली के बजाय ज्यादा समय अपने संसदीय क्षेत्रों को देना चाहिए।

बेंगलूरु में शुक्रवार को राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक की।

पत्रिका साक्षात्कार | उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

पांच के पंच से गदगद, मोदी सरकार के दस साल के कार्यों का नतीजा

डॉ. मीना कुमारी
patrika.com

नई दिल्ली. मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के अलावा उत्तराखंड ही वह राज्य है, जहां भारतीय जनता पार्टी को शत-प्रतिशत सीटों पर सफलता मिली है। राज्य में पार्टी को मिली इस अभूतपूर्व सफलता पर पार्टी का प्रदेश नेतृत्व व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गदगद हैं। पार्टी की इस शानदार सफलता के बाद दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री धामी से 'पत्रिका' की विभिन्न विषयों पर विशेष बातचीत हुई। पेश हैं चर्चा के कुछ अंश...

Q आपने उत्तराखंड में सभी पांच सीटें जीती हैं। इस जीत का श्रेय आप किसे देते हैं? शानदार सफलता के पीछे कौन-से कारण आते हैं?

दस साल में मोदी जी के नेतृत्व में जो सरकार रही, उसने हर क्षेत्र में काम किया है। महिलाओं के उत्थान के लिए, गरीबों के कल्याण के लिए, नौजवान युवाओं को स्किल रोजगार से जोड़ने के लिए, स्वरोजगार से जोड़ने के लिए, किसानों के लिए अलग से योजनाएं लाई गईं। देश का हर प्रकार से मान-सम्मान और पहचान बढ़ाई गई। ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। इससे दुनिया में भारत की एक अलग छवि बनी। उत्तराखंड से प्रधानमंत्री मोदी का बहुत गहरा लगाव है। देवभूमि में डबल इंजन की सरकार ने अनेक काम आगे बढ़ाए। चार धाम ऑल वेदर रोड बनी, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल योजना गतिमान है। हवाई सेवाएं बढ़ीं, हवाई अड्डों का विस्तार हुआ। बद्रीनाथ का मास्टर प्लान बना, केदारनाथ का पुनर्निर्माण किया गया। इसके अलावा मानसखंड क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं जॉलीकौंग और आदि कैलाश जाकर पूरी दुनिया को इन स्थानों को दिखाने का काम किया।

Q पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से उत्तराखंड की महती भूमिका है। वन संरक्षण को लेकर कौन-से बड़े काम किए हैं?

वन सम्पदा हमारी बहुत बड़ी धरोहर है। हम कोशिश कर रहे हैं कि वनाग्नि की घटनाएं कम से कम हों। उत्तराखंड देवभूमि है।

Q पांचों सीट पर जीत में यूसीसी की भूमिका को किस प्रकार देखते हैं?

यूसीसी हमारा संकल्प था। उत्तराखंड की जनता ने 2022 के विधानसभा चुनाव में उसके लिए हमें अपना समर्थन दिया था और हमने अपना वादा पूरा किया।

Q जीत का अंतर पिछले चुनाव से कुछ कम रहा। इसकी वजह?

देखिए, सभी कैंडीडेट अच्छे मार्जिन से जीते हैं।

Q कोई ऐसा कदम, जिसने राज्य की जनता को सर्वाधिक प्रभावित किया हो?

नकल विरोधी अध्यादेश के जरिए हमने प्रतियोगी परीक्षाओं में किसी व्यक्ति, प्रिंटिंग प्रेस, सेवा प्रदाता संस्था, प्रबंध तंत्र, कोचिंग संस्थान इत्यादि के अनुचित साधनों में लिप्त पाए जाने या संगठित रूप से षडयंत्र करने पर आजीवन कारावास तक की सजा तथा 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया है।

पोलमपोल भायो

बिगड़े कै सुधरे घणी, बैसाखी सूँ चाल।
चुभे कील तो पगरखी, पग करदे बेहाल!!

सरकार और पुलिस मुख्यालय की प्लानिंग पर सवाल: सरकार ने साइबर थानों को मैस भत्ते के अलावा कोई फंड दिया ही नहीं, थानों में नहीं है साइबर एक्सपर्ट

साइबर थानों के हाल: बर्तनों के लिए बजट दिया, कम्प्यूटर के लिए नहीं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. साइबर थाने में कम्प्यूटर ही नहीं। यह सुनने में जरूर अजीब लगता है, लेकिन प्रदेश के जिला स्तरीय स्पेशल साइबर थानों की यही स्थिति है। प्रदेश के सभी राजस्व जिलों में 32 थाने खोलने के साथ ही सरकार ने इन थानों को मैस (रसोई) भत्ते के अलावा कोई फंड नहीं दिया। मैस भत्ते के रूप में मिले तीन से चालीस हजार रुपए में थाने का जरूरी सामान खरीद लिया गया। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय ने थानों को बस एक-एक जीप और मोटर साइकिल दी है। कम्प्यूटर, लैपटॉप व जरूरी साइबर टूल्स के नाम पर कुछ नहीं दिया गया। दो साल से यहां पर्याप्त स्टाफ के साथ साइबर एक्सपर्ट भी तैनात नहीं किए गए।

प्रदेश में जिला स्तर पर पहला साइबर थाना जयपुर कमिश्नरेट में वर्ष 2018 में खोला गया था। इसके बाद वर्ष 2022 में 32 राजस्व जिलों में स्पेशल साइबर थाने खोले गए। सरकार स्तर की गई प्लानिंग में थाने में कम्प्यूटर, लैपटॉप जैसे उपकरण और साइबर टूल्स का कोई जिक्र नहीं था। जिक्र केवल कम्प्यूटर टेबल सहित अन्य फर्नीचर का ही था। थाने खुले तो संबंधित पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि वे अपने स्तर पर थाने शुरू करने की प्रक्रिया शुरू करें। ऐसे में थाने में एक-एक कम्प्यूटर सीसीटीएनएस प्रोजेक्ट या किसी अन्य प्रोजेक्ट से निकाल कर लगाए गए।

बिना तैयारी दिए 18 करोड़, पुलिस उपयोग नहीं कर पाई

गत सरकार ने साइबर क्षेत्र में तकनीक के इस्तेमाल के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खोलने का निर्णय किया। इसके पुलिस को 18 करोड़ का बजट भी दिया। हालांकि पुलिस इसका उपयोग नहीं कर की। दरअसल इसके लिए भवन था ही नहीं और सरकार ने साइबर टूल्स के लिए बजट दे दिया। भवन की तलाश में ही पूरा समय निकल गया ऐसे में यह बजट भी लेप्स हो गया।

एक भी थाने में प्रोग्रामर नहीं, निजी एक्सपर्ट के सहारे पुलिस

सरकार ने एक थाने पर पन्द्रह पुलिसकर्मियों का स्टाफ निर्धारित किया। इसमें उप अधीक्षक और निरीक्षक के साथ तीन उपनिरीक्षक, दो हेड कांस्टेबल व पांच कांस्टेबल शामिल थे। साथ ही एक प्रोग्रामर व एक सूचना सहायक का पद निर्धारित किया गया। वर्ष 2022 में खोले गए इन थानों में किसी प्रकार के लेटेस्ट साइबर टूल्स नहीं हैं। इसके अलावा पुलिस के सहयोग के लिए एक भी प्रोग्रामर नहीं दिया गया। ऐसे में थाने वाले पूरी तरह से निजी एक्सपर्ट्स पर निर्भर हैं। थानों पर जो अधिकारी लगाए गए हैं, उन्होंने साइबर की ट्रेनिंग भी नहीं ली है। यह कारण है कि इन थानों में दर्ज हो रहे मामलों में अपेक्षाकृत परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं। नफरी में पांच कांस्टेबल की संख्या भी कम साबित हो रही है। थाने में नियमित कार्यों में ही यह नफरी पूरी हो जाती है। ऐसे में जांच अधिकारी के सहयोग के लिए पुलिसकर्मी नहीं हैं।

साइबर टूल्स के लिए मांगा था प्रस्ताव

थानों की स्थापना के समय आदेश में स्पष्ट लिखा था कि थानों में तकनीकी साधन और साइबर टूल्स के लिए पुलिस मुख्यालय अलग से प्रस्ताव भेजेगा। यह मामला अभी तक कागजों में ही अटका है। धरातल पर कोई काम नहीं किया गया।

ट्रेंडिंग वीडियो पत्रिका

1.

मोदी ने बताया प्लान: अब क्या करेगा इंडिया गठबंधन

2.
मौसम विभाग की राजस्थान के लिए भविष्यवाणी

न्यूज शॉर्ट्स

बिना भौतिक सत्यापन जारी किए पंजीयन प्रमाण-पत्र होंगे निरस्त

जयपुर @ पत्रिका. बाड़मेर और दौसा में बिना भौतिक सत्यापन जारी किए गए 10 टैंकरों के पंजीयन प्रमाण-पत्र निरस्त किए जाएंगे। परिवहन विभाग ने इस संबंध में दोनों आरटीओ को निर्देश जारी किए हैं। राजस्थान पत्रिका ने प्रमुखता से इस मामले को उठाया था। पत्रिका ने तीन जून को निर्माता डीलर आरटीओ का खेल, पुराने वाहनों को बनाया टॉप मॉडल शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया था। इसमें बताया था कि आइओसीएल के एक टेंडर लेने के लिए टैंकरों का फर्जी रजिस्ट्रेशन किया गया। इसमें वाहन निर्माता से लेकर डीलर और परिवहन अधिकारी तक शामिल हो गए। इधर, विभाग मामले में जांच पूरी कर ली है। जांच में भी अधिकारी दोषी साबित हुए हैं। लेकिन अभी तक कार्रवाई नहीं की गई है।

मई-जून के अलावा सितंबर और जनवरी में भी होंगी सीए परीक्षाएं

जोधपुर@पत्रिका. इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आइसीएआइ) ने परीक्षा में नकल रोकने के लिए विद्यार्थियों को चेतावनी दी है। अब परीक्षा में चीटिंग करते पाए जाने पर अभ्यर्थी को पांच साल के लिए बाहर कर दिया जाएगा। इसके अलावा अब साल में तीन बार सीए परीक्षाएं होंगी। ये परीक्षाएं मई-जून के अलावा सितंबर और जनवरी में भी होंगी। पहले विद्यार्थी साल में दो बार मई और नवंबर में ही सीए परीक्षा दे पाते थे। साथ ही सीए फाइनल की परीक्षा साल में दो बार मई और नवंबर में होंगी।

नागौर: राजस्थानी भाषा के 29 साहित्यकारों का सम्मान कल

डेह (नागौर) @ पत्रिका. अखिल भारतीय राजस्थानी भाषा मान्यता संघर्ष समिति तथा नेम प्रकाशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को कुंजल माता मंदिर में मायड़ भाषा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। समारोह में अलग-अलग विधाओं में लेखन, भाषा एवं संस्कृति के क्षेत्र में की गई उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 29 साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष पवन पहाड़िया ने बताया कि जोधपुर के साहित्यकार प्रो. हजूर खां मेहर को शिखर सम्मान के तहत 51 हजार की राशि तथा अन्य सभी को ग्यारह-ग्यारह हजार की राशि, श्रीफल, शॉल भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक साहित्यकार लक्ष्मण दान कविया ने बताया कि समारोह की मुख्य अतिथि राज्य मंत्री डॉ. मंजु बाघमार होंगी, अध्यक्षता पुलिस जबाबदेही आयोग के अध्यक्ष एच.आर. कुड़ी करेंगे।

शिक्षा निदेशालय ने सरकारी व निजी स्कूलों के लिए जारी की गाइडलाइन

ऑनलाइन गेम बिगाड़ रहे बच्चों का मूड, शिक्षक दिलाएंगे मोबाइल स्क्रीन से छुटकारा

चिंता: 99.7% मोबाइल के संपर्क में, 56.5% 2 घंटे से अधिक दे रहे | **गंभीरता: शिक्षा निदेशक ने शिक्षकों को सौंपा इस लत से बचाने का जिम्मा** | **ट्रैकिंग: विद्यार्थी में हुए परिवर्तन पर अध्यापक और सहपाठी रखेंगे नजर**

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर/अलवर. स्कूली बच्चों में बढ़ते मोबाइल स्क्रीन टाइम के दुष्परिणाम पढ़ाई के दौरान उनके गुमसुम रहने के रूप में सामने आने लगे हैं। ऑनलाइन गेम की लत से बच्चों के माता-पिता परेशान रहने लगे हैं। इसके चलते बच्चों का पढ़ाई से मोहभंग होने की शिक्षकों ने शिक्षा निदेशालय को रिपोर्ट दी है। जिस पर शिक्षा निदेशालय माध्यमिक ने प्रदेश के सरकारी व निजी स्कूलों को एक विस्तृत गाइडलाइन जारी की है। इसमें शिक्षकों को कक्षा में बच्चों पर नजर रखकर ऐसे बच्चों को चिह्नित करने का जिम्मा सौंपा है, जो ऑनलाइन गेम या मोबाइल के एडिक्ट हैं।

मोबाइल और ऑनलाइन गेमिंग के बढ़ते जाल को लेकर एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी की रिसर्च रिपोर्ट भी सावचेत करती है। इसमें सामने आया कि 18 महीने से कम उम्र के भारतीय बच्चों पर किए अध्ययन में 99.7% बच्चे स्क्रीन-आधारित मीडिया के संपर्क में पाए गए। इनमें 88.7% में स्क्रीन टाइम 1 घंटे से अधिक और 56.5 % में 2 घंटे से अधिक का पाया गया। साथ ही ओटीटी पर की रिसर्च में सामने आया कि एक वयस्क एक दिन में साढ़े तीन घंटे मोबाइल स्क्रीन या इंटरनेट पर बिता रहा है। एक अन्य रिसर्च कहती है कि 41 % आबादी ऑनलाइन गेम्स के जद में आ चुकी है। इनमें से 76% डिप्रेशन के शिकार हो रहे हैं।

शिक्षकों से यह मिला फीडबैक

शिक्षा निदेशालय को शिक्षक-अभिभावक बैठक में शिक्षकों को फीडबैक मिला कि बच्चे घर पर मोबाइल में गेमिंग ऐप डाउनलोड कर लेते हैं। बच्चा स्कूल आने से ठीक पहले अभिभावक के मोबाइल पर गेम खेलकर आता है। इसकी वजह से होमवर्क प्रभावित हो रहा है। बच्चे के ऑनलाइन गेम्स व रील्स देखने की लत से अभिभावक परेशान हैं वे स्कूल से समाधान की मांग करते हैं।

स्कूलों को सौंपी जिम्मेदारी

शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) आशीष मोदी ने सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों के माध्यम से प्रदेश के शाला प्रबंधकों व प्राचार्य के लिए जागरूकता गाइडलाइन भेजी है। इसमें बच्चों को ऑनलाइन गेम्स की लत से छुटकारा दिलाने की जिम्मेदारी दी है। इसके लिए शिक्षकों के साथ ऐसे विद्यार्थियों के सहपाठियों को जोड़ने का सुझाव दिया है। सबसे पहले बच्चों के बदलते मूड और गुमसुम रहने जैसे लक्षणों के आधार पर चिह्नित करने के लिए कहा गया है। बाद में अभिभावकों के साथ सम्पर्क साधने और विद्यार्थियों की काउंसलिंग करने जैसे कदम उठाने के लिए कहा गया है।

टॉपिक एक्सपर्ट

आउटडोर खेलों की जगह ऑनलाइन गेम्स ले रहे हैं। इसके दुष्परिणाम अब बच्चों के व्यवहार पर देखने को मिलने लगे हैं। क्रिएटिव इमेजिनेशन की जगह बच्चे दिनभर स्क्रीन पर बिताए समय के बारे में सोचते रहते हैं। ऑनलाइन गेमिंग का बढ़ता क्रेज बच्चों के बौद्धिक, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। दुष्परिणामों को देखते हुए कई देशों ने ऑनलाइन गेमिंग से दूर रखने के लिए कड़े नियम बनाए हैं।

- डॉ. नवीन शर्मा, प्रोफेसर इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर

यह होगा शिक्षकों का दायित्व

- विद्यार्थी स्कूल टाइम में मोबाइल देखे तो इसकी जानकारी अभिभावक को देंगे।
- संस्था प्रधान की ओर से प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को सचेत किया जाए।
- छात्र-छात्राओं के व्यवहार में होने वाले बदलाव को परिजनों को बताएं।
- ऑनलाइन गेम वाले विद्यार्थियों की सामूहिक एवं व्यक्तिगत काउंसलिंग की जाए।
- साइबर कानून के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया जाए।

अभिभावकों का दायित्व

- अभिभावकों की ओर दिए जाने वाले फोन, गैजेट्स में चाइल्ड लॉक लगाया जाए।
- परिजन अपने बच्चों के मोबाइल की जांच समय-समय पर जरूर करें
- छात्र अगर चिड़चिड़ापन, बात-बात पर उत्तेजित हो तो काउंसलिंग करवाएं।

मरुधरा में कमल मुरझाया क्यों?

टिप्पणी
अनंत मिश्रा

प्रदेश में भाजपा को लोकसभा चुनाव में जोर का झटका बहुत जोर से लगा। कांग्रेस से अधिक सीटें जीतकर भी भाजपा मायूस है। नेता-कार्यकर्ता सकते में हैं। भाजपा के पक्ष में मतदान करने वाले लोग भी ग्यारह सीटें हारने की सच्चाई को पचा नहीं पा रहे। उम्मीदें आसमान पर थी, लेकिन नतीजों ने जमीन पर ला दिया। भाजपा के नेता इस 'जीत-हार' का अपने-अपने तरीके से विश्लेषण करेंगे। अपनी-अपनी खाल बचाते हुए? पूरे चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी कहीं नजर ही नहीं आई। मोदी के नाम के सहारे प्रत्याशी रणक्षेत्र में अकेले जूझते नजर आए।

प्रदेशाध्यक्ष सी.पी जोशी चित्तौड़गढ़ की सरहद में फंसे रहे! केंद्रीय मंत्री अपनी-अपनी सीटों को निकालने की जुगत में लगे रहे। पार्टी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह पूरे चुनाव के दौरान राजस्थान में नजर ही नहीं आए। मानो उन्हें यहां आने से रोक दिया हो। संगठन महासचिव चंद्रशेखर को लोकसभा चुनाव से पहले दूसरे राज्य की जिम्मेदारी सौंप दी गई, लेकिन राजस्थान में संगठन को संभालने की जिम्मेदारी किसी को नहीं दी गई। ऐसे में चुनाव प्रचार अभियान जोर पकड़ता तो कैसे? पहली बार भाजपा, भाजपा की तरह चुनाव लड़ती नजर आई ही नहीं। अकेले मुख्यमंत्री सभी 25 सीटों पर कमल खिलाने के लिए जोर लगाते रहे।

टिकट वितरण में किसकी चली, शायद ही कोई जानता हो? लगातार तीन चुनाव हार चुकी ज्योति मिर्धा को नागौर से पार्टी टिकट किसने दिलाया और क्यों? दो बार से लगातार चूरू सीट भाजपा की झोली में डाल रहे राहुल कस्वां का टिकट किसने कटाया और क्यों? बस्सी के कन्हैया लाल मीणा को दौसा में पार्टी का टिकट थमाया, किसने और क्यों? बांसवाड़ा सीट पर कांग्रेस से आए महेन्द्रजीत सिंह मालवीय को टिकट क्यों दिया? भाजपा ने उन्हें टिकट थमाकर सबको चौंका दिया तो मतदाताओं ने भी पिछली बार तीन लाख वोटों से जीती भाजपा को ढाई लाख वोट से पटकनी देकर चौंका दिया। हिसाब हाथों-हाथ बराबर कर दिया। राजपूत, जाट और आरक्षण के मुद्दे पर चुनाव के दौरान घमासान मचा रहा, लेकिन इस पर स्पष्टीकरण देने वाला कोई नजर नहीं आया। भाजपा की झोली से वोट खिसकते रहे, लेकिन हवा में उड़ रही भाजपा को ये फिसलन नजर ही नहीं आई।

राज्य के एक वरिष्ठ मंत्री ने चलते चुनाव के बीच बार-बार इस्तीफे की धमकी देकर पार्टी को हास्यापद स्थिति में लाते रहे। लेकिन उन्हें रोकने वाला कोई नहीं था। दस साल राज्य की मुख्यमंत्री रही वसुंधरा राजे का राज्य में जिस तरह उपयोग किया जाना चाहिए था, शायद नहीं किया गया। सबसे अहम सवाल ये कि पहली बार संघ भाजपा के लिए हमेशा की तरह खुलकर मैदान में उतरा क्यों नहीं? संघ के पर्दे के पीछे से सक्रिय न होने के कुछ तो कारण रहे होंगे? इन कारणों का ईमानदारी से विश्लेषण किए बिना हार की जमीनी सच्चाई का कारण नहीं मिलेगा। हार के कारणों और हार के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान भी करनी होगी। सिर्फ मोदी के नाम के सहारे चुनावी वैतरणी पार करने की मानसिकता से भी ऊपर उठना होगा। अभी नगर निकाय और पंचायतों के चुनाव आने वाले हैं। समय रहते नहीं संभले तो फिसलन और गहरी हो सकती हैं।

anant.mishra@epatrika.com

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

विद्यार्थी रोजगार पाने के इच्छुक बनने की जगह रोजगार देने वाले बनकर निकलें: राज्यपाल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. राज्यपाल कलराज मिश्र शुक्रवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कहा कि नई शिक्षा नीति से विश्वविद्यालय ऐसा माहौल तैयार करें कि विद्यार्थी रोजगार पाने के इच्छुक बनने की जगह रोजगार देने वाले बनकर निकलें। मिश्र ने कहा कि याद रखें, शिक्षा जीवन के लिए तैयारी नहीं है, बल्कि शिक्षा स्वयं ही जीवन है। समारोह में 2021 पास आउट 126880 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। इसी वर्ष विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों के टॉपर्स 54 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। समारोह में 39 विद्यार्थियों को विद्या-वाचस्पति की उपाधि भी प्रदान की गई। समारोह के बाद राज्यपाल ने बायोडाइवर्सिटी पार्क का लोकार्पण किया। साथ ही महाराजा गंगासिंह की प्रतिमा का अनावरण किया।

राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग ने तीन साल बाद नियमों में दी छूट

रूफ टॉप सोलर सिस्टम: दफ्तरों में नहीं अटकेंगी फाइलें, सरल हुई प्रक्रिया

पंकज वैष्णव
patrika.com

उदयपुर. राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग ने प्रदेश में घर की छतों पर सौर विद्युत ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने को बढ़ावा देने के लिए नियमों में शिथिलता बरती है। इससे प्रदेश में घरों पर सोलर सिस्टम स्थापित करने के काम में तेजी आएगी। आयोग ने केंद्रीय बिजली मंत्रालय की 22 फरवरी को जारी अधिसूचना को लेकर यह आदेश जारी किया है। राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत 2022 तक 100 गीगावॉट सौर क्षमता का लक्ष्य था, जिसमें 40 गीगावॉट क्षमता दो चरणों में रूफटॉप सोलर सिस्टम से होगी। केंद्र सरकार की ओर से हाल ही में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत एक करोड़ घरों की छतों पर सौर संयंत्र स्थापन का लक्ष्य रखा है, जिससे देश में 30 गीगावॉट सौर क्षमता आने की उम्मीद है।

तय किए ये नियम

- तकनीकी स्वीकृति जांचने की अवधि 30 दिन घटाकर 15 दिन की।
- स्वीकृति के बारे में सूचित नहीं करने पर स्वत: स्वीकृत माना जाएगा।
- दस किलोवॉट तक के लिए तकनीकी जांच स्वीकृति की जरुरत नहीं।
- सोलर सिस्टम स्थापन के 15 दिन में कनेक्शन अनुबंध करना होगा।

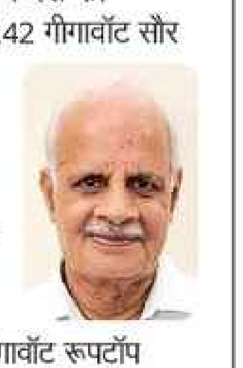

राजस्थान में देश की सर्वाधिक 142 गीगावॉट सौर क्षमता होने पर भी अब तक इसका मात्र 15 प्रतिशत ही हासिल किया जा सका है। इसमें भी राजस्थान में पूरे देश में 11 गीगावॉट रूफटॉप सोलर सिस्टम क्षमता की तुलना में मात्र एक गीगावॉट क्षमता ही हासिल की जा सकी है।

येवंती कुमार बोलिया, रिटायर्ड एसइ व ऊर्जा सलाहकार

एनडीपीएस कोर्ट की नाराजगी

पुलिस अधीक्षक ने नहीं दी गवाही पर आने की अनुमति, थानेदार गिरफ्तारी वारंट से तलब

भीलवाड़ा @ पत्रिका. राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद गवाही के लिए पेशी पर नहीं आने पर अदालत ने शुक्रवार को नाराजगी जताई। विशिष्ट न्यायालय (एनडीपीएस मामलात) ने मांडलगढ़ थाने के तत्कालीन थानाप्रभारी सुरेश चौधरी को गिरफ्तारी वारंट से तलब किया है। वर्तमान में सीआइ डीडवाना जिले में पदस्थापित है। डीडवाना पुलिस अधीक्षक सीआइ को राजकार्य में व्यस्त बताकर गवाही के लिए नहीं भेज रहे। प्रकरण के अनुसार 15 फरवरी 2022 को मांडलगढ़ थाने के तत्कालीन प्रभारी सुरेश चौधरी ने कार से 222 किलो 300 ग्राम डोडा चूरा बरामद किया। मौके से डाबर कला (देवली) निवासी शैतानसिंह गुर्जर को गिरफ्तार किया। तभी से आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में है। आरोपी की ओर से हाईकोर्ट में जमानत अर्जी लगाई थी। कोर्ट ने मामले में सीआइ सुरेश के दो माह में अधीनस्थ न्यायालय में बयान लेखबद्ध कराने के आदेश दिए। गवाह को तीन पेशियों पर बुलाया गया। हर बार डीडवाना एसपी ने राजकार्य में व्यस्त बताकर सीआइ को नहीं भेजा। एनडीपीएस कोर्ट ने 7 जून की तारीख गवाही के लिए मुकर्रर की थी। इसके बावजूद सीआइ नहीं आए। अदालत ने सीआइ को गिरफ्तारी वारंट से तलब कर 13 जून को अदालत में पेश करने के भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक को आदेश दिए।

पहल | **नागौर जिले के निंबड़ी चांदावतां के सरकारी स्कूल में विकसित किया उद्यान**

गर्मी की छुट्टियों में स्कूल जाकर पेड़-पौधे संभाल रहे शिक्षक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कुचेरा (नागौर). कोरोनाकाल में ऑक्सीजन की कमी के बाद लोगों में पेड़-पौधे लगाने के प्रति जागरूकता आई है, वहीं अब गर्मी में लोगों को हरे भरे पौधे याद आने लगे हैं, लेकिन नागौर जिले में कुछ शिक्षक पूरे साल पेड़-पौधे लगाकर पर्यावरण को बढ़ावा दे रहे हैं।

निंबड़ी चांदावतां गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक ग्रीष्मकालीन अवकाश के बावजूद नियमित रूप से विद्यालय जाकर पेड़-पौधों की सार-संभाल कर रहे हैं। शिक्षक बाबूलाल विश्नोई विद्यालय में लगे पौधों की सिंचाई करते हैं तथा पक्षियों के लिए परिंडो में पानी भरते हैं। व्याख्याता सहीराम ईनाणियां, प्रेमसुख खोजा, वरिष्ठ लिपिक रमेश कुमार दाधीच, लिपिक राजूराम सहित अन्य स्टाफ भी इस कार्य में उनका सहयोग करता है। इन शिक्षकों ने विद्यालय में प्रति वर्ष सौ पौध लगाकर उन्हें विकसित करने का लक्ष्य तय किया हुआ है।

विद्यालय में पौधों की देखभाल करते शिक्षक।

स्कूल में विकसित की बाल वाटिका

विश्नोई ने स्टाफ के सहयोग से विद्यालय में बाल वाटिका विकसित की है। पिछले तीन-चार साल से यहां लगातार पौधरोपण किया जाता है। गत वर्ष अप्रेल में 132 पौध लगाए थे। वाटिका में खुद हेज कटिंग कार्य करते हैं। पौधों की नियमित सिंचाई के लिए स्टाफ ने स्वयं के खर्चे पर बूंद-बूंद सिंचाई का सिस्टम लगाया है।

दूसरे स्कूलों के स्टाफ भी ऐसा कर रहे

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बासनी खलील में शिक्षक पहलवान सारण के साथ स्टाफ ग्रीष्मकालीन अवकाश में पौधों की देखभाल कर रहे हैं। अब विद्यालय में हरित वाटिका विकसित होने लगी है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गाजू में प्रधानाचार्य सत्तार खान, शिक्षक विष्णु दयाल शर्मा, आत्माराम टाक आदि नियमित पौधों की देखभाल करने में जुटे हैं।

नीट में कम नंबर आने से डिप्रेशन में आई छात्रा ने की आत्महत्या

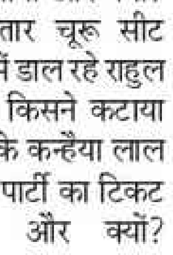

भरतपुर @ पत्रिका. एमबीबीएस कर डॉक्टर बनने की चाह रखने वाली एक छात्रा ने शुक्रवार को नीट में कम नंबर आने पर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार गौरी शंकर कॉलोनी निवासी राजेंद्र सिंह की पुत्री 19 वर्षीय तरुसिंह पिछले तीन साल से लगातार नीट दे रही थी। पहली बार नीट में उसके 148 अंक आए। दूसरी बार परीक्षा में 290 अंक आए और इस वर्ष 278 अंक ही आ पाए। इससे वह डिप्रेशन में आ गई। शुक्रवार को छात्रा की मां दीपा चौधरी एक प्राइवेट कॉलेज कामां में पढ़ाने गई थी, जबकि पिता अपनी प्राइवेट कंपनी में चेक कलेक्शन का काम करने गए थे। छात्रा का भाई चिराग कॉलेज चला गया हुआ था। पीछे से वह घर में अकेली थी। इसी दौरान दोपहर को उसने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। जब भाई घर आया तो उसकी हालत खराब देखी तो उसे तत्काल जिला आरबीएम अस्पताल लेकर गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बिना स्थायी कंस्ट्रक्शन मरीजों को मिली 85 बेड की सुविधा

एमडीएम में पहला प्री-फेब्रिकेटेड वार्ड शुरू, मरीजों को मिली राहत

एमडीएम के प्रथम तल पर शुरू किया गया प्री-फेब्रिकेटेड वार्ड।

जोधपुर @ पत्रिका. मथुरादास माथुर अस्पताल में स्थायी वार्ड के अभाव में पिछले लम्बे समय से मरीजों को परेशानी हो रही थी। इसी को देखते हुए प्री-फेब्रिकेटेड वार्ड शुरू किया गया है। कम लागत में इस वार्ड को तैयार कर यहां 85 बेड की व्यवस्था की गई है।

एमडीएम अस्पताल अधीक्षक डॉ. नवीन किशोरिया ने बताया कि प्रथम तल पर स्थायी निर्माण की अनुमति नहीं मिल रही थी। ऐसे में हमने फेब्रिकेटेड वार्ड तैयार किया है। इसकी लागत कम है और इससे मरीजों को काफी लाभ मिलेगा। इसमें फिलहाल 85 बेड लगाए गए हैं। खास बात यह है कि अस्पताल परिसर में ही तीन नए विंग बन रहे हैं, इसके बाद कई प्रकार की राहत मिल सकेगी। इसमें एसी लगाकर मरीजों को बड़ी राहत दी गई है। उन्होंने बताया कि यह स्थान पिछले लम्बे समय से बंद पड़ा था। गर्मी को देखते हुए मरीजों को यह सुविधा दी गई है।

इन डिपार्टमेंट के मरीजों को मिलेगी सुविधा

- पीडियाट्रिक यूरोलॉजी
- ऑर्थोपेडिक्स
- सर्जरी विभाग के मरीजों को भर्ती किया जा रहा है

फिल्मी स्टाइल में दो युवकों पर जानलेवा हमला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पाली. शहर के सिंधी कॉलोनी चौराहे के निकट फिल्मी स्टाइल में दो बाइक पर आए चार-पांच जनों ने बाइक सवार दो युवकों को रोका और ताबड़तोड़ उन पर लाठी-सरियों से हमला कर फरार हो गए। दोनों घायल युवकों को बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां उनका इलाज जारी है।

पाली के रामदेव रोड रजत नगर निवासी सौरभ पुत्र विजयराज और भावेश पुत्र पारसमल ब्राह्मण बाइक से सूरजपोल की तरफ जा रहे थे। इस दौरान सिंधी कॉलोनी चौराहे के निकट दो बाइक पर आए चार-पांच युवकों ने उनकी बाइक के आगे बाइक लगाकर रोका और लाठी-सरियों से हमला कर दिया। दोनों को घायल हालत में छोड़ मौके से फरार हो गए।

अचानक हुए घटनाक्रम में दोनों युवक घायल हो गए। घायल भावेश ने बताया कि वह और सौरभ फाइनेंस कम्पनी में काम करते है। करीब एक महीने पहले कुछ युवकों ने उसे रोका और शराब के लिए रुपए मांगे नहीं देने पर मारपीट की। इसको लेकर उसने मुकदमा दर्ज करवाया। उस मुकदमे में राजीनामा करने का आरोपी दबाव बना रहे थे। इसके लिए वह राजी नहीं हुआ तो उन पर हमला कर दिया।

पेज 1 का शेष

सर्वपंथ समभाव...

अगर 2024, 2019 और 2014 को जोड़कर कहूं तो इन तीन चुनाव में इन्हें जितनी सीटें मिली हैं, उससे ज्यादा हमें इस चुनाव में मिली है। मोदी ने आने वाले समय में कांग्रेस के और गर्त में जाने की भविष्यवाणी की।

9 मंत्री पद बांटने वालों से सावधानः मोदी ने कहा कि मंत्रियों का निर्धारण वह खुद करेंगे, बाहर के किसी व्यक्ति के चक्कर में कोई न पड़े। कुछ लोग सरकार बनाने में लगे हैं। ऐसी गपबाजी करने वाली फौज बहुत बड़ी है। कोई आपको मंत्री बनाने के लिए फोन करे तो वेरिफाई जरूर करें।

नौ जून ...

राजनाथ के प्रस्ताव पर शाह-गडकरी का अनुमोदन : पुराने संसद भवन (संविधान सभा) के सेंट्रल हॉल में 11.30 बजे से शुरू हुई बैठक में एनडीए के सभी दलों के शीर्ष नेता, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और कुल 293 नवनिर्वाचित सांसद जुटे। थोड़ी देर बाद पीएम मोदी बैठक में पहुंचे तो सभी ने खड़े होकर अबकी बार-एनडीए सरकार के नारे लगाते हुए स्वागत किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वागत भाषण किया तो रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने नरेंद्र मोदी को संसदीय दल के नेता चुने जाने का प्रस्ताव रखा। गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने प्रस्ताव का अनुमोदन करते हुए कहा कि उनसे बेहतर नेता इस पद के लिए कोई हो नहीं सकता। इस दौरान पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। एनडीए के नेताओं ने मोदी को माला पहनाकर स्वागत भी किया। इसके बाद गठबंधन के नेताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को समर्थन का पत्र सौंपा।

जयंत को नहीं मिली मंच पर जगह : एनडीए संसदीय दल की बैठक में रालोद नेता जयंत चौधरी को छोड़कर अन्य सभी सहयोगियों को पीएम नरेंद्र मोदी के साथ मंच पर जगह मिली। पीएम मोदी के साथ बाईं तरफ चंद्रबाबू नायडू, फिर नीतीश कुमार, एकनाथ शिंदे, चिराग पासवान, जीतनराम मांझी, अनुप्रिया पटेल बैठे थे। दाईं तरफ जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, अमित शाह, एचडी कुमारस्वामी, अजित पवार और पवन कल्याण को स्थान मिला।

नीतीश बोले, हम चाहते हैं आज ही लें शपथः नीतीश कुमार की बातों पर खूब ठहाके लगे। उन्होंने पीएम मोदी की तरफ देखते हुए कहा कि 'हम तो चाहते थे कि आप आज ही शपथ ले लें, लेकिन आप इतवार को करने वाले हैं। आपको जब इच्छा हो शपथ लें। इससे देश को बहुत लाभ है।'

नायडू ने कहा, मोदी की सभाओं से जीते चुनावः टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि पीएम मोदी की सभाओं ने आंध्र प्रदेश में चुनाव जीतने में बड़ा अंतर पैदा किया। उन्होंने कहा- मैंने चुनाव प्रचार के दौरान देखा है कि तीन महीने तक पीएम मोदी ने कभी आराम नहीं किया। दिन-रात उन्होंने प्रचार किया।

आडवाणी-जोशी से लिया आशीर्वादः एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद मोदी ने पार्टी के वरिष्ठतम नेता और अपने मार्गदर्शक लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी के घर जाकर उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भी उनके घर जाकर शिष्टाचार भेंट की।

13 लाख...

इस प्रक्रिया को स्तनधारियों में शरीर के द्रव्यमान का सटीक पूर्वानुमान माना जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि प्राचीन चीते का वजन संभवतः 290 पाउंड (130 किलोग्राम) से ज्यादा था। यह 420 पाउंड (190 किलोग्राम) तक बढ़ सकता था। यह आधुनिक अफ्रीकी चीतों के मुकाबले काफी भारी था, जिनका वजन 75 से 140 पाउंड (34 से 64 किलोग्राम) होता है।

2 जबड़ों के जीवाश्मों का किया विश्लेषणः शोध के दौरान दो जबड़ों के जीवाश्मों का विश्लेषण किया गया। ये उस खोपड़ी का हिस्सा थे, जो 1930 में बीजिंग में झोउकौडियन गुफा से बरामद की गई थी। इसे पहले प्रागैतिहासिक लकड़बग्घे की खोपड़ी माना गया था। 'एसिनोनिक्स प्लीस्टोकेनिक्स' प्रजाति करीब पांच लाख साल पहले विलुप्त हो गई थी।

रेपो रेट ...

वित्तीय वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया गया है।

फास्टैग-एनसीएमसी में अपने आप होगा रिचार्ज : आरबीआइ ऑटो पेमेंट का दायरा बढ़ाना चाहता है। उसने इसमें फास्टैग, नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड आदि को भी लाने का प्रस्ताव किया है। इसके तहत राशि कम होने पर अपने आप खाते से इन सेवाओं के लिए भुगतान (रिचार्ज) कर दिया जाएगा। राशि की सीमा ग्राहक तय करेंगे। आरबीआइ ने यूपीआइ लाइट को 'ई-मैंडेट' ढांचे के दायरे में लाने का प्रस्ताव रखा है।

बीसीएमओ कार्यालय शुरू कर दिया, रिकॉर्ड नहीं हुआ स्थानांतरित

चक्कर का चक्कर : छोटे काम के लिए भी पोकरण जाना मजबूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पोकरण (आंचलिक). भणियाणा गांव में चिकित्सा विभाग की ओर से ब्लॉक मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय शुरू करने के बाद भी रिकॉर्ड स्थानांतरित नहीं करने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। साथ ही चिकित्साधिकारियों व कर्मचारियों को भी पोकरण के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार की ओर से गत चार वर्ष पूर्व प्रदेश में पंचायतीराज संस्थाओं का पुनर्गठन किया गया था। इस दौरान भणियाणा को नई पंचायत समिति बनाया गया। इसके बाद दो वर्ष पूर्व सरकार ने सभी पंचायत समिति मुख्यालयों पर ब्लॉक कार्यालय स्थापित करने की घोषणा की। जिसके अंतर्गत भणियाणा में ब्लॉक मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय स्वीकृत किया गया।

स्वीकृति मिलने के बाद चिकित्सा विभाग की ओर से भणियाणा में कार्यालय खोल दिया गया, लेकिन अभी तक पोकरण से रिकॉर्ड स्थानांतरित नहीं किया गया है। कार्यालय के अधिकांश कार्य अभी तक पोकरण से संचालित हो रहे हैं। जिसके कारण छोटे काम के लिए भी चिकित्साधिकारियों, कर्मचारियों के साथ ही ग्रामीणों को भी पोकरण के चक्कर लगाने पड़ रहे है। भणियाणा कार्यालय जाने पर उन्हें रिकॉर्ड नहीं मिलता है।

नहीं हो पाती मॉनिटरिंग

पंचायत समिति मुख्यालयों पर बीसीएमओ कार्यालय खोलने का सबसे बड़ा कारण था कि दूर-दराज गांवों व ढाणियों में स्थित उपस्वास्थ्य केन्द्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की समय पर मॉनिटरिंग हो सके। साथ ही चिकित्सा व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर कमियों को समय पर दूर किया जा सके, ताकि आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिले और सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर पहुंच सके। दूसरी तरफ भणियाणा का रिकॉर्ड अभी तक स्थानांतरित नहीं किए जाने के कारण पूरी तरह से कार्य नहीं हो पा रहा है। ऐसे में रिकॉर्ड के अभाव में मॉनिटरिंग को लेकर भी परेशानी हो रही है।

आदेश के बाद भी स्थिति जस की तस

इस संबंध में गत आठ मई को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की ओर से ब्लॉक मुख्य चिकित्साधिकारी भणियाणा को एक पत्र लिखा गया। इसमें बताया गया कि 1 अप्रेल 2023 से भणियाणा में विधिवत रूप से कार्यालय का संचालन किया जाना था, लेकिन अभी तक पुराने पोकरण खंड कार्यालय में ही संचालन किया जा रहा है। उन्होंने पुराने खंड से समस्त सर्विस रिकॉर्ड व अन्य दस्तावेज नवसृजित खंड में लेकर कार्य सुचारू रूप से खंड मुख्यालय भणियाणा में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में शुरू करने, खंड से संबंधित समस्त गतिविधियां, बैठकों का आयोजन भी यहीं करने के निर्देश दिए थे। साथ ही इसकी सूचना तीन दिन में कार्यालय में प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी, लेकिन आदेश के एक माह बाद भी अभी तक रिकॉर्ड स्थानांतरित करने को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

दोनों आरोपी झाब थाना क्षेत्र के अंतर्गत खिरोड़ी गांव के रहने वाले

सहयोगी आरोपी के साथ ग्राम विकास अधिकारी डोडा तस्करी में गिरफ्तार

444 किलो डोडा बरामद, कीमत 75 लाख रुपए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सांचौर/झाब . झाब पुलिस ने चौरा गांव में पिकअप ट्रोले में से 22 बोरों में 444 किलो 520 ग्राम अवैध डोडा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। जब्त डोडा पोस्त की कीमत 75 लाख रुपए आंकी जा रही है।

एसपी हरीशंकर के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों में से एक आरोपी वर्तमान में लालजी की डूंगरी (सांचौर) में ग्राम विकास अधिकारी है, जो पूर्व में पुलिस कांस्टेबल रह चुका है।

दीपाराम

भजन लाल

पुलिस के अनुसार खिरोड़ी निवासी आरोपी दीपाराम पुत्र तेजाराम विश्नोई पूर्व में पुलिस विभाग में कांस्टेबल रह चुका है और वर्तमान में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत है। जबकि दूसरा आरोपी खिरोड़ी निवासी भजनलाल पुत्र किशनाराम विश्नोई के विरुद्ध पूर्व में एक एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज है।

सवाल- इतनी बड़ी खेप कहां जा रही थी

अफीम, डोडा, शराब, एमडी, स्मैक तस्करी का सांचौर जिले से पुराना जुड़ाव रहा है। डोडा तस्करी के मामले में भी पुलिस इस तस्कर गिरोह से विभिन्न जानकारी जुटा रही है। अहम सवाल यह है कि इतनी भारी मात्रा में तस्कर यह डोडा कहां से लाए और उसके बाद इसे स्थानीय स्तर पर कहां कहां सप्लाई किया जाना था। बताया जा रहा है कि यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय है तो इस गिरोह में और कौन कौन आरोपी जुड़े हैं।

पुलिस को देखकर भगाई गाड़ी

कार्रवाई के दौरान पुलिस की गाड़ी को आता देख तस्करों ने सरहद चौरा में गोशाला के पास एक कच्चे रास्ते पर गोचर भूमि में गाड़ी को भगाने लगे। पुलिस ने आरोपियों का पीछा किया। इस दौरान बीच रास्ते में एक खाई आने से तस्कर पिकअप ट्रोले को रोककर भागने लगे। पुलिस ने आरोपियों का करीब डेढ़ किलोमीटर तक पीछाकर दीपाराम व भजनलाल को दबोच लिया। मामले में शरीक अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

थोई @ पत्रिका. थाना इलाके के ठीकरिया रपटा के पास सड़क हादसे में दो जनों की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक व जीप की भिड़ंत में बाइक सवार चला निवासी हुकम राज कुमावत तथा जस्सी का बास निवासी भोमाराम वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के भाई सुल्तान राम ने थोई थाने में मामला दर्ज करवाया है कि उसका बड़ा भाई भोमाराम तथा चला निवासी हुकम राज बाइक पर जा रहे थे। इसी दौरान ठीकरिया रपटा के पास जीप ने बाइक के टक्कर मार दी। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। थोई पुलिस ने दोनों को थोई सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया। सूचना पर मृतकों के परिजन भी थोई सीएचसी पहुंचे। पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने मौके से जीप जब्त कर लिया लेकिन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

मृतक भोमाराम तथा हुकम राज।

रियायती दरों पर कल शाम तक बुक करा सकेंगे विज्ञापन

सर्व ब्राह्मण समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन 9 को

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर . ब्राह्मण समाज के विभिन्न संगठनों के आग्रह पर 9 जून को पत्रिका के राजस्थान के सभी संस्करणों सहित भोपाल, इंदौर व रायपुर संस्करण में सर्व ब्राह्मण समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन किया जाएगा।

इस विशेषांक में ब्राह्मण समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का बायोडेटा प्रकाशित किया जाएगा। इस अंक में नाममात्र की दरों पर बुकिंग के लिए देश के किसी भी हिस्से में रह रहे ब्राह्मण परिवार विवाह योग्य युवक-युवती का विवरण (पूरा नाम, शहर का नाम और कॉन्टैक्ट नंबर) वाट्सऐप नंबर 7733014575 पर भेज सकते हैं। पत्रिका टीम अति शीघ्र आपसे फोन पर संपर्क करेगी। रियायती दरों पर विज्ञापन की बुकिंग शुक्रवार शाम 5 बजे तक ही की जाएगी।

इस कार्य के लिए सारस्वत ब्राह्मण समाज जयपुर, अखिल भारतवर्षीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महिला महासभा, गौड़ ब्राह्मण महासभा जयपुर, ऑल इंडिया पारीक वैवाहिक समिति, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज मध्य प्रदेश, विप्र फाउंडेशन चूरू व ब्राह्मण कल्याण परिषद कोटा इत्यादि जुड़ चुके हैं। यदि आप देश के किसी भी हिस्से में ब्राह्मण समाज के संगठन से जुड़े हैं एवं इस मुहिम में योगदान देना चाहते हैं तो ऊपर दिए नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। गौरतलब है कि गत वर्ष 7 व 28 मई, 11 जून, 27 अगस्त, 10 व 24 सितंबर, 24 दिसंबर और इस वर्ष 7 और 21 जनवरी, 4 फरवरी एवं 26 मई को उपरोक्त संस्करणों में सर्व ब्राह्मण समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन किया जा चुका है।

महंगा पड़ा सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करना

जैसलमेर @ पत्रिका . सोशल मीडिया पर असभ्य भाषा में वीडियो अपलोड करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। गत 5 जून को झिनझिनयाली क्षेत्र में सोशल मीडिया पर जाति विशेष के प्रति असभ्य भाषा का प्रयोग करने की सूचना पर झिनझिनयाली थानाधिकारी सुरजाराम मय जाब्ता की ओर से अपरसिंह पुत्र नारायणसिंह निवासी बईया पुलिस थाना झिनझिनयाली को गिरफ्तार किया गया।

पानी को लेकर हुए झगड़े में दर्जन भर लोग घायल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दांतारामगढ़. दांता में दो परिवारों की आपसी लड़ाई के दौरान करीब दर्जन भर लोग घायल हो गए। एक घायल को सीकर रैफर किया गया। जानकारी अनुसार वार्ड 26 में दो परिवारों के बीच पानी को लेकर कहा-सुनी हो गई जो बाद में मारपीट में तब्दील हो गई। आपसी मारपीट के चलते करीब 10 लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया जहां से एक महिला को गंभीर अवस्था में सीकर रैफर कर दिया गया। घायल होने वालों में फिरदोस, नूरजहां, तारिफ, महबूब, नसीम, इकरामुदीन, सद्दाम, भंवर खा, मोहम्मद जावेद, अफसाना बानो घायल हो गए जिनमें से फिरदोस को गंभीर हालत में सीकर रैफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों ही पक्षों की तरफ से मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विशेष अभियान उमंग-3 के तहत कार्रवाई

नाबालिगों से बालश्रम कराने पर होटल वाले पर केस

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सीकर. सीकर पुलिस के निर्देश पर बालश्रम रोकथाम के लिए चलाए गए विशेष अभियान उमंग-3' के तहत फतेहपुर में होटल पर काम करते तीन बच्चों को बालश्रम से मुक्त करवाया गया। यह कार्रवाई बाल अधिकारिता विभाग सीकर की सहायक निदेशक डॉ. गार्गी शर्मा के निर्देशन में चाइल्ड हैल्पलाइन 1098 टीम व मानव तस्करी विरोधी इकाई ने मिलकर की। एसपी भुवन भूषण यादव के निर्देश पर गठित टीम फतेहपुर पहुंची। यहां पूर्णिमा रेस्टोरेंट पर बालश्रम करते दो नाबालिग बच्चे मिले। इसी तरह एक बच्चा लखदातार होटल पर बालश्रम करता मिला, जिन्हें बालश्रम से मुक्त करवाया गया। तीनों बच्चों की उम्र 14 से 16 वर्ष हैं। बच्चों ने बताया कि उनसे 12 घंटे मजदूरी करवाकर पांच से 10 हजार रुपए महीने पगार के रूप में दिए जाते थे। बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर बाल कल्याण समिति सदस्य रीना त्रिहन के समक्ष पेश कर कस्तूरबा सेवा संस्थान में अस्थाई प्रवेश दिया गया। इस संबंध में पूर्णिमा रेस्टोरेंट के मालिक रमेश कुमार व लखदातार होटल के मालिक रविकुमार के खिलाफ फतेहपुर कोतवाली थाना में मुकदमा दर्ज करवाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाड़मेर में सांसद उम्मेदाराम और बायतु विधायक हरीश चौधरी की घोषणा बनी चर्चा का विषय

चुनाव जीतते ही मेघवाल समाज को दिए 3 करोड़

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बाड़मेर . यह संभवतया पहली बार हुआ है कि चुनाव में साथ देने के लिए सांसद और विधायक ने मिलकर सांसद-विधायक नियतांष से एक साथ तीन करोड़ रुपए देने की घोषणा की हों। बाड़मेर में सांसद बने उम्मेदाराम बेनीवाल और बायतु विधायक हरीश चौधरी की यह संयुक्त घोषणा चर्चा का विषय बन गई है।

बाड़मेर में 4 जून को परिणाम आने के बाद 6 जून को शहर में मेघवाल समाज के आराध्य चंचलप्राग मठ में कांग्रेस के नेता आभार जताने और आशीर्वाद लेने को पहुंचे। इसमें सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, बायतु विधायक हरीश चौधरी, पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी सहित कई लोग थे। यहां पर चुनावों में साथ देने का आभार जताने के साथ ही मेघवाल समाज के लिए सांसद कोष से एक करोड़ रुपए देने का वादा नए सांसद ने किया। इधर, बायतु विधायक हरीश चौधरी ने अपने विधानसभा क्षेत्र में दो करोड़ रुपए के विकास कार्य विधायक कोष से समाज के लिए करने का वादा किया। एक साथ तीन करोड़ की यह घोषणा चर्चा में आ गई है।

चंचलप्राग मठ में महंत शंभुनाथ सैलानी से चर्चा करते बायतु विधायक।

इतनी बड़ी घोषणा एक साथ क्यों?

असल में बाड़मेर-जैसलमेर में त्रिकोणीय संघर्ष था। कांग्रेस का मानना है कि मेघवाल समाज ने अधिकांश कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया। इस मतदान से प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित हुई। यहां पहुंचकर आभार जताते हुए यह राशि समाज विकास के लिए दोनों ने दी है।

समाज ने सहयोग किया, इसलिए हमारे कोष से शिक्षा और सामाजिक विकास को यह राशि देने की घोषणा की है। राशि देने योग्य इन्हीं लोगों ने बनाया है तो इस राशि पर इनका अधिकार भी है। यह सार्वजनिक हित के लिए व्यय होगी।
- हरीश चौधरी, बायतु विधायक

आज का राशिफल शनिवार, 08 जून 2024

मेष	चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ आज का दिन किसी सफेद वस्तु का दान करें। धनलाभ होगा। आत्मसम्मान में वृद्धि होगी। संतान से शुभ समाचार मिलेंगे।
वृषभ	ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो सम्पति के बड़े सौदे लाभदायक रहेंगे। आप की समझ और अनुभव से भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।
मिथुन	क, की, कु, घ, ड, छ, के, को, ह दिन की शुरुआत में स्वभाव गरम रहेगा। दिनचर्या को बदलें। करीबी लोगों से आज धोखा मिलने की पूरी सम्भावना है।
कर्क	हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो रहन-सहन के आलावा अपने व्यवहार पर भी ध्यान दें। रुका हुआ धन प्रयास करने पर मिलेगा।
सिंह	मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे परिजनों का स्वास्थ्य नरम रह सकता है। लंबे समय से चले आ रहे लंबित कार्यों को आज गति मिलेगी।
कन्या	टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो अपने काम पर ध्यान दें। दूसरों की निंदा करने से बचें। धार्मिक लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग से कार्यसिद्धि होगी।
तुला	रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते बड़े प्रोजेक्ट की रूपरेखा बनेगी। दुकान-मकान के विवाद समझौते से हल होंगे। परिजनों के साथ विवाद करने से बचें।
वृश्चिक	तो, ना, नी, नू, या, यी, यू समय निकाल कर थोड़ा समय परिवार को दें। प्रेम-प्रसंग में सावधानी रखें, अन्यथा मान सम्मान को ठेस लग सकती है।
धनु	ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे परिवार के आयोजनों में बढ़- चढ़ कर हिस्सा लेंगे। जीवनसाथी के साथ गलतफहमी के कारण विवाद सम्भव है।
मकर	भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी कम समय में काम को पूरा करने की कोशिश कामयाब होगी। आज किसी असहाय की मदद जरूर करें।
कुम्भ	गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा दिन की शुरुआत नए संकल्पों से होगी। परिवार जनों के साथ किसी आयोजन में शामिल होंगे। हनुमानजी का पूजन करें।
मीन	दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि अच्छा व्यवहार आप के व्यक्तित्व को निखार सकता है। किसी संत पुरुष के दर्शन संभव है। न्याय पक्ष मजबूत होगा।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1445	ऋतु:	ग्रीष्म
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास:	जिलहिज-01	मास:	ज्येष्ठ
शाके सम्वत:	1946	अयन:	उत्तरायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन

शनिवार, 08 जून, 2024

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज प्रात: 07-18 से प्रात: 09-01 तक शुभ तथा दोपहर 12-26 से सायं 05-33 तक क्रमश: चर, लाभ व अमृत के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं एवं दोपहर 11-58 से दोपहर 12-53 तक अभिजित नामक श्रेष्ठ मुहर्त है, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं।

शुभ तिथि: द्वितीया भद्रा संज्ञक शुभ तिथि अपराह्न 03-56 तक, तदन्तर तृतीयाजया संज्ञक तिथि होगी। द्वितीया व तृतीया तिथियों में समस्त शुभ व मांगलिक कार्य, राजकीय कार्य, विवाहादि मांगलिक कार्य व प्रतिष्ठादि कार्य शुभ होते हैं, पर अभी शुक्रास्त में शुभ व मांगलिक कार्य शुभावह नहीं हैं।

नक्षत्र: आर्द्रा ''तीक्ष्ण व ऊर्ध्वमुख'' संज्ञक नक्षत्र सायं 07-42 तक, तदन्तर पुनर्वसु ''चर व तिर्झ्यंमुख'' संज्ञक नक्षत्र है। आर्द्रा नक्षत्र में लड़ाई, बन्धन, छेदन, अग्नि-विषादिक कार्य, दारुण कार्य और विद्यादि कार्य प्रशस्त हैं।

योग: गण्ड नामक नैसर्गिक अशुभ योग सायं 06-27 तक, तदन्तर वृद्धि नामक नैसर्गिक शुभ योग है।

करण: कौलवादि करण अपराह्न 03-27 तक, तदन्तर तैतिल व गरादि करण क्रमश: हैं।

व्रतोत्सव: आज रम्भातीज व्रत, मुस्लिम मास 12वां जिलहिज प्रारम्भ।

चंद्रमा : चंद्रमा मिथुन राशि में सम्पूर्ण दिवारात्रि।

शुभ मुहूर्त: उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज किसी शुभ व मांगलिक कार्यादि के शुभ व शुद्ध मुहूर्त नहीं हैं।

दिशाशूल: शनिवार को पूर्व दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार आज पश्चिम दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभप्रद है।

राहुकाल (मध्यममान से): प्रात: 9-00 बजे से प्रात: 10-30 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे- आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (घ, ङ, छ, के, को) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। इनकी जन्म राशि मिथुन है। मिथुन राशि के स्वामी बुध हैं। इनका जन्म रजतपाद से है। सामान्यत: ये नम्र स्वभाव वाले, साहसी, बुद्धिमान, अच्छे कार्यों में रुचि रखने वाले, क्षुद्र-विचार युक्त और धार्मिक कार्यों का व्यर्थ प्रदर्शन करने वाले होते हैं। इनका भाग्योदय 25वें वर्ष के बाद होता है। मिथुन राशि वाले जातकों को अपने कार्यक्षेत्र में संघर्ष व परिश्रम अधिक करना पड़ेगा। अपनी भाषा के माध्यम से दूसरों को अपना बनाने में सफल होंगे। मान-सम्मान भी मिलेगा।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। -वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

बच्चों में कुपोषण की चिंताजनक तस्वीर

पांच साल से छोटे बच्चों को उचित पोषण नहीं मिलते तो उनमें कुपोषण जनित दुर्बलता होना स्वाभाविक है। पांच साल तक के बच्चों में खाद्य गरीबी यानी पौष्टिक आहार तक पहुंच न होने की स्थिति को लेकर यूनिसेफ की ताजा रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के विकसित कहे जाने वाले देशों में भी बच्चों में कुपोषण की समस्या बनी हुई है। रिपोर्ट में यह तथ्य चौंकाने वाला है कि दुनिया का हर चौथा बच्चा गंभीर कुपोषण का शिकार है। एक तरफ हम विकास की पटरी पर सरपट दौड़ने का दावा करते हैं, दूसरी तरफ उन बच्चों की सेहत की अनदेखी कर रहे हैं जिन्हें आगे चलकर अपने-अपने क्षेत्रों में काम करना है। खाद्य गरीबी का पैमाना शरीर के लिए जरूरी मूलभूत खाद्य पदार्थों जैसे- रोटी, चावल, दाल, फल, दूध आदि के अभाव को परिलक्षित करता है।

जो तस्वीर सामने है उसको देखकर यह कहा जा सकता है कि सीमेंट-कंक्रीट की इमारतों, व तकनीक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाइयों के पायदान पर पहुंचना भर ही विकास नहीं होता। हमें उन जीवित संरचनाओं पर भी ध्यान देना होगा जिनके बल पर ही दुनिया जीवन के तमाम क्षेत्रों में बुलंदियों तक पहुंचने की उम्मीद रखती है। पर्याप्त पोषण के अभाव में ऐसे बच्चों का भविष्य आखिर कैसा होगा? या तो ये बच्चे जीवित ही नहीं रह पाएंगे और यदि उन्हें कुछ उम्र मिल भी गई तो यह तय है कि वे ठीक तरह से जीवन जीने की स्थिति में नहीं रहने वाले। पर्याप्त पोषण के बिना आखिर हम कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि हमारी यह भावी पीढ़ी दुनिया को कुछ नया देने में सफल होगी। ऐसे बच्चे तो बोझ ही बन कर रहने वाले हैं। दुनिया के तमाम देशों को इस तथ्य को समझना होगा। दुर्भाग्य से खाद्य गरीबी के कारण निशाने पर आ रही बच्चों की इस दुनिया में हमारा देश भी शामिल है। भीषण खाद्य गरीबी भारत में 40 प्रतिशत है। मध्यम खाद्य गरीबी में हम 36 प्रतिशत पर हैं। दोनों में सिर्फ अफगानिस्तान ही है, जो हमसे खराब हालत में है। खाद्य गरीबी को लेकर हमारे देश की इस तस्वीर को बदलने के लिए पिछले सालों में खूब काम हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत परिवारों तक पहुंचाया जाने वाला खाद्यान्न इसी कामकाज का हिस्सा है। फिर भी जो हालात हैं, उसमें हम स्थिति को ज्यादा बेहतर नहीं कह सकते।

यूनिसेफ की यह रिपोर्ट दर्शाती है कि अभी बहुत सा काम किया जाना शेष है। हमारे देश में आंगनबाड़ी केन्द्रों के जरिए बच्चों में कुपोषण दूर करने की दिशा में बरसों से काम हो रहा है। लेकिन इस तंत्र की व्यवस्था में कमी को इसी रूप में समझा जा सकता है कि हर साल दस लाख से ज्यादा बच्चे कुपोषित बच्चों की सूची में जुड़ते जाते हैं। शिशु और मातृ मृत्यु दर में भारत की चिंताजनक तस्वीर की वजह भी यही है। मोटे तौर पर सरकारों को चाहिए कि वे आंगनबाड़ियों की व्यवस्थाओं में भी सुधार लाएं। बच्चों की सेहत का ध्यान रखना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

सद् कर्म ही कर्म है। निरर्थक कर्म अकर्म या मन्द कर्म है। शास्त्र विरुद्ध-विकर्म दुष्कर्म कहलाते हैं। तीनों ही कर्म विवर्त बल तत्त्व के विस्तार से अनेक रूप धारण कर लेते हैं। ये तीनों ही कर्म विद्या और अविद्या भाव से युक्त होने से भिन्न-भिन्न फल प्रदान करते हैं।

कर्म के विवर्त

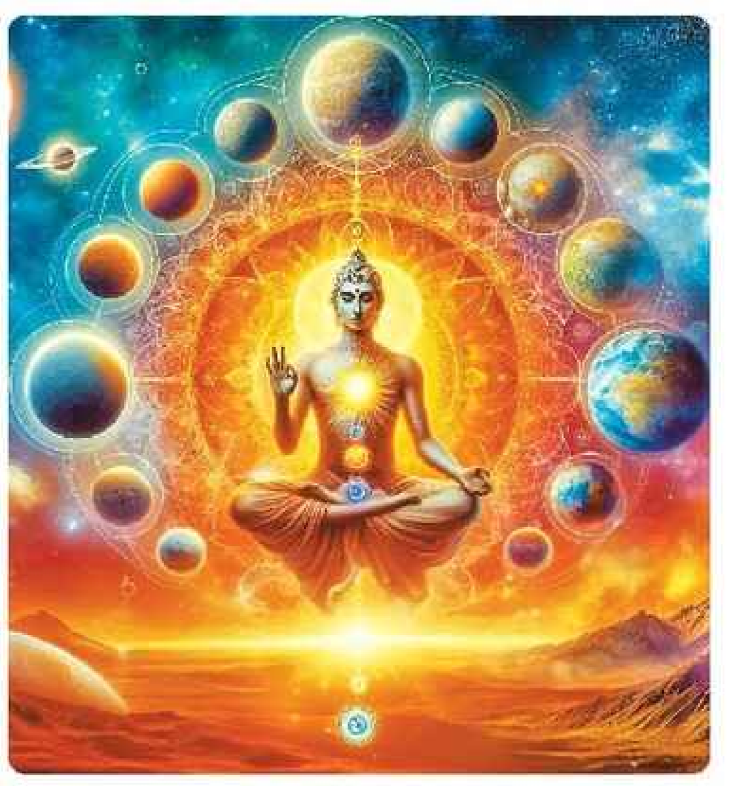

गुलाब कोठारी
प्रधान संपादक
पत्रिका समूह
@patrika.com

शरीर ही ब्रह्माण्ड

ज्ञान और कर्म दोनों का समन्वय ही शान्ति का कारण है। कृष्ण का बुद्धियोग वैराग्य है। 'समत्वं योग उच्यते, योगः कर्मसु कौशलम्' ही कृष्ण का मन्तव्य है। समत्व का पूर्ण विकास वैराग्य बुद्धियोग से ही सम्बन्ध रखता है। स्वयं कभी यह अभिमान न करें कि, मैं इनका कर्त्ता हूं।

पंचपर्वा विश्व में सूर्य मध्य में है। सूर्य के ऊपर अमृत (ज्ञान) तथा नीचे मृत्यु (कर्म) तत्त्व प्रधान है। सूर्य में ज्ञान और कर्म दोनों का समन्वय है। पृथ्वी सूर्य का ही उपग्रह है अतः उसमें अमृत भाग का अंश भी अवश्य है। भूपिण्ड का ही उपग्रह चन्द्रमा है जो अत्रिप्राण के सहयोग से उत्पन्न हुआ है। अतः चन्द्रमा भी अमृत-मृत्युमय ही है। सूर्य-चन्द्रमा-पृथ्वी क्रमशः वाक्-अन्न-अन्नाद कहलाते हैं (इन्द्र-सोम-अग्नि)। तीनों अमृत-मृत्युमय हैं। अर्द्धं ह वै प्रजापतेरात्मनो मर्त्यमासीदर्द्धममृतम् अर्थात् प्रजापति का स्वरूप भी आधे भाग से अमृत तथा आधे भाग से मृत्यु कहा गया है। तीनों के कर्म क्रमशः दिव्य-पितर-पार्थिव कहलाते हैं। ये कर्म भी अमृत-मृत्यु रूप दो-दो विभागों में बंटे हैं।

सूर्य देवलोक है-33 प्राणों से युक्त है। चन्द्रमा पितर लोक है-पितर प्राणों का लोक है, पृथ्वी मनुष्य लोक है। मानव में देव-पितर प्राणों का अंश भी रहता है। अतः तीन कर्म धाराओं का समावेश रहता है। व्यक्ति को किसी न किसी कर्म में अवश्य प्रवृत्त रहना पड़ता है। कर्म मार्ग में प्रवृत्त करने वाली प्रकृति (योगमायात्मिका) के पांच पर्व हैं-स्वयंभू-परमेष्ठी-सूर्य-पृथ्वी-चन्द्रमा। पांचों ही पर्व रस और बल के सम्बन्ध से आत्मा-शरीर दो-दो भागों में विभक्त हैं। आत्मा ब्रह्म है, ज्ञान है। शरीर कर्म है। इसी पंचपर्वा विश्व को आधिदेविक कहा है। यही ज्ञानप्रधान दृष्टि से ब्रह्माश्वत्थ है, कर्मप्रधान दृष्टि से कर्माश्वत्थ है। ब्रह्माश्वत्थ अपरिवर्तनीय है, कर्माश्वत्थ सम्यक्-संसरणशील है। यही संसारवृक्ष कहलाता है।

जीव ब्रह्म-कर्म रूप अव्यय का ही अंश है। इसमें भी अंशी के दोनों भाव-ज्ञान और कर्म हैं। आधिदेविक पुरुष के ब्रह्म-कर्म धातु सम भाव में तथा वैकृतिक आधिभौतिक पुरुष के धातु विषम भाव में रहते हैं। रोदसी त्रिलोकी (भू, भुवः, स्वः) के पार्थिव जीव सर्ग में सूर्य-चन्द्रमा-पृथ्वी के ब्रह्म-कर्म युग्मों की प्रधानता रहती है। इसमें भी सौर ब्रह्म-कर्म मात्रा पूर्ण विकसित होती है तथा सूर्य समभावों के कारण समत्व योग (बुद्धियोग) की प्रतिष्ठा बनता है। चन्द्रमा में ज्ञान मात्रा अर्द्ध विकसित है, कर्म मात्रा पूर्ण विकसित है। पृथ्वी में ज्ञान की अपेक्षा कर्म बलवान है। सूर्य में ज्ञानशक्ति, चन्द्रमा में क्रियाशक्ति तथा पृथ्वी में अर्थशक्ति विकसित है।

पार्थिव प्राणयुक्त होने से मानव का कर्म अर्थ प्रधान रहता है। तमोगुण युक्त अर्थ की आसक्ति ही तामस गति का कारण बनती है। इसके प्रभाव से प्रज्ञाभाग तामसी हो जाता है। अर्थ-काम की प्रधानता के कारण अर्थ संचय तथा इन्द्रिय कामनाओं की तृप्ति ही लक्ष्य होता है। देव-पितर आदि से ऋण लेकर उत्पन्न मानव क्या करता है? पशु की तरह पेट पालना कोई कर्म नहीं। तब तो अर्थजीवी ही अर्थी पर आरुढ़ है। यही स्वार्थी भाव है। धरती का भार है।

अपने स्वार्थ के साथ-साथ दूसरों की भलाई सोचने में चन्द्रमा के पितृ कर्म का विकास ही प्रेरक है। परमार्थ कर्म श्रद्धासूत्र द्वारा पितृ प्राण की प्रेरणा का फल कहा जाता है। इष्ट-आपूर्त-दत्त तीन प्रकार के कर्म होते हैं। स्वजनों के हित के लिए किए कर्म इष्ट हैं। अन्य दरिद्र-अनाथ-असमर्थ लोगों की सहायता-रक्षा करना दत्त कर्म कहा जाता है। समाज के लाभार्थ मन्दिर-तालाब-धर्मशाला आदि बनवाना आपूर्त्त कर्म कहलाता है। सूर्य से प्रकाशित चान्द्र पितृ प्राण चित् प्रधान है। चित् प्राण युक्त पितृ कर्म निवृत्ति प्रधान होकर बन्धन मुक्ति करते हैं। जिस भाग में सूर्य का प्रकाश नहीं रहता वह वृत्र प्रधान भाग निम्न कर्म का क्षेत्र कहा जाता है।

चन्द्रमा के समान पृथ्वी का भी आधा भाग सूर्य द्वारा प्रकाशित रहता है, आधा छायाभाग होता है। प्रकाशित भाग अदिति तथा छाया भाग दिति कहलाता है। प्रकाशित भाग में 33 देवता रहते हैं, जो अग्निप्रधान हैं। दिति भाग में 99 असुर हैं जो सोमप्रधान हैं। अग्नि प्राण अमृत प्राण हैं अतः लौकिक कर्म के बन्धन से मुक्त करने में सहायक हैं या बन्धन ही नहीं करते। दिति प्राण मृत्यु प्राण हैं तथा प्रवृत्ति कर्म के कारक हैं। अमृत कर्म निवृत्ति प्रधान तथा मृत्यु कर्म प्रवृत्ति प्रधान होते हैं। इसलिए यदि कर्म के साथ अमृत को आधार बनाते हुए प्रवृत्त कर्मों को निवृत्ति प्रधान बना दिया जाए, तो ये ही कर्म–असंग या अकर्म बन जाते हैं। इसी को कर्मयोग कहते हैं। इसीलिए कृष्ण गीता में कह रहे हैं कि कर्म की गति गहन है। कर्म-अकर्म और विकर्म तीनों ही जानने योग्य हैं-

कर्मणो ह्यपि बोद्धव्यं बोद्धव्यं च विकर्मणः।
अकर्मणश्च बोद्धव्यं गहना कर्मणो गतिः।। (गीता 4.17)

सद् कर्म ही कर्म है। निरर्थक कर्म अकर्म या मन्द कर्म है। शास्त्र विरुद्ध-विकर्म दुष्कर्म कहलाते हैं। तीनों ही कर्म विवर्त बल तत्त्व के विस्तार से अनेक रूप धारण कर लेते हैं। ये तीनों ही कर्म विद्या और अविद्या भाव से युक्त होने से भिन्न-भिन्न फल प्रदान करते हैं। कर्म-अकर्म और विकर्म में से कर्म ही निवृत्तिप्रधान है जबकि अकर्म और विकर्म प्रवृत्तिप्रधान कर्म है।

प्रवृत्त कर्म संस्कार को जन्म देते हैं। इसी से वासना संस्कार का उदय होता है। विद्याजनित प्रवृत्ति कर्म करने वाला जीव दिव्य संस्कार बन्धन से युक्त रहता है और देवयान मार्ग का अधिकारी बनता है। विद्या निरपेक्ष प्रवृत्ति कर्म में पितृ प्राण प्रबल रहता है। आत्मा पितृयान मार्ग पकड़ता है। निवृत्ति-बुद्धि से कर्मजनित संस्कार का जीव के साथ ग्रन्थि बन्धन नहीं हो पाता। अतः विद्यासापेक्ष, विद्या निरपेक्ष तथा लौकिक तीनों निवृत्ति कर्मों से संस्कार बन्धन नहीं होता। संचित संस्कार बन्धन कट जाते हैं। प्रारब्ध भोगने पर आत्मा देवयान गति पाता है। लौकिक-निरर्थक, विरुद्ध कर्मों, स्वार्थ कर्मों से जीव अज्ञान के अंधकार में घिरा रहता है। ऐसा आत्मा पितृयान (यम मार्ग) से नरक की ओर जाता है।

ज्ञान और कर्म दोनों का समन्वय ही शान्ति का कारण है। कृष्ण का बुद्धियोग वैराग्य है। 'समत्वं योग उच्यते, योगः कर्मसु कौशलम्' ही कृष्ण का मन्तव्य है। समत्व का पूर्ण विकास वैराग्य बुद्धियोग से ही सम्बन्ध रखता है। स्वयं कभी यह अभिमान न करें कि, मैं इनका कर्त्ता हूं। फल एवं कामासक्ति का त्याग करते हुए सभी कर्म करने चाहिए। बुद्धियोग में धर्म की प्रधानता है। जीवों में बुद्धि के चार सात्त्विक रूप धर्म, ज्ञान, वैराग्य और ऐश्वर्य हैं। किन्तु वे तामस रूपों अर्थात् अधर्म, अज्ञान, अवैराग्य, अनैश्वर्य से दबे हुए रहते हैं। ईश्वर में केवल चारों सात्त्विक रूप ही हैं। तामस रूपों का वहाँ स्पर्श भी नहीं होता। अपनी मुक्ति चाहने वाले जीव का कर्तव्य है कि तामस रूपों को दबाकर सात्त्विक रूपों के साथ योग करे। बुद्धि का सात्त्विक रूप वैराग्य है। उस वैराग्य के द्वारा ईश्वर से योग करना चाहिए फलाशा से कर्म करना बहुत छोटी श्रेणी का है। क्योंकि फलाशा रखने वाले तो सब देवताओं के सामने कृपण अर्थात् दीन रहा करते हैं। वैराग्य बुद्धि प्राप्त कर लेने वाले की दृष्टि में कोई छोटा-बड़ा रहता ही नहीं। जैसा कि कहा गया है-

तृष्णाञ्चेह परित्यज्य को दरिद्रः कः ईश्वरः।
तस्याश्चेत् प्रसरोदत्तो दास्यं तु शिरसि स्थितम्।।

विद्या भाव के साथ कर्म करते हुए बुद्धियोग से आवरण हटाने के लिए विद्या द्वारा आत्मा का प्रसाद गुण प्रकट हो जाता है। जिससे धर्म-वैराग्य, ऐश्वर्य, ज्ञान आदि बुद्धि के भाव भी प्रसाद गुण वाले हो जाते हैं। तब आत्म शक्तियों के विकसित होते ही साधक कृष्ण या ईश्वर बन जाता है।

क्यूआर कोड को स्कैन कर आप आलेख सुन भी सकते हैं।

आर्ट एंड कल्चर

बदलते गांवों की तस्वीर 'पंचायत 3'

विनोद अनुपम
राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त कला समीक्षक
@patrika.com

'पंचायत' के पिछले सीजन की तरह इस सीजन में भी गांव को हम देखते भर नहीं, महसूस करते हैं। 'पंचायत' की शुरुआत 2020 में हुई थी और अब यह तीसरा सीजन 2024 में आया। इस अंतराल के बावजूद तीनों सीजन एक दूसरे से इस तरह गुंथे हुए हैं कि आपको पहले वाले सीजन एक बार फिर से देख लेने की इच्छा होने लगेगी। पिछले सीजन का अंत गांव के उपप्रधान प्रह्लाद चा के फौजी बेटे के बलिदान से हुई थी। इस सीजन की शुरुआत से ही शहीद की प्रतिमा और स्मृति में बना पुस्तकालय बार-बार उस शहादत की याद दिलाता है, जिस दुख से उबरना प्रह्लाद चा जैसे जुझारू इंसान के लिए भी कठिन हो रहा है। जाहिर है तमाम हंसी खुशी के साथ एक उदासी पूरी सीरीज पर तारी दिखती है। जीवंत सिचुएशनल कामेडी से पहचान बनाने वाले निर्देशक दीपक कुमार मिश्र के लिए सीरीज में उदासी का अहसास कराना आसान नहीं रहा होगा।

'पंचायत' मानव मन की अच्छाइयों की कथा रही है। इस बार भी यह प्रह्लाद चा की कथा है, जो बेटे के बलिदान पर मिले 50 लाख रुपए की अनुकम्पा राशि को हथेली पर लिए घूम रहे हैं कि कोई सही जगह लगा दे इसे। यह उस प्रधान की भी कथा है,जो अपने अधबने घर की दीवारों पर खुद पानी डाल रहा है, जिसे कार भी भाड़े पर बुलानी पड़ती है। यह उस समाज की कथा है,जहां लौकी और कटहल एक दूसरे के घर से मांग लिए जाते हैं, जहां प्रह्लाद के खाने-पीने का ध्यान रखना हर किसी की जवाबदेही होती है। कोई समाज ठहरा हुआ नहीं रहता, गांव भी समय के साथ बदल रहे हैं। सरकारी योजनाएं और सरकारी पैसा किस तरह ग्रामीणों को भी लोभी और भ्रष्ट बनाने की कोशिश कर कर रहा है, 'पंचायत 3' इस बार इसे भी रेखांकित करने की कोशिश करती है। दादी के बदले व्यवहार से भी इसका पता चलता है। शहीद की स्मृति में गांव में पंचायत भवन के ठीक सामने भव्य पुस्तकालय भवन दिखता है,लेकिन पंचायत भवन में जहां सत्ता की गहमागहमी दिखती है, वहीं लगता है कि पुस्तकालय की सीढियां भी कोई नहीं चढ़ता। यह भी हमारे गांवों में आया बदलाव ही है। शायद पंचायत इसीलिए दर्शकों से कनेक्ट करती है, जितना यह बोलती है, उससे कहीं अधिक बताती है।

बतंगड़

मैंने तुझे चुन लिया तू भी मेरी सुन...

हरीश पाराशर

'अपने मुंह मियां मिट्ठू' मत बनो। 'वोटों की लड़ाई' का ऐलान हुआ तब से दोनों पक्षों को ही खूब समझा रहे थे। लेकिन दोनों की ही नजर कुर्सी पर 'अर्जुन की आंख' की माफिक थी। इसलिए किसी ने कोई 'कसर' बाकी नहीं रखी। हां, नतीजे आए तो दोनों के लिए ही 'कसक' बाकी रह गई। सोचा था सब 'रामभरोसे' हो जाएगा। लेकिन 'रामजी की लीला' भी तो निराली है। जो दिया बस खुश करने लायक ही। वे भी खुश और ये भी खुश। उनकी खुशी इसलिए कि 'सिंहासन' बरकरार है, और इनकी इसलिए कि पिछली बार चरमराई कुर्सी के 'पाए' इस बार ज्यादा मजबूत हो गए। पहले ही कहा था ना, 'हाथ पर हाथ' धर बैठने से काम नहीं चलेगा। मेहनत नहीं करने पर 'हाथ मलते रह जाना' वाली कहावत तो सुनी ही है ना। हाड़-तोड़ मेहनत करने पर ही सफलता हाथ लगती है। होना तो यह था कि मेहनत में कोई कोर कसर बाकी नहीं रहती पर हुआ उल्टा। एक-दूसरे को 'मुंह तोड़ जवाब' देने में किसी ने कोई कमी नहीं रखी। ये तो कुछ नए 'किले' बन गए, इसलिए दोनों की ही 'लाज' रह गई। जिन्हें भी जो किले मिले वे किस्मत से ही। यूं तो 'हवाई किले' खूब बने थे पर किसी ने 'किलेबंदी' करने पर ध्यान ही नहीं दिया। वैसे शोर तो इस बात का भी हो रहा था कि नतीजे आते ही ईवीएम पर ठीकरा फोड़ा जाएगा, लेकिन ठीकरे अब काम ही नहीं आए। ईवीएम के आगे तो अगरबत्ती लगाकर पूजा करने का मन करता है। अब शायद ही कोई वोट उगलने वाली इस मशीन को भरा-बुला कहने की हिम्मत जुटाए। खैर अबकी बार 'आर-पार' भले ही नहीं हुआ पर 'तीसरी बार' जरूर हो गया। सारी महिमा 'देवतुल्यों' की है। ये जब देते हैं तो छप्पर फाड़ कर देते हैं और जब लेते हैं तो मुंह का निवाला तक छिन जाता है। देवतुल्यों ने फैसला सुना दिया। अब जिनको चुना है बारी उनकी है। वे तो यही कह रहे हैं- 'मैंने तुझे चुन लिया, अब तू भी मेरी सुन।'

शोर था कि नतीजे आते ही ईवीएम पर ठीकरा फोड़ा जाएगा, लेकिन अब तो ईवीएम के आगे अगरबत्ती लगाकर पूजा करने का मन करता है।

harish.parashar@epatrika.com

लोकसभा चुनाव परिणाम : महत्त्वपूर्ण बात यह है कि यह नई पीढ़ी का चुनाव था

मतदाता विकल्प खड़ा करने में सक्षम, राजनीतिक दलों का तोड़ दिया भ्रम

गिरिजाशंकर
वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक
@patrika.com

हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव के परिणाम का निहितार्थ सिर्फ इतना ही नहीं है कि भाजपा को अपने दम पर संसद में स्पष्ट बहुमत नहीं मिला और दस वर्ष बाद देश में फिर गठबंधन की सरकार का दौर लौट आया। या कि विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए वापसी की है और राहुल गांधी के चुनावी राजनीति के सफर में पहली बार सफलता का अध्याय जुड़ा है। बहुत सारे सबक और जिज्ञासाएं इस चुनाव परिणाम में समाई हुई हैं, जिनकी परतें खोलने की कोशिश की जा रही है।

यह चुनाव परिणाम उस अवधारणा को खारिज करता है जिसमें यह मान लिया गया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने विपक्ष का प्रधानमंत्री का कोई चेहरा नहीं होना उसकी सबसे बड़ी कमजोरी है। मतदाताओं ने किसी चेहरे के बिना भी विपक्षी दलों के गठबंधन को इतनी सफलता दी कि वह सरकार बनाने की संभावना के करीब आ गया। चुनावी राजनीति में विकल्पहीनता के नाम पर कोई दल लंबे समय तक सत्ता में नहीं बना रह सकता। विकल्प मतदाता स्वयं खड़े कर देता है।

चुनाव परिणाम यह भी बताता है कि कोई दल या राजनेता कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, लोकतंत्र में वह अपराजेय नहीं होता। एक बात और स्पष्ट होती है कि धर्म या संप्रदाय आधारित मुद्दे चुनाव में सफलता की गारंटी नहीं होते। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा तथा मुख्यमंत्री योगी के काशी, मथुरा के वादों के बाद भी भाजपा को उत्तर प्रदेश में भारी नुकसान हुआ। इसके विपरीत सामाजिक समीकरण को साधते हुए समाजवादी पार्टी ने अपने राजनीतिक जीवन में सबसे अधिक सफलता हासिल की। पिछले लोकसभा चुनाव में जनेऊ पहनकर मंदिरों की परिक्रमा करने वाली कांग्रेस को कोई लाभ नहीं हुआ था। जबकि इस चुनाव में संविधान, आर्थिक असमानता व सामाजिक बराबरी में मुद्दों के साथ उसकी इस चुनाव में बेहतरीन वापसी हुई। दलबदल आज की राजनीति का 'न्यू नार्मल' हो चला है लेकिन आम मतदाता इसे किस रूप में लेता है, इसे महाराष्ट्र के चुनाव परिणाम में देखा जा सकता है। हरियाणा के आयाराम, गयाराम के बाद कुछ साल पहले महाराष्ट्र में हुआ दलबदल काफी चर्चित हुआ। शरद पवार और उद्धव ठाकरे की पार्टी का नाम व चुनाव चिह्न उनसे छिन गया लेकिन मतदाताओं ने उन्हें भारी चुनावी बढ़त देकर मजबूत बना दिया है। भाजपा को भी नुकसान झेलना पड़ा।

> मतदाता केंद्र में बहुमत वाली सरकार तो चाहता था, लेकिन उतना ही बहुमत जिससे सरकार ठीक-ठाक चल सके, एकतरफा बहुमत वाली सरकार नहीं। देश के अलग-अलग राज्यों के भिन्न-भिन्न चुनाव परिणामों के बाद भी देश में बहुमत वाली सरकार भी बन रही है और एक मजबूत विपक्ष भी उभर आया है।

हर सरकार के खिलाफ मतदाताओं में सत्ता विरोधी भावना होती है, यह सही नहीं है। लेकिन, अधिक समय तक सत्ता में रहने वाले दल के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर जरूर होती है। बशर्ते उस लहर का लाभ लेने की रणनीति के साथ विपक्ष चुनाव मैदान में उतरे। उड़ीसा विधानसभा चुनाव में भाजपा की तथा आंध्र विधानसभा चुनाव में तेलुगु देशम पार्टी की सफलता इस तथ्य को रेखांकित करती है। विपक्ष की खासकर कांग्रेस की ऐसी तैयारी के अभाव में आधा दर्जन से अधिक राज्यों में भाजपा ने लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार क्लीन स्वीप किया। 10 साल तक पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार के चलते क्षेत्रीय दलों की प्रासंगिकता कटघरे में आ रही थी। इस चुनाव परिणाम ने क्षेत्रीय दलों को नया जीवन दिया है और उनकी अहमियत पुरजोर तरीके से स्थापित हुई है। क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन के चलते ही कांग्रेस को सीटों का लाभ हुआ तो भाजपा को बहुमत तक पहुंचने से रोकने में भी क्षेत्रीय दलों की ही मुख्य भूमिका रही है। क्षेत्रीय दलों के चलते ही एनडीए को बहुमत मिल सका है और केन्द्र सरकार का स्थायित्व क्षेत्रीय दलों के समर्थन पर ही निर्भर रहेगा।

इस चुनाव की सबसे बड़ी पहचान यह उभरी कि यह एक तरह से नई पीढ़ी का चुनाव था। इस चुनाव में ऐसे कई उदाहरण देखे जा सकते हैं, जहां नई पीढ़ी के नेतृत्व ने अपने-अपने दलों को अच्छी खासी सफलता दिलाने में अपना कमाल दिखाया है। उत्तरप्रदेश में मायावती ने नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने का अपना फैसला बदल दिया और 10 सीटों वाली बसपा शून्य पर आ गई।

इस लोकसभा का चुनाव परिणाम राजनीतिक दलों के लिए अलग-अलग मायने रखता हो लेकिन आम मतदाताओं को बेहद पसंद आने वाला चुनाव परिणाम रहा। आम मतदाता केंद्र में बहुमत वाली सरकार तो चाहता था, लेकिन उतना ही बहुमत जिससे सरकार ठीक-ठाक चल सके, एकतरफा बहुमत वाली सरकार नहीं। देश के अलग-अलग राज्यों के भिन्न-भिन्न चुनाव परिणामों के बाद भी देश में बहुमत वाली सरकार भी बन रही है और एक मजबूत विपक्ष भी उभर आया है। एकतरफा जीत वाली सरकार का न होना लोकतंत्र को मजबूत करता है और देश का आम मतदाता इसी लोकतंत्र का पक्षधर रहा है।

अमरीका

ट्रंप से जुड़ा 'अपराधी' शब्द, चुनाव में होगा नकारात्मक असर

जेनिफर रुबिन
पत्रकार और स्तंभकार
द वाशिंगटन पोस्ट से विशेष अनुबंध के तहत

अमरीका के मैनहट्टन के जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग और उनकी टीम ने पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को 34 मामलों में दोषी करार दिया है। इससे यह साबित हुआ कि कोई भी शख्स कानून से ऊपर नहीं है। फैसले से साफ है कि आरोप स्पष्ट थे, गढ़े हुए नहीं जैसाकि आलोचक दावा करते हैं। जिला अटॉर्नी ब्रैग ने गवाहों के बयानों के आधार पर उन्हें दोषी पाया और वर्ष 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने की साजिश में हिस्सा लेने के दस्तावेजों ने उन्हें दोषी करार देने की पुष्टि की। विडंबना यह है कि दोषी ठहराए जाने के बाद भी कोई रिपब्लिकन यह सुझाव देने के लिए आगे नहीं आया कि ट्रंप को पार्टी का राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नहीं होना चाहिए।

कानूनी विशेषज्ञों का एक समुदाय जो इस बात पर जोर दे रहा था कि ट्रंप पर मुकदमा चलाना संवैधानिक रूप से अनुचित और रणनीतिक रूप से नासमझी है, अब शर्मिंदगी से भरे और कठिन स्थिति में दिखाई दे रहा है। कोई भी पूर्व राष्ट्रपतियों के लिए अभियोजन के अलग मानक की वकालत करते हुए कानून के शासन की रक्षा नहीं कर सकता है। अपने विरोधियों को नजरअंदाज करते हुए जिला अटॉर्नी ब्रैग डटे रहे और उन्होंने अपनी शपथ बरकरार रखी तथा चुनाव से पहले ट्रंप के खिलाफ फैसला सुनाया।

अब ट्रंप के नाम के साथ अपराधी जोड़ा जाएगा। उनके चुनाव अभियान के दौरान यह मुद्दा महत्त्वपूर्ण रहेगा। ट्रंप का व्यक्तित्व इस दिखावे के इर्द-गिर्द है कि वह एक ताकतवर व्यक्ति हैं, हमलों से अप्रभावित हैं और अपने समर्थकों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। ट्रंप तब इस बात पर जोर दे सकते हैं कि मतदाताओं की इच्छा और सत्ता संभालने का उनका अधिकार किसी भी सजा से अधिक महत्त्वपूर्ण है। अगर अमरीकी मतदाता एक अपराधी को चुनते हैं, तो लोकतंत्र रक्षकों को भयभीत होना चाहिए।

आपकी बात

सरकार गंभीर नहीं

गरीबी उन्मूलन के प्रति सरकार गंभीर नहीं है। देश में रोजगार के अवसर कम हैं। जिनके पास संसाधन हैं, वे और बढ़ाने का प्रयास करते हैं। इसलिए वंचित वर्ग के अवसर सीमित हो जाते हैं। कम आय वालों की आय बढ़ाने का प्रयास किया जाना चाहिए। उन्हें स्वावलम्बी बनने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

-आलोक वालिम्बे, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

सरकारी सिस्टम में धांधली

सरकारी तंत्र में धांधली की वजह से निम्न वर्ग के लोगों को गरीबी उन्मूलन की योजनाओं का फायदा नहीं मिल पाता। सरकारी सिस्टम को दुरुस्त करने की जरूरत है, ताकि जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ मिल सके और वे गरीबी के दलदल से बाहर निकल सकें। इससे देश के विकास में भी मदद मिलेगी।

-प्रसन्न शुक्ला, कोटा

आज का सवाल

क्या अग्निवीर योजना बंद होनी चाहिए?

कल का सवाल था, गरीबी उन्मूलन के प्रयास सफल क्यों नहीं हो पा रहे?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

आवश्यक है जनसंख्या नियंत्रण

गरीबी उन्मूलन की समस्या को जड़ से मिटाने के मार्ग में सबसे बड़ीबांधा जनसंख्या वृद्धि के साथ-साथ घुसपैठ है। बुनियादी सुविधाओं की कमी है। ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार की कमी और नशे की प्रवृत्ति बढ़ने के कारण गरीबी उन्मूलन की योजनाएं सफल नहीं हो पातीं। सरकार को जनसंख्या नियंत्रण पर ध्यान देना चाहिए।

-प्रहलाद यादव, महू, मध्यप्रदेश

नई सुविधा

जगदलपुर से बिलासपुर की फ्लाइट ने भरी उड़ान

पत्रिका ब्यूरो @ जगदलपुर. बस्तर के हिस्से में एक और शहर की फ्लाइट आ गई है। शुक्रवार को यहां से एलायंस एयर की बिलासपुर सेवा शुरू हो गई। सप्ताह में तीन दिन बस्तर के लोगों को इस सेवा का फायदा मिलेगा। पहले दिन जगदलपुर से 4 यात्रियों ने बिलासपुर के लिए टिकट ली। इस फ्लाइट में दिल्ली के 22 और 4 बिलासपुर के यात्री सवार थे। एलायंस प्रबंधन के अनुसार सप्ताह में सोमवार और बुधवार को बिलासपुर से फ्लाइट यहां आएगी और शुक्रवार को सिर्फ बिलासपुर जाएगी यानी शुक्रवार को फ्लाइट दिल्ली से सीधे यहां आएगी। बस्तर से लंबे वक्त से बिलासपुर की फ्लाइट शुरू की जाने की मांग की जा रही है। बस्तर के लिए एक बड़ी मांग पूरी हुई है। फ्लाइट शुरू होने से लोग आसानी से एक घंटे में बिलासपुर पहुंचकर अपना काम निपटा पाएंगे। अभी इस फ्लाइट का किराया 14 सौ से दो हजार रुपए के बीच रखा गया है।

कर्नाटक ने लगाया 'हमारे बारह' पर बैन

बेंगलूरु@ पत्रिका. कर्नाटक सरकार ने फिल्म 'हमारे बारह' की रिलीज पर दो हफ्ते का प्रतिबंध लगा दिया है। उसका कहना है कि फिल्म से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका है। सरकार का कहना है कि कई अल्पसंख्यक संगठनों ने फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद आपत्ति जताई थी। फिल्म में जनसंख्या का मुद्दा उठाया है।

बैकलॉग पदों पर विकलांगों की भर्ती के लिए चलेगा अभियान

रायपुर @ पत्रिका. आचार संहिता समाप्त होने के बाद प्रदेश में बैकलॉग पदों पर विकलांगों की भर्ती के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। वित्त विभाग से लगी रोक हटने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में गाइडलाइन जारी कर दी है। दरअसल, विकलांगों की विशेष भर्ती अभियान के तहत नियुक्तियों के लिए वित्त विभाग की पूर्व अनुमति की आवश्यकता को 31 मार्च 2025 तक के लिए समाप्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने विशेष भर्ती अभियान के लिए सभी विभागों को निर्देश जारी कर दिए हैं। विकलांगों की विशेष भर्ती अभियान की मॉनिटरिंग समाज कल्याण विभाग करेगा।

मौसम : 10 जून के बाद ही बढ़ेगी सक्रियता, ज्यादातर इलाकों में गर्मी और उमस के बढ़ने के आसार

मानसून की रफ्तार थोड़ी धीमी, 4 दिन और बढ़ा इंतजार

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. छत्तीसगढ़ में शनिवार से वर्षा की गतिविधि में कमी आ सकती है। मानसून की रफ्तार थोड़ी धीमी होने से अब 10 जून के बाद ही उसकी सक्रियता बढ़ने के आसार हैं। शनिवार को एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ अंधड़ व आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। वर्षा के क्षेत्र मुख्यतः बस्तर संभाग और उससे लगे जिले संभावित है। प्रदेश के बीजापुर 50, कोंडागांव, नारायणपुर, बलौदाबाजार 20, डभरा, गुरूर 10 में वर्षा दर्ज की गई।

बिलासपुर में फिर पारा चढ़ा, लोग परेशान

बिलासपुर में दो दिन से अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ऊपर बना हुआ है। शुक्रवार को दिन भर कड़ी धूप रही। इससे गर्मी व उमस से लोग परेशान रहे। हालांकि शाम 5 बजे के बाद हल्के बादल छाए, पर गर्म हवाओं के चलने का क्रम बना रहा।

प्रदेश में अधिकतम तापमान में अगले दो दिनों तक हल्की वृद्धि होने की संभावना है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवात बिहार के ऊपर 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक फैली है।

चिल्फी में आंधी-तूफान से छप्पर उड़े, वाहनों पर गिरे पेड़, हादसा टला

कवर्धा/राजनांदगांव. कवर्धा के वनांचल ग्राम चिल्फी में शुक्रवार को दोपहर में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल गया। तेज हवा के साथ झमाझम बारिश हुई, जिससे सड़क पर निकलना मुश्किल हो गया। चिल्फी से होकर गुजरने वाले रायपुर-जबलपुर नेशनल हाइवे पर तेज हवा व आंधी-तूफान के चलते कई वाहन दुर्घटना का शिकार हो गए। इससे आवागमन घंटों बाधित रहा। उधर, राजनांदगांव और खैरागढ़ जिले में शाम को आंधी-तूफान के साथ कुछ देर झमाझम बारिश हुई। इससे मुख्य मार्ग पर कई पेड़ धराशायी हो गए। इससे आवाजाही प्रभावित रहा। बिजली आपूर्ति भी प्रभावित रहा।

पारा मीटर

जिला	अधिकतम पारा
बिलासपुर	42.2
राजनांदगांव	42.0
दुर्ग	41.8
रायपुर	41.2
अंबिकापुर	41.1
पेण्ड्रारोड	38.6
जगदलपुर	34.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में

मानसून आने के यह हैं संकेत

- पश्चिमी हवा प्रबल और उसकी गहराई वातावरण में 3.1 किलोमीटर तक होनी चाहिए।
- वातावरण में सार्थक रूप से नमी की मात्रा डीप एरिया तक बढ़ना चाहिए।
- आने वाले समय में लगातार वर्षा होने की संभावना बनी रहनी चाहिए।
- क्षेत्र में बादल की स्थिति बनी रहनी चाहिए।
- मानसून पहुंचने की घोषणा करने के लिए लगातार दो दिनों तक उस क्षेत्र के 80 प्रतिशत स्टेशनों में 2.5 एमएम या अधिक वर्षा हो तो दूसरे दिन मानसून पहुंचने की घोषणा की जाती है।

मॉब लिंचिंग की आशंका : आरोपियों की तलाश कर रही पुलिस

मवेशी तस्करी के शक में दो युवकों को पीट पीटकर मार डाला, तीसरा युवक गंभीर

पुलिस का दावा- पीएम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति होगी स्पष्ट

आरंग थाना क्षेत्र की घटना, एफआईआर दर्ज

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. आरंग थाना क्षेत्र में शुक्रवार को मवेशी तस्करी के शक में एक संगठन के युवकों ने ट्रक चालक और उसमें सवार युवकों की जमकर पिटाई की। इससे दो युवकों की मौत हो गई। तीसरा युवक भी बुरी तरह घायल है। इसके बाद आरोपी भाग निकले। मृत दोनों युवकों और घायल युवक महानदी में पड़े मिले।

पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। हालांकि मॉबलिंचिंग की आशंका भी जताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक रात करीब 2 बजे महासमुंद की ओर से ट्रक सीजी 07 सीजी 3929 रायपुर की ओर आ रही था। ट्रक में मवेशी होने के शक में नदी मोड़ के पास एक संगठन विशेष के 15-20 युवकों ने ट्रक को रोकने का प्रयास किया। ट्रक नहीं रूका, तो उसका पीछा करने लगे। जैसे ही ट्रक महानदी पुल के ऊपर पहुंचा। युवकों ने फिल्मी स्टाइल में ट्रक के पहिए के आगे लोहे की कीलें गिरा दीं। इससे ट्रक के पहिए पंचर हो गए। हड़बड़ाकर ट्रक ड्राइवर ने पुल के ऊपर ही गाड़ी रोक दिया। ट्रक में उत्तरप्रदेश के सहारनपुर निवासी चांद, गुड्डू और सद्दाम सवार थे। पुल के ऊपर ट्रक के रुकते ही संगठन विशेष के युवकों ने तीनों से मारपीट शुरू कर दी। उन्हें बुरी तरह पीटा गया। इससे चांद और गुड्डू की मौत हो गई। सद्दाम भी बुरी तरह घायल हो गया। वह बेसुध पड़ा मिला।

घटनास्थल पर खड़ा ट्रक।

नदी में पड़ी मिली लाश

घटना के बाद आरोपी युवक वहां से भाग निकले। घटना की जानकारी मिलने पर आरंग पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, तो चांद और गुड्डू का शव पुल के नीचे महानदी में पड़ा मिला। सद्दाम भी उनके पास बेसुध पड़ा था। चर्चा है कि आरोपी युवकों ने तीनों को घेरकर जमकर पीटा। इसके बाद पुल के नीचे नदी में फेंक दिया। नदी में पानी नहीं था। मौके पर पहुंची पुलिस ने चांद और गुड्डू के शव का पोस्टमार्टम महासमुंद और आरंग अस्पताल में कराया। घायल सद्दाम को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों मृत युवकों की पीएम रिपोर्ट नहीं मिली है। इस वजह से मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

ट्रक में लदे थे 24 मवेशी

पुलिस के मुताबिक ट्रक भिलाई पासिंग का है। उसमें 24 मवेशी लदे मिले हैं। मवेशियों को कांजी हाउस में रखा गया है। पुलिस ने अज्ञात युवकों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। इसमें अब तक यह भी पता नहीं लग पाया है कि ट्रक कहां जा रहा था? बता दें कि मवेशी तस्करी करने वाले अक्सर वाहनों में नकली नंबर प्लेट लगाते हैं।

मामले की जांच की जा रही है। घायल बयान देने की स्थिति में अभी नहीं है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पीएम रिपोर्ट से ही मारपीट करने और मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

-कीर्तन राठौर, एएसपी, ग्रामीण, रायपुर

लाल आतंक : मुंगेड़ी-गोबेल के जंगल में मुठभेड़

अबुझमाड़ में पुलिस ने पांच नक्सलियों को मार गिराया

चार जिलों की फोर्स का अलग-अलग दिशाओं से सर्चिंग अभियान

3 जवान भी घायल, सभी नक्सलियों के शव बरामद

नारायणपुर/ दंतेवाड़ा . मुंगेड़ी-गोबेल के जंगल में शुक्रवार को पुलिस ने मुठभेड़ में 5 नक्सली मार गिराया। मुठभेड़ में डीआरजी के 3 जवान भी घायल हुए हो गए हैं। फोर्स ने सभी मृत नक्सलियों के शव बरामद कर लिए है। दंतेवाडा एसपी गौरव राय के मुताबिक अबुझमाड़ इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद चार जिलों दंतेवाड़ा, नारायणपुर, कोंडागांव और जगदलपुर से फोर्स रवाना की गई थी। सभी टीम अलग अलग दिशाओं से रवाना हुई थी। इस बीच जब एक टीम मुंगेड़ी-गोबेल के जंगल में पहुंची तो पुलिस को देखकर नक्सलियों ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया और अचानक ही फायरिंग शुरू कर दी।

दिनभर रुक-रुक कर हुई फायरिंग

फोर्स की सभी टीमों के साथ नक्सलियों की अलग अलग दिशाओं में दिनभर रूक रूक कर फायरिंग होती रही। दो स्थानों पर बड़ी बड़ी मुठभेड़ हुई जिसमें कई नक्सलियों के घायल होने की खबर है। इस ऑपरेशन में डीआरजी, बस्तर फाइटर, सीआरपीएफ, डीएफ,आईटीबीपी के जवान शामिल थे। मुठभेड़ के बाद सर्चिंग के दौरान जंगल में पांच नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान डीआरजी के तीन जवान भी जख्मी हुए हैं। जिनका उपचार किया जा रहा है पुलिस के मुताबिक बडी मात्रा में नक्सली नक्सलियों से विस्फोटक एवं अन्य सामग्री बरामद हुई है।

विधायकों, क्लस्टर प्रभारियों व जिलाध्यक्षों को निकायों में बेस्ट परफारमेंस का टारगेट

रायपुर @ पत्रिका. लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब प्रदेश भाजपा संगठन नगरीय निकायों के चुनावी तैयारी में लग गई है। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल और पवन साय ने विधायकों, क्लस्टर प्रभारी, लोकसभा प्रभारी, लोकसभा संयोजकों और जिला अध्यक्षों की बैठक ली। बैठक में सबसे पहले भाजपा को प्रदेश की 11 में से 10 सीटों पर जीत मिलने पर सभी को बधाई दी। इस जीत का श्रेय सभी पदाधिकारियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं को दिया गया। इसके बाद शाम को विधायक दल की बैठक हुई। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने चुनाव के दौरान किए गए कार्यों की जानकारी ली। साथ ही, आगामी कार्य योजना के बारे में भी चर्चा की।

निकाय चुनाव में भी जीत बरकरार रखना होगा: भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक शिवरतन शर्मा ने बैठक में कहा, इस चुनाव में जातिवाद कहीं भी नहीं दिखा। इस चुनाव में जातिवाद के बजाए राष्ट्रवाद प्रमुख विषय रहा। भाजपा से कोई समाज दूर नहीं रहा। सभी समाज के लोगों ने हमें भरपूर समर्थन दिया है। हमने 2023 के विधानसभा चुनाव में 54 सीटों पर जीत हासिल की और संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में हमें 68 विधानसभा क्षेत्र में बढ़त मिली है। कांग्रेस केवल 22 विधानसभा सीटों में बढ़त बना पाई है। ठीक इसी तरह हमें निकाय चुनाव एवं पंचायत चुनाव में भी जीत हासिल करना है और सफलता को फिर से दोहराना है।

देश विरोधी ताकतों ने खूब कोशिश की पर जीत नहीं पाए: जम्वाल: भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने कहा, लोकसभा चुनाव में सभी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने जो अथक परिश्रम किया है, यह सब उसी का प्रतिफल है।

हादसा टला

सीआईएसएफ ने यात्री को किया पुलिस के हवाले

फ्लाइट टेक ऑफ करने से पहले यात्री के इमरजेंसी दरवाजा खोलने से हड़कंप

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से दिल्ली जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट का यात्री ने इमरजेंसी दरवाजा अचानक खोल दिया। उड़ान भरने के ठीक पहले हुए इस वाकये से क्रू मेंबर और यात्रियों में हड़कंप मच गया। दरवाजा खोलने से पहले उसे पकड़ने के बाद फ्लाइट से उतार दिया गया साथ ही उसे सीआईएसएफ के हवाले कर दिया गया, जहां से उसे माना पुलिस थाने ले जाया गया। बताया जाता है कि पुलिस ने उससे पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम का ब्योरा लिया। साथ ही लिखित में माफी मांगने के बाद उसे छोड़ दिए जाने की जानकारी मिली है।

पहली बार ऐसी घटना, हो सकता था बड़ा हादसा

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी यात्री ने फ्लाइट का दरवाजा खोलने की कोशिश की। फ्लाइट के पंख अपनी पूरी गति से चल रहे थे और फ्लाइट आगे की और मूवमेंट करने ही वाला था कि अचानक ही यह घटनाक्रम हुआ। एयरपोर्ट अथॉरिटी के आधिकारिक सूत्रों का कहना है की फ्लाइट के उड़ान भरने के बाद अगर इस तरह की कोई घटना होती तो किसी गंभीर हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता था। हवा में उड़ान भरने के बाद फ्लाइट का दरवाजा खोलने से तेज हवा में विमान अनबैलेंस हो सकता था। एयर होस्टेस और क्रू मेंबर की सतर्कता से एक बड़ा दुर्घटना टल गया।

यह है मामला

यह घटना शुक्रवार **की दोपहर** करीब 2:55 बजे हुई जब दिल्ली जाने वाले सभी यात्री फ्लाइट में सवार हो गए थे। फ्लाइट के क्रू मेंबर अनाउंसमेंट करने के बाद यात्रियों को फ्लाइट में बैठने के नियमों की जानकारी का ब्योरा दे रहे थे। इसी दौरान अपने परिजनों के साथ दिल्ली जा रहे राजिम निवासी एक यात्री ने फ्लाइट के टेक ऑफ करने के **पहले इमरजेंसी** दरवाजे को खोलने की कोशिश की। इसे देखकर यात्रियों और क्रू मेंबर पहुंच गए और किसी तरह उसे दरवाजे से खींचकर दूर करने के बाद फ्लाइट को रोका गया। वहीं इसकी जानकारी एयरपोर्ट प्रबंधन विमानन कंपनियों के अधिकारियों और सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ के जवानों को दी गई।

इलेक्शन इफैक्ट : 3 आईएएस अफसरों की जिम्मेदारी बदली

चुनाव नतीजे आने के दो दिन बाद ही कांकेर कलेक्टर को हटाया

नीलेश क्षीरसागर होंगे नए कलेक्टर

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के दो दिन बाद राज्य सरकार ने छोटी प्रशासनिक सर्जरी करते हुए तीन आईएएस अफसरों के विभाग में फेरबदल किया है। सरकार ने कांकेर कलेक्टर अभिजीत सिंह को हटा दिया है। जबकि उन्हें कांकेर का कलेक्टर बने छह महीने ही हुए थे। उनके स्थान पर अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर को कांकेर का कलेक्टर बनाया गया है। अभिजीत सिंह को गृह और जेल विभाग का विशेष सचिव बनाया गया है। इनके अलावा 2021 बैच के आईएएस वासु जैन का तबादला किया गया है। वे सरागढ़ में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के पद पर पदस्थ थे। अब उन्हें योजना और आर्थिक सांख्यिकी विभाग का अवर सचिव बनाया गया है।

तबादलों को लेकर चर्चाएं शुरू: इस तबादलों को लेकर प्रशासनिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

बड़े पैमाने पर तबादले की तैयारी

राज्य सरकार जल्द ही बड़े पैमाने पर तबादला करने के मूड में है। इसके लिए चुनाव के दौरान ही तैयारी तेज हो गई थीं। माना जा रहा है कि जल्द ही अन्य आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अफसरों के तबादलों की सूची जारी हो सकती है। इसमें कई अन्य जिलों के कलेक्टर को बदलने की चर्चा है।

सियासी दांव : नेता प्रतिपक्ष का साय सरकार पर निशाना

महंत बोले- जल्द बंद होगी महतारी वंदन योजना, महिलाएं होंगी दुखी

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने महतारी वंदन योजना को लेकर बड़ा बयान दिया है। महंत ने कहा, आने वाले दिनों में यह योजना बंद हो जाएगी। डॉ.महंत ने कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में महतारी वंदन योजना को लेकर कहा, अभी रिजल्ट निकले तीन दिन हुए हैं। अब नए-नए तरीके से महिलाओं को अपात्र घोषित करके उनकी संख्या कम करेंगे। उन्होंने कहा, महतारी वंदन योजना में जो पैसे बांटें जा रहे हैं उसमें किस योजना का पैसा इस्तेमाल हो रहा है, इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में साय सरकार इस योजना को बंद करने वाली है और जो महिलाएं 1000 मिलने से खुश थी, उन्हें जल्द ही दुखी होना पड़ेगा। वहीं कांग्रेस को 10 लोकसभा सीटों पर मिली हार को लेकर भी महंत ने कहा कि हार के कारणों की समीक्षा होगी।

भ्रम फैला रही है कांग्रेस: मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

नेता प्रतिपक्ष महंत के बयान पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, महतारी वंदन योजना निरंतर चलने वाली है। इसे लेकर कांग्रेस भ्रम फैलाने का काम कर रही है। प्रदेश में जब तक साय सरकार रहेगी, तब तक महतारी वंदन योजना जारी रहेगी।

जांजगीर-चांपा पुरातत्व विभाग भी अब तक नहीं पहुंचा, ग्रामीण कर रहे मूर्तियों की रखवाली

ऐतिहासिक लखुर्री तालाब से निकल रहीं प्राचीन मूर्तियां, प्रशासन बेजार

पत्रिका एक्सक्लूसिव

संजय राठौर
patrika.com

जांजगीर-चांपा. जांजगीर-चांपा जिले के बम्हनीडीह ब्लाक के गौरव ग्राम लखुर्री के ऐतिहासिक तालाब में प्राचीन मूर्तियों का भंडार मिल रहा है। यह मूर्तियां बारहवीं शताब्दी की बताई जा रही है, जब यहां के तत्कालीन राजा के द्वारा के द्वारा तालाब का निर्माण किया गया था। वर्तमान में इस तालाब का गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। जिसमें ग्रामीणों को बड़ी तादाद में मूर्तियों के अलावा ऐसे धातुओं का भंडार मिल रहा है, जो अष्टधातु की हैं। विडंबना यह है कि इसकी जानकारी जिला प्रशासन को दी गई है। इसके बावजूद जिला प्रशासन अब तक इस दिशा में कारगर कदम नहीं उठा रहा है। ग्रामीण फिलहाल मूर्तियों को संग्रहित कर पास के मंदिर में इकट्ठा कर रख रहे हैं।

बता दें कि ग्राम लखुर्री में ऐतिहासिक पचरिहा तालाब है। यहां बीते दो दशक से ग्रामीण इस तालाब में जब निस्तारी के लिए जाते हैं तो अक्सर गहरे पानी में प्राचीन काल की मूर्तियों से टकरा जाते हैं। ग्रामीणों को आए दिन प्राचीन काल के अष्टधातु के सिक्के भी मिलते रहते हैं। ग्रामीणों का मानना है कि यह मूर्तियां अष्टधातु की हैं। लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो पा रही है क्योंकि पुरातत्व विभाग जानकारी मिलने के बाद भी अब तक नहीं पहुंच सका है।

गहरीकरण के लिए तालाब की खुदाई की जा रही है।

जिले में पुरातत्व विभाग के किसी अफसरों की पोस्टिंग नहीं है। इसके चलते यहां कोई पहुंच नहीं पा रहा है। हम रायपुर की टीम को इसकी सूचना देंगे ताकि प्राचीन मूर्तियां किसी तरह संग्रहित की जा सकें।

-एसपी वैद्य,
अपर कलेक्टर, जांजगीर

मान्यता : चोरी की नीयत से मूर्तियां रखने वाला हो जाता है बीमार

ग्रामीणों एवं मां महाकालेश्वरी मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष देव कर्ष के मुताबिक यहां जिसे भी प्राचीन मूर्तियां मिली और अगर वह उस मूर्ति को चोरी की नीयत से छिपाने की कोशिश करता है तो वह बीमार हो जाता है। ऐसे में ग्रामीण दहशत में मूर्तियों को अपने पास नहीं रखते। इसका ग्रामीणों ने प्रमाण भी दिया, जिसने पहले चोरी की नीयत से मूर्तियां पास रखी वह गंभीर बीमारी से जूझ रहा है।

झांसी : एकतरफा प्यार में पागल युवक ने दिया वारदात को अंजाम

छात्रा को सरेराह गोली मारकर फरार सिरफिरा आशिक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

झांसी. शहर में छात्रा से छेड़छाड़ के बाद फायर करने का मामला सामने आया है। एकतरफा प्यार में पागल युवक ने इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया। उसने पेपर देकर लौट रही छात्रा को सरेराह तमंचे के बल पर रोक लिया और उससे जोर जबरदस्ती करने लगा। छात्रा ने हाथ जोड़कर छोड़ने की गुहार लगाई, लेकिन बदमाश ने छात्रा को गोली मार दी। गनीमत रही कि गोली छात्रा को छूते हुए निकल गई। आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जो झांसी के भट्टा गांव की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वारदात का सीसीटीवी फुटेज वायरल हुआ है, जिसमें युवक छात्रा का हाथ पकड़कर उसे खींच रहा है और छात्रा बचने की कोशिश कर रही है। वीडियो में घटना के वक्त कई लोग आते-जाते नजर आ रहे हैं, लेकिन कोई भी छात्रा को बचाने के लिए आगे नहीं आया। घनी बस्ती होने के बावजूद किसी ने छात्रा को बचाने की हिम्मत नहीं दिखाई। सभी लोग तमाशबीन बनकर आरोपी के दुस्साहस को देखते रहे। सदर थाना प्रभारी सरिता मिश्रा ने कहा कि छात्रा की मेडिकल जांच कराई है। पिता की तहरीर पर केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ऑटो से उतरकर घर जा रही थी छात्रा

सदर थाना क्षेत्र में रहने वाली 20 वर्षीय छात्रा एक डिग्री कॉलेज में बीए सेकेंड ईयर में पढ़ती है। उसके पिता ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 6:15 बजे उनकी बेटी परीक्षा देकर वापस अपने घर लौट रही थी। वह ऑटो से भट्टा गांव पहुंची और उतरकर गली से होते हुए घर जाने लगी। तभी भट्टा गांव निवासी रोहित ने तमंचा दिखाते हुए उसे रोक लिया और हाथ पकड़कर पूछने लगा कि वह बात क्यों नहीं करती। छात्रा ने बात करने से मना कर दिया, तो आरोपी ने जोर जबरदस्ती की और गोली मार दी। गनीमत रही कि गोली छात्रा के सीने को छूते हुए निकल गई और उसे ज्यादा चोट नहीं आई। इसके बाद आरोपी फरार हो गया।

दो साल से कर रहा था परेशान

छात्रा की मां ने बताया कि आरोपी रोहित दो साल से उनकी बेटी को परेशान कर रहा है, जब बेटी 12वीं में पढ़ती थी, तब भी उसने छेड़छाड़ की थी। परिजनों को उलाहना देने के बाद भी उसकी हरकतों में सुधार नहीं आया। रोहित आए दिन घर के इर्दगिर्द चक्कर काटता रहता था और रास्ते में भी बेटी को रोकने की कोशिश करता था। गुरुवार को भी उसने कॉलेज जाते समय छात्रा को रोका था। आरोपी उनके छोटे भाई को भी धमका चुका है, जिससे पूरा परिवार भयभीत है।

न्यूज विंडो

हत्या और लूट के आरोपी की संपत्ति कुर्क

महोबा@पत्रिका. जिले में आतंक का पर्याय बने एक कुख्यात अपराधी पर शिकंजा कसते हुए प्रशासन ने शुक्रवार को उसकी लाखों की अचल संपत्ति को कुर्क कर लिया। पुलिस उप अधीक्षक सदर दीपक दुबे ने बताया कि कबरई क्षेत्र के मकरबई का निवासी बदमाश चैतू पाल गत काफी समय से पुलिस के लिए वांछित है। उस पर हत्या, लूट समेत तमाम गंभीर वारदातो के दर्जनों मुकदमे पुलिस रिकार्ड में पंजीकृत है। आरोप है कि बदमाश ने अपराध के माध्यम से भारी मात्रा मे सम्पत्ति अर्जित की। इसकी जानकारी होने पर जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर मुख्यालय में भटीपुरा में चैतू पाल की पत्नी गेंदारानी के नाम दो मंजिला मकान की कुर्की की कार्यवाही अमल में लाई गई।

नमाज पढ़कर बाहर आते अमीन की चाकू मार कर हत्या

बहराइच@पत्रिका. ज़िले के मटेरा क्षेत्र में नमाज पढ़कर वापस आ रहे सींचपाल की एक युवक ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। ग्रामीणों ने मौके पर ही आरोपी को घेर कर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार, ग्राम पंचायत अमवा मोलवी निवासी वसीम खां बहराइच सिंचाई विभाग में सींचपाल/अमीन के पद पर तैनात थे। अमीन की गांव निवासी इब्राहीम उर्फ गुल्ले से रंजिश चल रही है। शुक्रवार सुबह पांच बजे वसीम खां गांव की मस्जिद में फजर की नमाज पढ़ने के लिए गए। जब वह नमाज पढ़कर बाहर आने लगे कि तभी वहां मौजूद इब्राहिम ने वसीम पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

भाजपा के खिलाफ अब पोस्टर राजनीति, गठबंधन दलों को चेताया

प्रयागराज@पत्रिका. संगम नगरी प्रयागराज में कांग्रेस ने शहर के चौक क्षेत्र में भाजपा के खिलाफ विवादित बयान का पोस्टर लगाते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक दल (राजग) के घटक दलों को सावधान रहने की नसीहत दी गयी है। कांग्रेस नेता इरशाद उल्लाह और अब्दुल कलाम की ओर से भाजपा के खिलाफ शहर में लगाया गया पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए एनडीए एलायंस में शामिल दलों को सचेत रहने को कहा है। पोस्टर में सबसे ऊपर एक छोर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दूसरे छोर पर आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का फोटो लगा है।

तीन दिन से सोशल मीडिया पर लोग दे रहे ताने

दूर तक गूंज रही है भाजपा को अयोध्या में मिली हार

सोशल मीडिया से शुरू हुई जुबानी जंग हुई बेलगाम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. अयोध्या में भाजपा की हार देश के साथ ही पूरी दुनिया में गूंज रही है। लोगों को विश्वास ही नहीं हो रहा कि ऐसा भी हो सकता है। ऐसे में वे अयोध्या में रहने वाले लोगों को ताने दे रहे हैं। चुनाव परिणाम आने के तीन दिन बाद भी यह दौर जारी है। सोशल मीडिया पर अयोध्यावासियों को खूब बुरा-भला कहा जा रहा है।

चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही अयोध्यावासी कशमकश में हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले उनके रिश्तेदार, मित्र और अन्य लोग रोज फोन करके अलग-अलग सवाल पूछ रहे हैं। सबका लब्बोलुआब एक ही है कि आखिर ऐसा हो कैसे गया? वह भी जब 500 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद भाजपा के ही राज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई हो। यह तो सिर्फ कुछ बानगी भर है। अयोध्या में रहने वाले ज्यादातर लोग इन दिनों ऐसे ही चुभते हुए सवालों का सामना कर रहे हैं। अपने-अपने तरह से समझाने की कोशिश भी।

अयोध्या के लोगों को गालियां देते हुए बनाया वीडियो, दो युवक हिरासत में

दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की हार के बाद अयोध्या के लोगों को गालियां देते हुए एक वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप है। पुलिस ने 6 जून की देर रात उन्हें हिरासत में ले लिया। इनमें से एक युवक दक्ष चौधरी का नाम पहले भी विवादों में रहा है। वह कन्हैया कुमार को थप्पड़ मारने के मामले में चर्चा में आ चुका है।

सोशल मीडिया पर भी नहीं थम रही जुबानी जंग

अयोध्या में भाजपा की हार को लेकर सोशल मीडिया पर शुरू हुई जुबानी जंग भी थमने का नाम नहीं ले रही है। लगातार तीन दिन से सोशल मीडिया पर अयोध्यावासियों पर कटाक्ष किया जा रहा है। पिछले दो दिनों से एक संत का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह रोते हुए कहते दिख रहे कि पूरे भारत में भाजपा हार जाती तो कोई बात नहीं थी। अयोध्या जीतती तो पूरी दुनिया जय श्रीराम कहती। आज लग रहा कि अयोध्यावासियों ने फिर से वो त्रेता लौटा दिया, जब मां सीता और प्रभु श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास कर दिया गया था।

फोटो स्टोरी **तीसरी बार पीएम मोदी के लिए आतिशबाजी**

लखनऊ. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार संसदीय दल का नेता चुने जाने पर आतिशबाजी कर जश्न मनाते उत्तर प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ता।

टैंकर और कार की टक्कर में दो की मौत

शाहजहांपुर@पत्रिका. जिले के कांट क्षेत्र में शुक्रवार को कार और गैस भरे टैंकर की आमने सामने की टक्कर में दो लोगो की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीना ने बताया कि क्षेत्र के जमुनिया गांव के पास जलालाबाद की ओर से आ रही कार सामने से आ रहे गैस भरे टैंकर से टकरा गई। हादसे में कार चालक सौरव कुमार और रामपाल की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटना में घायल दो महिलाओं को राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। मीना ने बताया कि दुर्घटना के बाद जलालाबाद शाहजहांपुर मार्ग पर जाम लग गया इसके बाद पुलिस ने पहुंचकर दोनों वाहनों को से हटकर किनारे किया।

सोनभद्र : दुष्कर्म के दोषी शिक्षक को उम्रकैद की सजा

सोनभद्र@पत्रिका. उत्तर प्रदेश में सोनभद्र की पॉक्सो अदालत ने छात्रा के साथ दुष्कर्म के दोषी शिक्षक को उम्रकैद और दो लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार एक महिला ने छह नंवबर 2019 को बभनी थाना में तहरीर देकर बताया था कि उसकी 12 वर्षीय पुत्री कक्षा पांच की छात्रा है। वह स्कूल पढने के लिए गई थी। स्कूल बंद होने के बाद वहां का एक शिक्षक ने उसे किसी कार्य के लिए रोक रखा था। जब सारे बच्चे चले गए तब उसने अकेले में दुष्कर्म किया और किसी से कुछ नहीं बताने के लिए धमकी देकर उसे घर के पास छोड़कर चला गया। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच किय। घटना में पर्याप्त सबूत मिलने पर जांच अधिकारी ने कोर्ट में दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट की धारा के तहत चार्जशीट दाखिल किया।

भीमपुरा थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग में धारदार हथियार से गला रेता

बलिया@पत्रिका. उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के भीमपुरा थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग में एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि वार्ड नंबर एक निवासी शिवशंकर सिंह (55) की गुरूवार की रात्रि धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार की सुबह उनका शव उनके घर के आंगन में पड़ा हुआ था। पुलिस अधीक्षक देवरंजन रंजन वर्मा ने बताया कि शव के गले पर धारदार हथियार से प्रहार के निशान पाए गए हैं। मृतक की पत्नी और पुत्र बांबे रहते हैं। प्रथम दृष्टिया मामला प्रेम प्रसंग का प्रतीत हो रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध हत्या का मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

खुशखबर | झांसी के 33 गांवों में फैला है औद्योगिक शहर बीडा

बुदेलखंड का 'नया नोएडा' बदल रहा है किसानों की किस्मत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

झांसी. बुंदेलखंड के युवाओं को रोजगार का सपना देने वाले बीडा ने परिवर्तन का शंखनाद कर दिया है। अभी सिर्फ 11 गांव में ही जमीन खरीदने की प्रक्रिया चल रही है और किसानों की तिजोरी भरने लगी है। अब तक 880 किसानों ने जमीन 'बीडा' के नाम पर लिखी है, जिसके मुआवजे में मिली धनराशि से कई किसान करोड़पति बन गए हैं। इनमें सबसे अधिक लगभग 80 किसान अम्बाबाय के शामिल हैं। जानकारी देते हुए तहसीलदार सदर ललित कुमार पांडेय बताते हैं कि बीडा के लिए अब तक 11 गांव में जमीन खरीदने की प्रक्रिया चल रही है। अभी 880 किसानों की 1,250 एकड़ जमीन खरीदी जा चुकी है, जिसकी एवज में 400 करोड़ रु. का मुआवजा दिया जा चुका है, जबकि 70 करोड़ रुपए जल्द किसानों के खाते में भेज दिए जाएंगे। 880 किसानों से 1,250 एकड़ जमीन खरीदी जा चुकी है। इसके एवज में किसानों को 470 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाना है। इसमें से 400 करोड़ रुपए का मुआवजा किसानों के खाते में पहुंच चुका है, जबकि शेष 70 करोड़ रुपया भेजने की प्रक्रिया भी चल रही है।

नोएडा की तर्ज पर झांसी में आ रहा बीडा

नोएडा (न्यू ओखला इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी) के 47 वर्ष बाद झांसी में आकार लेने जा रहे नए औद्योगिक शहर बीडा (बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी) को जमीन पर उतारने की प्रक्रिया चल रही है। महानगर के आसपास वाले 33 गांवों में बीडा को आबाद किया जाना है। 11 गांव में प्रशासन की टीम उतर चुकी है और जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। योजना में 33 गांवों की 14,285 हेक्टेयर जमीन खरीदी जानी है। किसानों को सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा दिया जा रहा है, जिसने उनकी किस्मत भी बदल दी है। इससे किसानों के करोड़पति बनने का सिलसिला शुरू हो गया है।

बिहार-झारखंड अपडेट
BIHAR-JHARKHAND UPDATE

परिणाम में देरी, प्रदर्शन

पटना. बिहार में अनुदेशक भर्ती परीक्षा-2023 के परिणाम में देरी को लेकर शुक्रवार को बिहार तकनीकी सेवा आयोग के सामने प्रदर्शन करते प्रशिक्षित अनुदेशक।

बुलंद हौसलों से राजनीति में की थी शुरुआत

टूटी स्लेट और आधी पेंसिल से 'ककहरा' सीखने वाले मांझी ने लिखी नई इबारत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. टूटी स्लेट और आधी पेंसिल से 'ककहरा' सीखने वाले जीतन राम मांझी ने बंधुआ मजदूर, डाक-तार विभाग में लिपिक, विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री और अब देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा में पहुंचने का स्वर्णिम सफर तय किया और अपने बुलंद हौसलों से राजनीति के क्षेत्र में सफलता की नयी इबारत लिखी।

बंधुआ मजदूरी से जिंदगी के सफर की शुरुआत कर डाक-तार विभाग में लिपिक बने और राजनीति के मैदान में उतरकर सूबे की सत्ता के सिंहासन पर काबिज रहे। जीतन राम मांझी का जन्म 06 अक्तूबर 1944 को गया जिले के खिजरसराय प्रखंड के महकार गांव में हुआ। उनके पिता रामजीत राम मांझी खेतिहर मजदूर थे। मांझी बचपन में मां सुकरी देवी और पिता रामजीत मांझी के साथ गांव के ही एक जमींदार के घर में चाकरी करते थे। वर्ष 1946 में, जब श्री जीतन राम मांझी लगभग डेढ़ साल के थे, तब गया जिले में, जहां उनका गांव स्थित था, भारी बाढ़ आई थी। मालिक सहमत नहीं था। उन्होंने गुस्से में आकर मांझी के पिता की पिटाई कर दी। बाद में एक टीचर जीतन राम मांझी को पढ़ाने के लिए राजी हो गये। एक गुरुजी जब जमींदार के बच्चे को पढ़ाने आते थे तो वह भी उत्सुक्तावश उन चीजों को ध्यान से सुनते थे। पढ़ाई में रुचि देखकर उन्हें जमींदार के बच्चों ने फूटी स्लैट दे दी, जिससे वह लिख पढ़ सकें।मांझी स्लेट के टूटे हिस्से पर पहाड़े लिखकर याद करते थे। मांझी के मन में पढ़ने की ललक थी और अपने पिता तथा जमींदार के बच्चों को पढ़ाने वाले एक शिक्षक से प्रोत्साहन मिलने पर उन्होंने बिना स्कूल जाए सातवीं कक्षा तक की शिक्षा प्राप्त कर ली।

मांझी ने 1967 में गया कॉलेज से इतिहास विषय से स्नातक की डिग्री हासिल की। जीतन राम मांझी को कॉलेज में 25 रुपये महीने का वजीफा मिला करता था, जिसे वह अपने पिता को भेज दिया करते थे। वह अपना खर्च चलाने के लिए अपनी ही क्लास की लड़कियों को ट्यूशन दिया करते थे।

चुनाव को समझकर उतरे राजनीति में

मांझी तब तक चुनाव को समझने लगे थे। इलाके के नेता उन्हें अपनी प्रचार गाड़ी में ले जाते। इस तरह राजनीति से उनका राब्ता हुआ। तब मांझी कांग्रेस के लिए वोट मांगते थे। इस तरह एक दो चुनाव गुजर गए। मांझी को लगने लगा जब वह दूसरे के लिए वोट मांग सकता हूं तो फिर अपने लिए क्यों नहीं?। मांझी ने राजनीति में शामिल होने की योजना बनाई। बताया जाता है कि मांझी गया शहर स्थित राजेंद्र आश्रम जाते थे जो कांग्रेस का कार्यालय था। यहां उनकी मुलाकात गया जिला कांग्रेस के तत्कालीन जिलाध्यक्ष अनंतदेव मिश्रा से हुई।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

छपरा@पत्रिका. सारण जिले के तरैया थाना क्षेत्र में ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि डीह छपिया गांव निवासी हीरा राम बाइक से घर से मशरक जा रहे थे। इसी दौरान मुख्य पथ पर मशरक के तरफ से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को कुचल दिया, जिसके कारण उसकी मौत हो गई है। घटना से आक्रोशित लोगों ने शव को मुख्य मार्ग पर रखकर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।

गया : बदमाशों ने युवक को मारी गोली, धरपकड़ के लिए एसआइटी गठित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गया. शहर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में अपराधियों ने शुक्रवार को एक व्यक्ति को गोली मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि बिसार तालाब मुहल्ला के निकट न्यायालय से घर को लौट रहे एक व्यक्ति को अपराधियों ने गोली मारकर घायल कर दिया। घायल व्यक्ति को अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कालेज सह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल की पहचान परवेज के रूप में हुई है, वह शहर के शाहमीर तकया मोहल्ला का रहने वाला है। पुलिस अधीक्षक (नगर) प्रेरणा कुमार ने बताया कि घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष जांच दल (एसआइटी) की टीम गठित कर दी गयी है। गोली मारने वाले अपराधियों की पहचान नहीं हो पाई है। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है, जिस व्यक्ति को गोली मारी गई है उसका भी पूर्व में आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही घटना में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्टैन स्वामी जैसा व्यवहार हेमंत सोरेन के साथ हो रहा : झामुमो

रांची @पत्रिका. झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता ने दावा किया कि जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ वैसा ही व्यवहार किया जा रहा है, जैसा जेसुइट पादरी स्टैन स्वामी के साथ किया गया था।

दरअसल, स्टैन स्वामी की पुलिस हिरासत में ही मौत हो गई थी। झामुमो नेता के अनुसार, पादरी स्टैन स्वामी ने आदिवासियों के अधिकार के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसमें कहा कि यह लोकसभा चुनाव झारखंड के लिए स्वामी की हिरासत में मौत का बदला लेने की शुरुआत है। बता दें कि हेमंत का फेसबुक अकाउंट फिलहाल उनकी पत्नी कल्पना सोरेन संचालित कर रही हैं। हेमंत सोरेन को भूमि घोटाला मामले के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी ने गिरफ्तार किया था।

लू लगने से 1 की मौत

छपरा@पत्रिका.सारण जिले के मशरक थाना क्षेत्र में शुक्रवार को लू लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि दक्षिण टोला गांव निवासी जगु महतो राजमिस्त्री का काम करने के लिए बनियापुर जा रहा था। जगु महतो नवादा गांव के समीप बेहोश होकर गिर गया, जिसे लोगों ने इलाज के लिए मशरक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराये जाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

संस्कृत विश्वविद्यालय में 12 दिवसीय आवासीय संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग

संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाने के पक्षधर थे डॉ. भीमराव अंबेडकर : कुलपति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दरभंगा. कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पांडे ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाने के पक्षधर थे, इसलिए संस्कृत भाषा की व्यापकता के लिए संभाषण प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना होगा। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में 12 दिवसीय आवासीय संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग की शुरुआत के मौके पर कुलपति डॉ. पांडे ने कहा कि 40 वर्ष पूर्व चमूकृष्ण शास्त्री ने कुछ संस्कृत छात्रों के साथ इस संस्कृत संभाषण कार्य की शुरुआत की थी। हमें संस्कृत शास्त्रों के संरक्षण के साथ साथ संस्कृत संभाषण के अभ्यास पर भी बल देना होगा। संस्कृत भारती बिहार न्यास एवं कामेश्वर सिंह विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में बिहार एवं झारखण्ड के प्रशिक्षु संस्कृत सीखने के लिए जुटे हैं। मुख्यालय के नए परीक्षा भवन में यह प्रशिक्षण वर्ग 17 जून तक चलेगा। पूर्व कुलपति राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित आरएसएस के जिला संघचालक प्रख्यात ज्योतिषी प्रो. रामचन्द्र झा ने कहा कि देश के संस्कृत विश्वविद्यालयों में शास्त्रों की पढ़ाई संस्कृत माध्यम से होने पर संस्कृत बोलचाल की भाषा आसानी से बनेगी।

छात्रों को प्रेरित करने का आह्वान

संस्कृत भारती के प्रांत अध्यक्ष प्रो० इन्द्रनाथ झा ने कहा कि विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में संस्कृत पढ़ने के लिए छात्रों को प्रेरित करना चाहिए। संस्कृत भारती के कार्यकर्ताओं के लिए संस्कृत सेवा ईश्वरीय कार्य है। ऐसा मानकर ही वे राष्ट्रहित में कार्य करते हैं। पूर्व कुलपति प्रो शशिनाथ झा ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम से संस्कृत के वातावरण का निर्माण होता है।

पुस्तकें संस्कृतियों को हैं जोड़तीं

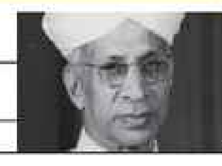

*पुस्तकें वो साधन हैं, जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं। - **डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन,** पूर्व राष्ट्रपति*

सेल्फ स्टडी के दम पर बन सकते हैं टॉपर,
वीडियो देखने के लिए स्कैन करें...

OFFICE CULTURE

वर्कप्लेस पर वर्किंग आवर की वैल्यू समझना जरूरी

1. *पहली वजह:* वर्कप्लेस पर कई बार कर्मचारी वर्किंग आवर्स में काम का डिस्ट्रीब्यूशन ठीक से नहीं करते। नतीजा उन्हें देर तक काम करना पड़ता है, इसलिए इसकी वैल्यू समझें।

2. *दूसरी वजह:* ऑफिस में अपनी प्रोफाइल से जुड़े कामों की प्राथमिकता तय न तैयार करना परेशानी बढ़ाता है।

3. *तीसरी वजह:* वर्किंग आवर्स में प्लान के मुताबिक काम न करने पर भी तनाव बढ़ता है, जो नुकसानदेह है।

4. *चौथी वजह:* वर्किंग आवर्स की वैल्यू को नहीं समझते हैं, तो कर्मचारी की छवि काम में पिछड़े रहने वाले शख्स की बनती है।

5. *प्रमोशन:* टास्क को वर्किंग आवर्स में निपटाने की कोशिश करते हैं, तो वर्कप्लेस के साथ निजी जिंदगी में सुखी रहते हैं।

CAREER-OPTION

फिल्म मेकिंग के सबसे महत्त्वपूर्ण पार्ट सिनेमेटोग्राफी में काफी अवसर हैं

क्रिएटिव स्किल्स हैं, तो बनें सिनेमेटोग्राफर

भारत के वर्ल्ड फेमस सिनेमेटोग्राफर संतोष सिवन को इस साल कांस के प्रतिष्ठित 'पियरे एंजेन्यूक्स एक्सीलेंस इन सिनेमेटोग्राफी अवॉर्ड 2024' से सम्मानित किया गया। दुनियाभर में भारतीय फिल्मों के बढ़ते रुतबे के कारण सिनेमेटोग्राफी के क्षेत्र में भी बेहतर काम करने वालों की डिमांड बढ़ रही है। जानिए, कैसे इस फील्ड में कॅरियर बना सकते हैं।

क्या होती है सिनेमेटोग्राफी?

स्क्रीन पर दिखने वाले सभी विजुअल इफेक्ट, कैमरा मूवमेंट, लाइटिंग, कैमरा एंगल, लेंस, फिल्टर, रंग, इंटेंसिटी और एक्सपोजर आदि सिनेमेटोग्राफी के तहत आते हैं। दरअसल इसमें कई तरह की शूटिंग टेक्निक शामिल होती हैं। इस पूरी प्रक्रिया को सिनेमेटोग्राफर अंजाम देता है। बतौर सिनेमेटोग्राफर स्पेशल विजुअल इफेक्ट, फोटोग्राफिक पिक्चर पर काम करने, टीम के साथ क्रिएटिव क्रू मेंबर, डायरेक्टर और टीम के साथ तालमेल बनाए रखना होता है।

आपके लिए कहां-कहां हैं मौके

वेबसीरीज के आने से पिछले कुछ समय से सिनेमेटोग्राफी के क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ रही है।

फिल्म मेकिंग में जैसे-जैसे प्रयोग बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे सिनेमेटोग्राफी के क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ रही है। अब सिनेमेटोग्राफर फिल्म के अलावा वेब सीरीज़, शॉर्ट फिल्म, टीवी शो, फिल्म क्रिएशन यूनिट, स्टूडियो और वीडियो बिजनेस से अच्छी कमाई कर सकते हैं। यहां कई प्रोफाइल पर काम करने के मौके मिलते हैं। जैसे- डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी, वीडियो एडिटर, सिनेमेटोग्राफर, कैमरामैन, वीडियोग्राफर, कैमरा प्रोडक्शन असिस्टेंट, कैमरा ऑपरेटर, मोशन कंट्रोल ऑपरेटर और कैमरा असिस्टेंट आदि।

ये योग्यता है जरूरी

1 इस क्षेत्र में मास्टर बनने के लिए ग्रेजुएशन डिग्री, डिप्लोमा डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स कॉलेज में करवाए जाते हैं।

2 कुछ सर्टिफिकेट कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 है। शैक्षणिक योग्यता के अलावा उम्मीदवार के पास कलात्मक और दूरदर्शी नजरिए का होना बेहद जरूरी है।

3 इन पाठ्यक्रमों में रजिस्ट्रेशन की फीस, स्पेशलाइजेशन का क्षेत्र और इंस्टीट्यूट पर निर्भर करती है।

4 35,000 से 1,25,000 रुपए कोर्स की न्यूनतम औसत फीस है।

कहां से करें कोर्स?

देश के कई जाने-माने संस्थान से सिनेमेटोग्राफी की पढ़ाई की जा सकती है। इनमें पुणे का फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन, मुंबई का व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल, कोलकाता का सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, नोएडा का एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन, ओडिशा का बीजू पटनायक फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट और बेंगलूरु का गवर्नमेंट फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट शामिल है।

कितनी होती है कमाई?

इस क्षेत्र में आपकी कमाई औसतन क्या होगी? यह जॉब प्रोफाइल, काम, एक्सपीरियंस, नॉलेज, स्किल्स, स्पेशलाइजेशन और इंडस्ट्री पर निर्भर करता है। हालांकि भारत में एक सिनेमेटोग्राफर की औसतन सालाना सैलरी लगभग 1,00,000 रुपए से शुरू होती है। अगर आपके पास वर्क एक्सपीरियंस है तो यही सैलरी बढ़कर सालाना 5 से 6 लाख या इससे अधिक भी हो सकती है।

CAREER TECH

टेक महिंद्रा ने कई पदों पर निकाली भर्ती

देश की जानी-मानी कंपनी टेक महिंद्रा ने कई पदों पर भर्तियां निकाली हैं। इन भर्तियों की जानकारी टेक महिंद्रा के ऑफिशियल लिंक्डइन पेज से ली जा सकती है।

इन पदों पर हैं नौकरियां

- ***कस्टमर सर्विस टीम लीड:*** कस्टमर सर्विस सेक्शन में टीम लीड के लिए यह भर्ती है। टीम को लीड करना और क्लाइंट के सवालों के जवाब देने के साथ कई जिम्मेदारियां इस पद का हिस्सा हैं।
- ***कम्युनिकेशन ट्रेनर:*** डेटा एनालिसिस, इम्प्रूवमेंट के लिए फीडबैक देना और प्लान के मुताबिक काम करना समेत कई टास्क इस प्रोफाइल के जिम्मे रहेंगे।
- ***बिड मैनेजर:*** बिड प्लानिंग, प्रपोजल टीम बनाना, उसका रिस्पॉन्स समेत कई जिम्मेदारियां इस प्रोफाइल से जुड़ी हुई हैं। अधिक जानकारी के लिए लिंक्डइन का ऑफिशियल पेज देखें।

HELPING CAREER

25-50 वर्ष वालों के लिए

IGCAR में 91 पदों पर निकली भर्तियां

इंदिरा गांधी सेंटर फॉर अटॉमिक रिसर्च, कलपक्कम में टेक्निकल ऑफिसर, साइंटिफिक असिस्टेंट और नर्स समेत 91 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। कैंडिडेट 30 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इन पदों के लिए अधिकतम उम्र सीमा 25 से 50 साल तक मांगी गई है। उम्र सीमा अलग-अलग पदों के लिए अलग-अलग है। अधिक जानकारी के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन देखें। कैंडिडेट का सलेक्शन कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट ओर इंटरव्यू में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। कैंडिडेट क्वालिफिकेशन, उम्र और अनुभव की जानकारी ऑफिशियल नोटिफिकेशन से देख सकते हैं।

https://www.igcar.gov.in/

WOMEN JOBS

महिलाओं के लिए बेहतर ऑप्शन

ब्यूटी और कॉस्मेटोलॉजी में महिलाओं के लिए मौजूद हैं कई विकल्प

ब्यूटी और कॉस्मेटोलॉजी, वे सेक्टर हैं जिसका पिछले कुछ समय में दायरा बढ़ा है। लोग अपने लुक के मामले में समझौता नहीं करना चाहते। यह सेक्टर ऐसा है जिस पर महिलाओं की पकड़ ज्यादा रही है।

कहां-कहां हैं मौके?

इस सेक्टर में महिलाओं को कई मौके मिलते हैं। यहां वे हेयर स्टाइलिस्ट, मेकअप आर्टिस्ट, स्किन केयर ब्यूटीशियन समेत कई प्रोफाइल पर काम कर सकती हैं। इसके साथ उनके पास बतौर फ्रीलॉन्सर काम करने का मौका भी होता है।

- लेटेस्ट ट्रेंड को समझेंगे तो पाएंगे कि यह फील्ड कितनी तेज से ग्रोथ कर रहा है।
- कॉस्मेटोलॉजी में महिलाएं बेहतर काम कर सकती हैं। बस ट्रेंड पर नजर रखें।

डिजिटल मोड में बढ़ी डिमांड

सर्विस प्रोवाइडिंग ऐप के दौर में इनकी मांग और ज्यादा बढ़ी है। हालांकि इसके साथ कई स्किल्स भी जरूरी हैं। जैसे- लेटेस्ट ट्रेंड को समझना और पर्सनेलिटी के मुताबिक उनकी जरूरतों को ठीक से समझ पाना।

HOW TO BE A TOPPER

टॉपर बनने की चाहत में कहीं आप तो नहीं करते ये गलतियां

टॉपर बनना हर स्टूडेंट का सपना होता है, भले ही वो स्कूल में हो या फिर नेशनल लेवल की परीक्षा में शामिल हो रहा हो। कई स्टूडेंट टॉपर बनने के लिए प्लान बनाते हैं, लेकिन उसे फॉलो करने के चक्कर में यह नहीं समझ पाते कि वो प्लान कितना सही है। नतीजा वे इस सोच में डूब रहते हैं कि वे टॉपर बन भी पाएंगे या नहीं। ऐसे में इन बातों पर ध्यान देना जरूरी है...

तुलना कभी न करें

टॉपर बनना अपनी जगह है, लेकिन दूसरे स्टूडेंट्स से तुलना करना सही नहीं। अपने अंदाज में पढ़ाई करें और देखें कि कहीं पर गलतियां तो नहीं हो रहीं।

ये बातें ध्यान रखें

विशेषज्ञ कहते हैं, इसके लिए सबसे पहले अपने टीचर और मेंटॉर्स की हेल्प लें और ऐसा प्लान बनाएं जो आपके लिए सही हो।

ध्यान रखें पढ़ाई को खुले मन से करें। किसी तरह का दबाव बनाएंगे तो अच्छी पढ़ाई करने के बाद भी अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे। इसलिए मेहनत इस तरह से करें, जिसका सही परिणाम सामने आ सके।

कई बार स्टूडेंट को लगता है कि कहीं तैयारी के बाद अच्छा परिणाम नहीं आया, तो क्या होगा। इस बारे में विशेषज्ञ कहते हैं ध्यान रखें कि परिणाम आपके हाथ में नहीं होता। इसलिए सिर्फ और सिर्फ पढ़ाई पर फोकस करें और आगे बढ़ें।

तैयारी के दौरान कई लोग अपनी तरह से बात कहते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि मन में नकारात्मकता का भाव न आए।

JOBS ALERT

■ सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन टेक्नोलॉजी, एनसीईआरटी

पद: सीनियर टेक्निकल कंसल्टेंट आदि

पद संख्या: कुल 71 पद

वॉक-इन-इंटरव्यू: 18-26 जून, 2024

https://ciet.ncert.gov.in/

■ आइसीएमआर

पद: टेक्नीशियन, टेक्निकल असिस्टेंट आदि

पद संख्या: कुल 44 पद

अंतिम तिथि: 16 जून, 2024

https://icmrnin-recruitment.aptonline.in/

■ आइसीएसआई

पद: आइईपीएफए एग्जीक्यूटिव

पद संख्या: कुल 20 पद

अंतिम तिथि: 10 जून, 2024

https://www.icsi.edu/

शॉर्ट रीड **268,923** ***भारतीय स्टूडेंट्स साल 2022-2023 में अमरीका में पढ़ाई के लिए गए थे। इस साल 35 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी।*** *(अमरीकी दूतावास की रिपोर्ट)*

EARNING APPS

सर्वे में हिस्सा लें और पैनल स्टेशन ऐप से करें कमाई

1. *पैनल* स्टेशन ऐप उन यूजर्स के लिए कमाई का बेहतर विकल्प है, जो सर्वे में हिस्सा लेकर कमाई करना चाहते हैं।

2. इस ऐप पर सरकारी और प्राइवेट कंपनियों और किसी पर्सनेलिटी को लेकर सर्वे किए जाते हैं। सर्वे को करने में 30 सेकंड से 10 मिनट का समय लग सकता है।

3. रिवॉर्ड कितना होगा, यह सर्वे का साइज बताता है। जितना बड़ा और लम्बा सर्वे होगा, पेमेंट उतना ज्यादा दिया जाएगा। इस पर अमेजन, फ्लिपकार्ट और पेटीएम जैसी कंपनियों के सर्वे कराए जाते हैं।

4. इसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करें और अपनी प्रोफाइल को कम्प्लीट करके पैनल कम्युनिटी जॉइन करें।

https://play.google.com/

STARTUP-MANTRA

स्टार्टअप के लिए आइडिया सोचने के साथ मार्केटिंग प्लान भी है जरूरी

कैसे बनाएं स्टार्टअप के लिए मार्केटिंग प्लान?

स्टार्टअप का आइडिया तो आ गया, लेकिन इसका मार्केटिंग प्लान कैसे तैयार करेंगे? यह एक बड़ा सवाल है। गौरतलब है कोई भी स्टार्टअप शुरू करने से पहले सटीक मार्केटिंग प्लान महत्त्वपूर्ण है। बिना इसके सकारात्मक परिणाम नहीं मिल सकते हैं। यहां कुछ तरीके दिए गए हैं...

तय करें टारगेट ऑडियंस

आपके स्टार्टअप का लक्ष्य क्या है और उसकी टारगेट ऑडियंस क्या है, पहले इसे तय करें। टारगेट ऑडियंस को समझते हुए यह देखें कि आखिर वे क्या चाहते हैं, उनकी जरूरतें क्या हैं और उनकी प्रॉब्लम्स क्या हैं? देश के अलग-अलग हिस्सों की टारगेट ऑडियंस को समझें, उनके व्यवहार को जानें, उनके इंट्रेस्ट को समझने की कोशिश करें। इसके अलावा उन तक आप कैसे अपनी बात प्रभावी तरीके से पहुंचाएंगे, यह तय करें। इसे ध्यान में रखते हुए मार्केटिंग स्ट्रेटेजी अपनाएं। इन सारी बातों को समझें और यह देखें कि आपका प्रोडक्ट उनकी जरूरतों में कितना फिट बैठता है। यह भी समझने की कोशिश करें कि क्या उनकी जरूरतों के हिसाब से प्रोडक्ट में बदलाव करने की जरूरत है?

टारगेट ऑडियंस की जरूरतों को समझने के बाद प्रोडक्ट को तैयार करें और मार्केटिंग स्ट्रेटेजी बनाएं।

मार्केटिंग प्लान की छोटी-छोटी बातें असर छोड़ती हैं

बजट तय करें

टारगेट ऑडियंस की जरूरतों को समझने के बाद प्रोडक्ट को तैयार करें और अब मार्केटिंग स्ट्रेटेजी का बजट तय करें। अगर आप अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट मार्केट में ला रहे हैं तो उसकी स्ट्रेटेजी भी खास होनी चाहिए।

मार्केटिंग टीम

अब अगला चरण है अपने प्रोडक्ट को लोगों तक पहुंचाने के लिए मार्केटिंग टीम बनाएं। टीम ऐसी होनी चाहिए जो अपनी बात खास अंदाज में कहे। फिर चाहें बात कॉपी राइटिंग की हो या फिर ग्राफिक डिजाइनिंग की। इस तरह अलग-अलग लोगों की टीम बनाएं।

पब्लिसिटी के चैनल तैयार करें

मार्केटिंग प्लान के जरिए प्रोडक्ट को उपभोक्ता तक पहुंचाने के लिए चैनल बनाएं। जैसे- वेबसाइट, ब्लॉग, सोशल मीडिया प्रोफाइल और ईमेल लिस्ट। वेबसाइट के जरिए निवेशक से लेकर उपभोक्ता तक प्रोडक्ट को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। ब्लॉग से उन्हें नई और प्रोडक्ट से जुड़ी जरूरी जानकारियां मिल पाएंगी। सोशल मीडिया से ज्यादा से ज्यादा यूजर्स कनेक्ट होकर वेबसाइट और ब्लॉग प्लेटफॉर्म तक पहुंचते हैं और आपके प्रोडक्ट को जान पाते हैं। ईमेल लिस्ट बनाकर उपभोक्ताओं तक प्रोडक्ट की जानकारी पहुंचाते हैं।

टेस्टिंग एंड रीटेस्टिंग

जब भी आप मार्केटिंग स्ट्रेटेजी बनाते हैं, तो सफल होगी या नहीं, इसको लेकर 100 फीसदी कुछ नहीं कहा जा सकता। मार्केटिंग प्लान लागू होने के बाद सफल हुआ या नहीं, उसका रिव्यू कीजिए। लोगों से बात कीजिए। सोशल मीडिया पर कमेंट पढ़िए। अगर प्लान असफल रहा है, तो उसकी वजह जानने के बाद दोबारा प्लान बनाएं।

INNOVATION-NEWS

मेटल के कबाड़ से बनाते हैं शानदार कलाकृतियां

मेटल के कचरे से कितनी खूबसूरत कलाकृतियों को तैयार किया जा सकता है, यह इंदौर के देवल शर्मा से सीखा जा सकता है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले देवल ने पुणे के एमआइटी से प्रोडक्ट डिजाइन में पीजी किया। वह कहते हैं, हमेशा से आर्ट से लगाव रहा है। मेटल की बेकार चीजों से कुछ यूनिक चीजें तैयार करता था, लेकिन नहीं सोचा था कि यही खूबी कॅरियर बन जाएगी। इसकी मदद से मोर, बजरंगबली, हाथी और कई चीजें तैयार की हैं। वह इन्हें तैयार करने में मेटल का कबाड़, ई-वेस्ट और प्लास्टिक का इस्तेमाल करते हैं। इन्हें तैयार करने के लिए वो स्केच और 3डी डायग्राम तैयार करते हैं, फिर इसे मेटल और वेस्ट से सुंदर रूप देते हैं।

LEARING TOOLS

15-40 वर्ष वालों के लिए

एडोब लाइट रूम का एआइ बनाएगा अच्छी फोटो

एआइ तस्वीरों को बना भी सकता है और बदल भी सकता हैं। इसका उदाहरण है एडोब लाइटरूम का एआइ फीचर। यह उन यूजर्स के लिए काम का है जो ऑफिस प्रोजेक्ट या स्कूल प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

इमेज क्रिएशन और इमेज एडिटिंग

एडोब लाइटरूम में इमेज क्रिएशन की मदद से नई तस्वीरों को क्रिएट किया जा सकता है। वहीं, इमेज एडिटिंग से तस्वीरों में कई ऐसे बदलाव किए जा सकते हैं जो फोटोशॉप से करने में घंटों लग सकते हैं। इस तरह यह फीचर बड़ा काम का साबित हो सकता है और यूजर्स के घंटों के काम को जल्दी निपट जाते हैं।

*आपके सुझाव और जिन विषयों के बारे में पढ़ना चाहते हैं हमें बताएं। आपके सवाल हमें वाट्सऐप करें **9057531584***

PRODUCTIVITY-TIPS

प्रोडक्टिविटी बढ़ाने में मदद करेंगे वॉट्सऐप के ये खास फीचर्स

वॉट्सऐप के कई फीचर्स यूजर्स की प्रोडक्टिविटी को बढ़ाने में मदद करते हैं। यानी ये उनको चीजें याद दिलाने और उनकी मदद करके उनके लक्ष्य को हासिल करने में मदद करते हैं। आइए जानें...

- **अब** एक डिवाइस पर दो वॉट्सऐप अकाउंट चला सकते हैं। इससे काम और व्यक्तिगत चैट्स के बीच इधर-उधर जाने में समय बर्बाद नहीं होगा।
- **वॉट्सऐप** के मल्टी-डिवाइस सपोर्ट फीचर ने सहूलियत दी है। अब अलग-अलग डिवाइस बदलने की जरूरत नहीं, क्योंकि अपने कम्प्यूटर, टैबलेट आदि चार लिंक्ड डिवाइस पर व्हाट्सऐप एक्सेस कर सकते हैं। फोन के बिना संदेश का जवाब दे सकते हैं, फाइल्स भेज सकते हैं।
- **वॉट्सऐप** ने पिन मैसेज से संदेशों को स्टोर करने की सुविधा भी दी है। इससे जरूरी संदेशों को हाइलाइट कर सकते हैं।

वीडियो नोट्स फीचर

अगर आपके पास दिखाने के लिए कुछ विशेष है, तो नए वीडियो नोट्स फीचर के जरिए 60 सेकंड तक के वीडियो मैसेज रिकॉर्ड करके सीधे चैट में साझा कर सकते हैं। इसी तरह पोल और क्विज बनाने की नई सुविधा से किसी भी विषय लोगों की राय जान सकते हैं। नए फीचर्स में लॉक स्क्रीन से रिप्लाई करने की सुविधा भी शामिल है।

TECH KNOWLEDGE

एंड्रॉयड के कुछ फीचर्स आपको भटकाव से रोकते हैं...

डिस्ट्रैक्शन से बचाएंगे ये 4 एंड्रॉयड फीचर!

यदि आप भी पढ़ाई या काम के दौरान बार-बार ऐप्स के नोटिफिकेशंस से परेशान रहते हैं, तो आपको एंड्रॉयड के कुछ खास इनबिल्ट फीचर्स की मदद लेनी चाहिए। इन फीचर्स की मदद से आप आसानी से पढ़ाई या काम के दौरान पूरी तरह फोकस्ड रह सकते हैं।

डू नॉट डिस्टर्ब

काम के दौरान ध्यान नहीं भटकेगा, इसके लिए एंड्रॉयड का डू नॉट डिस्टर्ब फीचर का उपयोग करें। इसे एनेबल करने के दौरान यह चुन सकते हैं कि कौनसे जरूरी नोटिफिकेशंस आप तक पहुंचने चाहिए। डू नॉट डिस्टर्ब को सेट करने के लिए सबसे पहले सेटिंग्स } साउंड एंड वाइब्रेशन खोलें और डू नॉट डिस्टर्ब चुनें। पीपल पर टैप करें और मैसेज या कॉल चुनें। अगले पेज से डू नॉट डिस्टर्ब ऑन करें।

टाइमर्स

यह स्क्रीन टाइम कंट्रोल करता है। एंड्रॉयड पर ऐप टाइमर सेट करने के लिए सेटिंग्स > डिजिटल वेलबीइंग और पैरेंटल कंट्रोल > डैशबोर्ड खोलें। वह ऐप चुनें जिसके लिए टाइमर सेट करना चाहते हैं। अगले पेज पर ऐप टाइमर पर टैप करें। फिर अधिकतम समय सीमा चुनें।

फोकस मोड

यह डू नॉट डिस्टर्ब से अलग है। फोकस मोड में आप तय करते हैं कि कौन से ऐप्स को ब्लॉक करना है। इसके लिए सेटिंग ऐप खोलें। फिर डिजिटल वेलबीइंग और पेरेंटल कंट्रोल>फोकस मोड पर नेविगेट करें। जो ऐप ध्यान भटकाते हैं उन्हें सूची से टैप करके चुन लें।

ग्रेस्केल मोड

यह सुविधा एंड्रॉयड फोन से सभी रंगों को हटाकर फोन ब्लैक एंड व्हाइट कर देती है। इससे स्मार्टफोन की लत पर भी अंकुश लग सकता है। इस फीचर के लिए सेटिंग ऐप्स खोलें और एक्सेसिबिलिटी > कलर एंड मोशन चुनें। कलर करेक्शन पर टैप करके उसे एनेबल करें और ग्रेस्केल चुनें। अब सब ब्लैक एंड वाइट में बदल जाएगा। इस सेटिंग को रीस्टोर भी कर सकते हैं। ***- आशीष खंडेलवाल***

सबसे बड़ा निवेश ज्ञान का

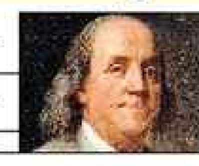

*ज्ञान का निवेश करना एक व्यक्ति के रूप में सबसे बड़ा भुगतान प्राप्त करने का सरल मार्ग है। - **बेंजामिन फ्रेंकलिन,** यूएसए के संस्थापक*

क्या रद्द होगी नीट परीक्षा? एक ही सेंटर से आठ टॉपर! देखने के लिए स्कैन करें...

CURRENT NEWS

करंट अफेयर्स क्लियर करने वाले सवाल-जवाब

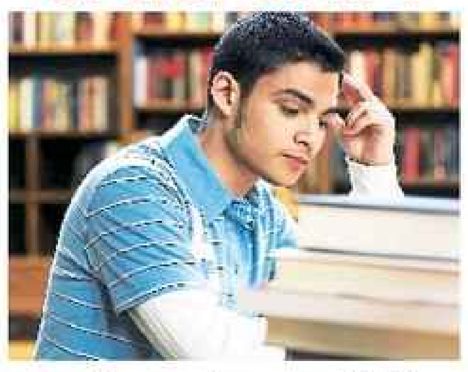

Q1 किस राज्य ने एमएसएमई के लिए राज्यव्यापी 15 दिवसीय मेगा पंजीकरण अभियान शुरू किया?

उत्तर प्रदेश *सरकार ने राज्य के सभी 75 जिलों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए 15 दिवसीय मेगा पंजीकरण अभियान शुरू किया। इसका उद्देश्य 14 लाख एमएसएमई को रजिस्टर करना है।*

Q2 किस राज्य ने आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) पर उच्च-स्तरीय समिति की स्थापना की?

मिजोरम *सरकार ने मणिपुर के नौ हजार से भी ज्यादा आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आइडीपी) की जरूरतों को पूरा करने के लिए उच्च-स्तरीय समिति की स्थापना की।*

Q3 किस संस्था ने राष्ट्रीय अभियान लत मुक्ति अमृतकाल शुरू किया?

एनसीपीसीआर *(राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग) की ओर से हाल ही राष्ट्रीय अभियान नशा मुक्ति अमृतकाल की शुरुआत की गई। इसका उद्देश्य बच्चों के बीच देश को तम्बाकू व नशा मुक्त राष्ट्र बनाना है।*

Q4 धुबरी बंदरगाह किस राज्य में स्थित है और प्रमुख नदी बंदरगाह है?

धुबरी *बंदरगाह असम का एक प्रमुख नदी बंदरगाह है। केन्द्रीय बंदरगाह जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनवाल ने इस बंदरगाह पर बुनियादी ढांचे के उन्नयन की घोषणा की है। इसके तहत यहां एकीकृत कार्यालय परिसर विकसित किया जाएगा।*

Q5 देश के उच्च न्यायालयों में स्थापित इलेक्ट्रॉनिक साइनेज सिस्टम का नाम क्या है?

न्याय घड़ी *नामक इस इलेक्ट्रॉनिक साइनेज प्रणाली के तहत हितधारकों को न्यायालयों से संबंधित डेटा का अवलोकन व उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।*

Course-choice

12वीं के बाद कई कोर्स ऐसे होते हैं, जो आपको कम समय में ही हाई पेइंग जॉब्स दिलाते हैं।

सरकारी और निजी क्षेत्रों में ये कोर्स दिलाएंगे हाई पैकेज

सीनियर सेकंडरी के बाद छात्रों को एक अच्छा कॅरियर विकल्प चुनने में कठिनाई होती है। हर कोर्स के साथ आप एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी क्या कर रहे हैं, इससे आपको एक प्रोफेशनल और एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने में भी मदद मिलती है। आपके कितने प्रतिशत मार्क्स हैं, इसके बजाय मौजूदा क्लास में आपकी परफॉर्मेंस कैसी है, यह जरूरी है। यहां कुछ हाई पेइंग सेक्टर बताए जा रहे हैं-

डॉ. सविता दीक्षित
शिक्षाविद्

पायलट या एयर सेक्टर

एयर सेक्टर में बहुत से कोर्स होते हैं। इनमें आप केबिन क्रू से लेकर पायलट तक बन सकते हैं। अगर आपको ऊंचाइयों से प्यार है और आप एक हाई पेइंग जॉब के साथ थोड़ा एडवेंचर भी चाहते हैं तो पायलट बनना आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। पायलट को शुरुआत से ही अच्छी सैलरी भी मिलती है जो अनुभव के साथ बढ़ती जाती है। इसके लिए आपको एक विशेष पायलट ट्रेनिंग प्रोग्राम पूरा करना होता है। इसके बाद लाइसेंस जारी किया जाता है।

मेडिकल सेक्टर

मेडिकल या हैल्थकेयर कोर्स आपको सक्रिय रूप से कमाई के विकल्प उपलब्ध करवाते हैं। आप नर्सिंग कोर्स कर सकते हैं, साथ ही एमबीबीएस, फार्मासिस्ट से लेकर रिसर्चर तक से जुड़े कोर्स कर सकते हैं। ये सभी अलग-अलग स्तर पर आपको अच्छी कमाई के मौके देते हैं।

कम्प्यूटर एप्लिकेशन्स

वेब डवलपर, एआइ, सॉफ्टवेयर डवलपर, डेटा एनालिस्ट से लेकर डेटा साइंटिस्ट तक के कोर्स कर आप एक प्रोफेशनल के रूप में खुद को स्थापित कर सकते हैं। इस सेक्टर में करोड़ों रुपए तक के पैकेज मौजूद हैं, बस जरूरत होती है खुद को लगातार अपडेट रखने की।

इंजीनियरिंग

यह सेक्टर लंबे समय से स्टूडेंट्स को अच्छे मौके देता आया है, लेकिन फिर भी अच्छे स्ट्रीम चुनकर और नॉलेज रखते हुए आप अपने लिए हाई पैकेज की डिमांड कर सकते हैं। खास बात यह है कि आपको कॉलेज से ही कंपनियां जॉब ऑफर कर देती हैं।

एनिमेशन एंड डिजाइन

एक क्रिएटिव पर्सन के रूप में आपके लिए एनिमेशन डिजाइनिंग कॅरियर एक बेहतर विकल्प है। इसके लिए एक व्यक्ति को कम्प्यूटर और विभिन्न एनिमेशन सॉफ्टवेयर की अच्छी नॉलेज के साथ रचनात्मक सोच होनी चाहिए।

PRODUCTIVE STUDY

गर्मी में थकान होती है। ऐसे में नैप की जरूरत समझें।

दोपहर में ग्रुप स्टडी करें और सुस्ती दूर भगाएं

पढ़ाई के लिए वैसे तो वही समय उपयुक्त रहता है जिसमें आप पढ़ना चाहें, लेकिन कई साइंटिफिक रिसर्च में यह सामने आया है कि सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक और शाम 4 से रात 10 बजे तक का समय स्टडी को प्रोडक्टिव बनाता है।

- **सुबह** इन दिनों पढ़ाई ठीक से होती है। मेंटल हैल्थ भी ठीक रहती है।

फोकस

- **मन** को अच्छा लगे तब पढ़ें, लेकिन नियमित पढ़ाई के लिए टाइम टेबल बनाएं।
- **दोपहर** में इन दिनों नींद आती है। ऐसे में ग्रुप स्टडी बेहतर विकल्प है।
- **आहार** में शरीर को ठंडक पहुंचाने वाली चीजें शामिल करें। लगातार पानी पीते रहें।
- **दिन** में 7 से 15 मिनट नैप ले सकते हैं।

KNOWLEDGE-CORNER

ऑपरेशन ब्लॉकआउट क्या है?

प्रमोद जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

ब्लॉकआउट-2024 जिसे हैशटैग के साथ लिखा जाता है, सोशल मीडिया पर इन दिनों चल रहा एक ऑनलाइन अभियान है। यह अभियान अमरीका में ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें ऐसे सेलेब्रिटीज या संगठनों को सोशल मीडिया पर ब्लॉकआउट करने की अपील की जा रही है, जो गाजा में चल रही लड़ाई में इजरायली कार्रवाई को लेकर मौन हैं, या कार्रवाई का समर्थन कर रहे हैं। हाल ही जब आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और विराट कोहली जैसे सितारों के नाम ब्लॉकआउट लिस्ट में डाले गए, तो हमारे यहां भी इसकी तरफ ध्यान गया। इसकी शुरुआत 6 मई, 2024 को टिकटॉक पर सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर हेली कैलिल की एक पोस्ट से हुई थी। हाल ही अमरीकी विश्वविद्यालयों में इजरायली कार्रवाई के विरुद्ध चले आंदोलन के दौरान यह अभियान काफी लोकप्रिय हुआ। टिकटॉक पर हेली

कैलिल की पोस्ट के बाद @ब्लॉकआउट2024 (@BlockOutwfiwy) नाम से एक अकाउंट तैयार हो गया। अब ऐसे कई अकाउंट सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। ये उन सेलेब्रिटीज को टारगेट करते हैं, जो इजरायली कार्रवाई के खिलाफ बोल नहीं रहे हैं। अभियान के दबाव में कुछ सेलेब्रिटीज ने इजरायल की निंदा करना शुरू कर दिया है।

COURSE CLICK

मैनेजमेंट स्टडीज व अन्य पाठ्यक्रम

मुम्बई यूनिवर्सिटी में प्रवेश के लिए 15 जून लास्ट डेट

मुम्बई यूनिवर्सिटी से एफिलिएटेड और नॉन-ऑटोनॉमस कॉलेज, यूनिवर्सिटी के विभागों में पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए प्रवेश प्रक्रिया हेतु नामांकन प्रक्रिया जारी है। यह प्रवेश प्रक्रिया 22 मई, 2024 से शुरू हुई थी।

इन स्ट्रीम में करें आवेदन

आर्ट्स, कॉमर्स, साइंस सहित मैनेजमेंट स्टडीज में पोस्ट ग्रेजुएशन हेतु आवेदन किया जा सकता है। आवेदन के बाद 20 जून को दस्तावेजों का ऑनलाइन वेरिफिकेशन किया जाएगा। इसके बाद 21 जून को प्रोविजनल मेरिट लिस्ट जारी कर दी जाएगी।

इस डेटशीट पर डालें नजर

ध्यान दें कि 25 जून, 2024 को दोपहर एक बजे तक स्टूडेंट्स शिकायत कर सकेंगे। इसके बाद 26 जून को पहली मेरिट लिस्ट जारी कर दी जाएगी। दूसरी मेरिट लिस्ट 2 जुलाई, 2024 को जारी की जाएगी। इसके बाद आपकी क्लासेज शुरू हो जाएंगी। एडमिशन से जुड़े अपडेट्स के लिए विजिट करते रहें-
muadmission.samarth.edu.in

SELF-HELP

लाइब्रेरी कल्चर सीखकर उठाएं कई फायदे

स्टडी के लिए इन दिनों लाइब्रेरी जाने का कल्चर है। स्टूडेंट्स यहां ऑफलाइन व ऑनलाइन स्टडी का लाभ ले सकते हैं। अगर आप इस कल्चर को सीख लें, तो इससे आपकी पढ़ाई काफी अच्छी हो सकती है। परीक्षा की तैयारी अच्छी होगी।

- **शांत** रहें और अपने लक्ष्य पर फोकस करते हुए पढ़ाई में जुटे रहें।
- **जरूरत** हो, तब ही मोबाइल फोन का इस्तेमाल करें, अन्यथा साइलेंट रखें।
- **लंबी** सिटिंग ठीक है, मगर बीच में बॉडी और माइंड को रिलैक्स करें।
- **प्रतियोगिता** के दौर में आस-पास पढ़ते छात्रों से प्रेरित हों।
- **स्टडी** आपको ही करनी है। लाइब्रेरी जाएं, तो तय करें कि कितना पढ़ना है।
- **आप** चाहें तो घर पर भी लाइब्रेरी जैसा माहौल बनाकर पढ़ सकते हैं।

शॉर्ट रीड 150 *से भी ज्यादा बार मोबाइल फोन देखते हैं देश के कॉलेजों में अध्ययनरत स्टूडेंट्स एक दिन में। (अलीगढ़ मुस्लिम विवि व आईसीएसएसआर की एक रिपोर्ट के अनुसार)*

EXAM CALENDAR

ESE मेन्स एग्जाम के दोनों पेपर्स 23 जून को

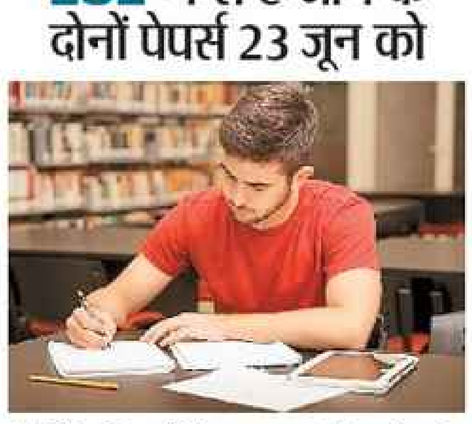

इंजीनियरिंग सर्विसेज एग्जाम (ईएसई), संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से आयोजित करवाया जाता है। इस हेतु ईएसई मेन्स परीक्षा के लिए आयोग की ओर से शेड्यूल जारी कर दिया गया है। इसके अनुसार 23 जून, 2024 को ईएसई परीक्षा के दोनों पेपर्स अलग-अलग पारियों में लिए जाएंगे। पहली पारी का समय जहां सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है, वहीं दूसरी पारी दोपहर 2.30 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। 167 पदों के लिए आयोजित की जा रही इस परीक्षा के बाद इंटरव्यू प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसके बाद फाइनल सलेक्शन लिस्ट आउट की जाएगी। विजिट करें-

https://upsc.gov.in/

READERS REQUEST

बिजनेस की शुरुआत

राजेन्द्र मीणा, भरतपुर- ग्रेजुएशन में कॉलेज ड्रॉपआउट के बाद मैंने एसी संबंधी बिजनेस शुरू किया है। भविष्य को ध्यान में रखकर मुझे कौनसे कोर्स करने चाहिए?

कॅरियर काउंसलर, दीपक सक्सेना
- एक एसी टेक्निशियन सर्विस प्रोवाइडर के रूप में आप बेहतर तरीके से अपने कॅरियर को विस्तार दे सकते हैं। इन दिनों बढ़ रहे तापमान में अब ये टेक्निशियन डिमांड में भी हैं। ऐसे में आप अपने बिजनेस को विस्तार देने के लिए इस क्षेत्र में 6 माह से लेकर दो वर्ष तक के सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। आप एसी के साथ ही रेफ्रिजरेटर टेक्नोलॉजी भी सीख सकते हैं। इसके लिए आप अपने नजदीकी आइटीआइ कॉलेज में संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा आप पॉलिटेक्निक कॉलेज सहित एसी-रेफ्रिजरेटर तकनीक सीखने के लिए विभिन्न इंस्टीट्यूट्स में एडमिशन के लिए अप्लाई कर सकते हैं। आप इसके लिए यूट्यूब चैनल्स के माध्यम से ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स भी ले सकते हैं।

आप भी भेजें अपने सवाल...

9057531584

UPSC PRELIMS

देश की शीर्ष प्रशासनिक सेवाओं के लिए संघ लोक सेवा आयोग की ओर से शेड्यूल जारी किया जा चुका है।

टॉपर्स से समझें तैयारी का गणित, फिर क्रैक करें यूपीएससी प्रीलिम्स

यूपीएससी प्रीलिम्स 2024 परीक्षा 16 जून, 2024 को तय है। एस्पिरेंट्स के पास इसकी तैयारी के लिए अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। ऐसे में नए टॉपिक्स पढ़ने के बजाय पुराने टॉपिक्स को रिवाइज करना ही बेहतर है। सही रणनीति के साथ तैयारी करने पर आप इस प्रयास में ही सफलता की उम्मीद रख सकते हैं। इसके लिए आप चाहें तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उन टॉपर्स को फॉलो कर सकते हैं, जिन्होंने संघर्ष के बूते सफलता हासिल की है। आइए जानें कुछ जरूरी बातें...

ओवर कॉन्फिडेंस से बचें

तैयारी के दौरान ओवर कॉन्फिडेंस से बचें। साथ ही, अपने आत्मविश्वास को मजबूत बनाए रखने के लिए भी प्रयास करते रहें। ध्यान देने वाली बात यह है कि कई अफसर अपने नोट्स में यह शेयर करते हैं कि कैसे उन्होंने एग्जाम के दौरान खुद पर विश्वास बनाए रखा। इस विषय पर आप चाहें तो उनसे चर्चा कर सकते हैं या मदद ले सकते हैं। इससे आपको काफी मदद मिलेगी।

करंट पर रखें नजर

प्रीलिम्स में पास होने के लिए करंट अफेयर्स पर नजर बनाकर रखें। बिना घबराए लगातार अपडेट रहें। इससे आप ऊर्जावान रहेंगे और उत्साहित महसूस करेंगे। इससे परीक्षा के दौरान आप सकारात्मक बने रहेंगे, जिसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

सेहत का रखें पूरा ध्यान

एग्जाम को लेकर किसी भी तरह का स्ट्रेस न पालें। साथ ही अपने खानपान और आहार को लेकर भी सजग रहें। इसके अलावा मानसिक स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखें। तभी अच्छी तरह से परीक्षा दे पाएंगे।

परिजनों के टच में रहें

अपने परिजनों से लगातार संपर्क में रहें। उनसे बातचीत करें और उनसे अपनी समस्याएं साझा करें। इससे आप ज्यादा अच्छी तरह से पढ़ाई कर पाएंगे। परिजनों का साथ मन को शांत रखता है।

पिछले पेपर्स सॉल्व करें

यूपीएससी प्रीलिम्स 2024 परीक्षा से पहले सिलेबस और एग्जाम पैटर्न को समझना जरूरी है। हर दिन पिछले साल के प्रश्न-पत्र जरूर सॉल्व करें। इससे आपको समझ में आ जाएगा कि यूपीएससी सीएसई प्रीलिम्स परीक्षा में किस तरह के सवाल पूछे जा सकते हैं। इस तरह आपको इस परीक्षा के पैटर्न की जानकारी मिलेगी और सिलेबस भी समझ में आ जाएगा। इससे आपका आत्म-विश्वास बढ़ेगा। इस तरह आप प्रीलिम्स परीक्षा क्रैक कर पाएंगे। ध्यान रखें इस दौरान किसी तरह का डर मन में नहीं पालना है।

SCHOLARSHIP ALERT

नेक्स्टजेन एडु स्कॉलरशिप प्रोग्राम

ईवाय ग्लोबल डिलिवरी सर्विसेज की ओर से नेक्स्टजेन एडु स्कॉलरशिप देशभर के सरकारी व निजी स्कूलों की 11वीं क्लास में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए ऑफर की जाती है। इस स्कॉलरशिप के तहत चयनित स्टूडेंट्स को 15 हजार रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है।

यह है योग्यता

- ***11वीं*** क्लास में अध्ययनरत स्टूडेंट्स ही आवेदन कर सकते हैं।
- ***10वीं*** क्लास में कम से कम 60 फीसदी अंक होने अनिवार्य हैं।
- ***स्टूडेंट*** के परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपए से कम होनी चाहिए।
- ***स्कॉलरशिप*** राशि की इस्तेमाल केवल शैक्षिक खर्च के लिए किया जा सकता है।
- ***इस*** स्कॉलरशिप के तहत 26 जून, 2024 तक आवेदन किया जा सकता है। सभी नियम और शर्तें पढ़ लें।

ऐसे करें आवेदन

विजिट करें - rb.gy/9c0dcm

STUDY ABROAD

स्वीडन के विश्वविद्यालयों में निशुल्क शिक्षा से लेकर रिसर्च तक के कई अवसर मौजूद हैं...

आपको चाहिए स्वीडन में शिक्षा, तो जानिए खास बातें

- **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा :** स्वीडिश विश्वविद्यालय दुनियाभर में अपनी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए जाने जाते हैं। ये अनुसंधान और नवाचार पर जोर देते हैं और कई विश्वविद्यालय दुनिया के अग्रणी अनुसंधान केंद्र हैं।
- **निशुल्क शिक्षा :** स्वीडन में सरकारी विश्वविद्यालयों में शिक्षा छात्रों के लिए निशुल्क है। यहां तक कि यूरोपीय संघ (ईयू) / यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (ईईए) के बाहर के देशों के छात्रों के लिए भी।
- **अंग्रेजी में कार्यक्रम :** कई विश्वविद्यालय अंग्रेजी भाषा में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम उपलब्ध करवाते हैं। इसका अर्थ है कि आपको स्वीडिश सीखने की आवश्यकता नहीं है। यदि आप अंग्रेजी में पढ़ना चाहते हैं।
- **अनुसंधान के अवसर :** स्वीडन अनुसंधान के लिए एक वैश्विक केंद्र है और कई विश्वविद्यालय स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लेने के अवसर प्रदान करते हैं।

[स्वीडन उच्च शिक्षा के लिए एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन है, खासकर भारतीय स्टूडेंट्स के लिए। इस देश में अनुसंधान और नवाचार पर जोर दिया जाता है और यहां के कई विश्वविद्यालय दुनिया के अग्रणी अनुसंधान केंद्र हैं।]

- **सुरक्षित वातावरण :** स्वीडन दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में से एक है। यह रहने और अध्ययन करने के लिए एक बेहतरीन जगह है।
- **छात्रवृत्ति व वित्तीय सहायता :** कई छात्रवृत्तियां और वित्तीय सहायता विकल्प उपलब्ध हैं, जो भारतीय छात्रों की लागत कवर करने में मदद कर सकते हैं।

भारतीय स्टूडेंट्स के लिए स्वीडन एक बेहतर विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है।

प्रो. अशोक कुमार, शिक्षाविद्

कुछ विशिष्ट सुविधाएं

- **अंतरराष्ट्रीय छात्र कार्यालय :** अधिकांश विश्वविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय छात्र कार्यालय होते हैं, जो आवास, वीजा और अन्य आवेदन प्रक्रियाओं में सहायता प्रदान करते हैं। यहां भारतीय छात्रसंघ भी होते हैं, जो स्वदेशी स्टूडेंट्स की सहायता के लिए तत्पर होते हैं।
- **भाषा सहायता :** कुछ विश्वविद्यालय स्वीडिश भाषा के पाठ्यक्रम देते हैं जो आपको देश की भाषा सीखने में मदद कर सकते हैं।
- **रोजगार के अवसर :** स्नातक के बाद आपको स्वीडन में इंटर्नशिप या नौकरी खोजने में मदद करने के लिए कई संसाधन उपलब्ध हैं।

लोकप्रिय विश्वविद्यालय

- **उप्साला विश्वविद्यालय :** स्वीडन का सबसे पुराना और सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय।
- **कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट :** चिकित्सा और स्वास्थ्य विज्ञान के लिए प्रसिद्ध विश्वविद्यालय।
- **चलमर्स यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी :** इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के लिए शीर्ष विवि।
- **स्टॉकहोम विश्वविद्यालय :** सामाजिक विज्ञान, मानविकी और कानून के लिए विवि।

OPEN ADMISSION

हैदराबाद विश्वविद्यालय

कोर्स: पीएचडी

अंतिम तिथि: 18 जून, 2024

acad.uohyd.ac.in/

डीयू एसओएल

कोर्स: स्नातक व अन्य कोर्सेज

अंतिम तिथि: घोषित नहीं

sol.du.ac.in

इंदिरा गांधी खुला विवि

कोर्स: मेंटल हेल्थ में पीजी डिप्लोमा

अंतिम तिथि: 30 जून, 2024

http://www.ignou.ac.in/

टी-20 विश्व कप: मेजबान अमरीकी टीम ने ग्रुप-ए के मैच में पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया

अमरीका की पाक पर ऐतिहासिक जीत के नायक मोनांक-सौरभ का भारत से नाता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डलास. पहली बार आइसीसी टी-20 क्रिकेट में शिरकत कर रही अमरीका ने गुरुवार रात खेले गए, ग्रुप-ए के अपने दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान को सुपर ओवर में शिकस्त देकर इतिहास रच दिया। यह किसी बड़ी टीम के खिलाफ अमरीका की पहली जीत है। खास बात यह है कि अमरीका की इस जीत के नायक रहे दो खिलाड़ी बल्लेबाज मोनांक पटेल और सुपर ओवर में गेंदबाजी करने वाले सौरभ नेत्रवलकर का भारत से जुड़ाव रहा है। दोनों खिलाड़ी भारत में ही पैदा हुए और दोनों ने यहां घरेलू क्रिकेट भी खेला है।

अमरीकी टीम ने पूरी रात मनाया जीत का जश्न पाकिस्तान पर मिली शानदार जीत के बाद अमरीकी टीम ने पूरी रात जमकर जश्न मनाया। टीम को सोशल मीडिया पर भी बधाइयां मिल रही हैं। कप्तान मोनांक पटेल ने कहा, यह शानदार जीत टीम के एकजुट प्रयास से मिली है। हम इसका जोरदार जश्न मनाएंगे और फिर अगले मैच की तैयारी में जुट जाएंगे।

हार के बाद निराश पाक खिलाड़ी।

सौरभ नेत्रवलकर: सुपर ओवर में जीत दिलाई

सुपर ओवर में मीडियम पेसर सौरभ नेत्रवलकर ने 19 रन के लक्ष्य का शानदार बचाव किया। उन्होंने सिर्फ 13 रन खर्च किए और इफ्तिखार का अहम विकेट भी चटकाया।

मुंबई में जन्मे: लेफ्ट आर्म गेंदबाज सौरभ ने 2013-14 में मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। उन्होंने इसी साल विजय हजारे में भी अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन ज्यादा मौके नहीं मिलने के कारण वह 2017 में अमरीका चले गए।

मोनांक पटेल: 50 रन की पारी खेली

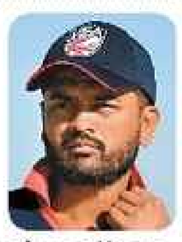

160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मोनांक पटेल ने 38 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के के साथ 50 रन ठोके। प्लेयर ऑफ द मैच बने मोनांक ने करियर का कुल तीसरा अर्धशतक लगाया।

गुजरात में जन्मे: 31 वर्षीय मोनांक का जन्म गुजरात में हुआ और उन्होंने राज्य की अंडर-16 और अंडर-18 टीम में जगह बनाई। 2016 में वह अमरीका चले गए।

ग्रुप-ए में सुपर आठ का समीकरण रोमांचक हुआ

अमरीका: लगातार दो जीत से स्थिति मजबूत

अमरीकी टीम ग्रुप-ए में लगातार दूसरा मैच जीतकर चार अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। पाक और कनाडा को हराने के बाद अमरीका को अब भारत और आयरलैंड से खेलना है। यदि टीम एक भी मैच जीत लेती है तो छह अंकों संग उसकी स्थिति मजबूत हो जाएगी।

भारत: पाक के साथ निर्णायक मुकाबला

भारतीय टीम ने पहले मैच में आयरलैंड को हराया था लेकिन अब रविवार को पाकिस्तान के साथ उसका मैच काफी अहम होगा। यदि भारतीय टीम पाक को हरा देती है तो उसके लिए सुपर-8 की राह आसान हो जाएगी। लेकिन भारतीय टीम हारी तो उसकी राह भी काफी मुश्किल हो जाएगी।

पाक: भारत के खिलाफ करो या मरो का मैच

अमरीका से हारने के बाद पाकिस्तान के लिए भारत के खिलाफ होने वाला मैच अहम हो गया है। यदि पाक यह मैच जीती तो उसके लिए सुपर-8 का रास्ता थोड़ा आसान हो जाएगा, लेकिन यदि वह हारी तो उसकी अगले दौर में पहुंचने की उम्मीदें दूसरी टीमों के परिणाम पर निर्भर हो जाएंगी।

कनाडा, आयरलैंड: कर सकते हैं बड़ा उलटफेर

कनाडा और आयरलैंड को अपने पहले मैच में हार मिली है, लेकिन यदि ये टीमें भारत, पाक और अमरीका के खिलाफ किसी भी मैच को हरा देती हैं तो इस ग्रुप का समीकरण ज्यादा दिलचस्प हो जाएगा।

हार पर पूर्व दिग्गजों ने पाक टीम को लताड़ा

पाकिस्तान की शर्मनाक हार हुई। हम जीतने के बिल्कुल हकदार नहीं थे क्योंकि अमरीका ने काफी शानदार खेल दिखाया। पूरा देश और हम इस से काफी निराश हैं। **- शोएब अख्तर,** पूर्व पाक पेसर

पाक टीम अब सुपर-8 में जगह बनाने के लिए संघर्ष करेगी। अमरीका के खिलाफ पाक का प्रदर्शन वास्तव में बेहद खराब रहा। हार जीत होती रहती है लेकिन आपको आखिरी गेंद तक संघर्ष करना चाहिए। **- वसीम अकरम,** पूर्व पाक गेंदबाज

टी-20 विश्व कप: ग्रुप-बी के मुकाबले में 5 विकेट से जीत हासिल की

माइकल लीस्क के ऑलराउंड खेल से स्कॉटलैंड की नामीबिया पर पहली जीत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ब्रिजटाउन. मध्यक्रम के बल्लेबाज माइकल लीस्क के ऑलराउंड खेल से स्कॉटलैंड ने आइसीसी टी-20 विश्व कप के ग्रुप-बी मुकाबले में नामीबिया को पांच विकेट से शिकस्त दी। यह स्कॉटलैंड की इस टूर्नामेंट में पहली जीत है क्योंकि इंग्लैंड के साथ उसका पहला मुकाबला बारिश से धुल गया था।

156 रन का लक्ष्य

इस मैच में नामीबिया ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और नौ विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में स्कॉटलैंड ने 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 157 रन बनाकर आसानी से जीत हासिल कर ली। यह स्कॉटलैंड की नामीबिया के खिलाफ पहली जीत है। इससे पहले खेले गए तीन मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा था।

नामीबिया के खिलाफ बल्लेबाजी के दौरान स्कॉटलैंड के माइकल लीस्क।

प्लेयर ऑफ द मैच: स्कॉटलैंड की जीत के हीरो माइकल लीस्क रहे, जिन्होंने बल्लेबाजी के दौरान 17 गेंदों में 35 रन ठोक दिए। उन्होंने चार छक्के लगाए। इससे पहले, गेंदबाजी में भी उन्होंने दमखम दिखाया और दो ओवर में 16 रन देकर एक विकेट चटकाया।

आज के मुकाबले

अफगानिस्तान vs न्यूजीलैंड
प्रसारण: सुबह 5.00 बजे से
स्थान: प्रोविडेंस

बांग्लादेश vs श्रीलंका
प्रसारण: सुबह 6.00 बजे से
स्थान: डलास

नीदरलैंड्स vs द.अफ्रीका
प्रसारण: रात 8.00 बजे से
स्थान: न्यूयॉर्क

ऑस्ट्रेलिया vs इंग्लैंड
प्रसारण: रात 10.30 बजे से
स्थान: ब्रिजटाउन

मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड के लिए हर हाल में जीत जरूरी

ब्रिजटाउन. पहला मैच बारिश से धुलने के कारण मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड जब शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरेगी तो उसे हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। टी-20 विश्व कप में दोनों टीमों के बीच 23 मैच खेले गए हैं। इसमें इंग्लैंड ने 11 जीते, 10 हारे व 02 बेनतीजा रहे।

CROSSWORD 7008...

बाएं से दाएं... 1. बरसात, वर्षा ऋतु (4), 4. खींचातानी, संघर्ष, व्यग्रता (4), 6. परिवार, कुटुम्ब (4), 7. एक और चौथाई (2), 9. घुमंतु, घूमने-फिरने वाला (4), 11. लेटना, फैलना (4), 14. पर्दा, यवनिका, दरवाजा (2), 15. स्वेद, श्रमसीकर, श्रमजल (3), 16. पत्थर (3), 18. विवाह सम्बन्ध विच्छेद (3), 19. चित, दिल (2), 20. गाड़ी (3), 22. बराबरी, तुल्यता (4), 23. ईसाई सेविका (2), 24. मुसीबत, विपत्ति (3), 26. नवीनता, नूतनता (4), 27. अभिवादन का मुस्लिम ढंग (3)

ऊपर से नीचे... 1. मन में उत्पन्न संकल्प/विकल्प (3), 2. मित्र (2), 3. नाना का घर (4), 4. पुत्री, बेटी (3), 5. ठंडक, शीतलता (4), 8. लौटना, प्रत्यावर्तित (3), 10. निर्वाह, गुजर (3), 12. शाश्वत, परंपरानिष्ठ, अनादि (4), 13. अपवित्र (3), 15. व्यंजन (4), 17. अवाम, प्रजा (3), 19. मौजी, रसिक (4), 21. आघात करना (3), 22. हमेशा, सर्वदा (2), 24. स्वयं, खुद (2), 25. पानी, जल (2)

हल 7007

SUDOKU 6743...

	2	4	6				8	9
	3	7			2			4
9				6			7	
			5			4		6
	5		4					
		1						
					4	8	3	
				2	5		1	

हल 6742

5	3	7	8	2	1	6	9	4
8	1	2	4	9	6	7	3	5
9	4	6	7	5	3	1	2	8
4	2	3	1	6	8	9	5	7
7	5	8	9	4	2	3	1	6
1	6	9	5	3	7	4	8	2
6	9	5	3	8	4	2	7	1
2	8	1	6	7	9	5	4	3
3	7	4	2	1	5	8	6	9

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

कुश्ती

अमन फाइनल में हारकर स्वर्ण पदक जीतने से चूके

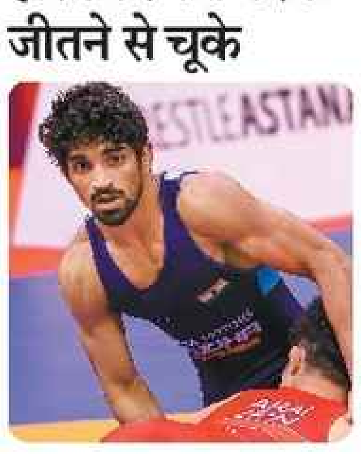
अमन सहरावत, पहलवान।

बुडापेस्ट@ पत्रिका. भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने गुरुवार को यहां बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल में रजत पदक जीता। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइ करने वाले एक मात्र भारतीय पुरुष पहलवान अमन सहरावत को स्वर्ण पदक मुकाबले में विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जापान के रेई हिगुची से हार झेलनी पड़ी। हिगुची ने अमन को 5 मिनट 30 सेकेंड तक चले मुकाबले में 11-1 से हराया।

एकमात्र भारतीय पहलवान: अमन इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले एकमात्र पुरुष पहलवान थे। उन्होंने विश्व कुश्ती ओलंपिक क्वालीफायर में पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया था।

आज का पोल

क्या पाकिस्तान की टीम विश्व कप के सुपर-8 में जगह बनाने में सफल होगी?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। X @PatrikaNews

शुक्रवार का जवाब

हां 84% नहीं 16%

पिछला सवाल: क्या आइसीसी टी-20 विश्व कप में नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम की विकेट बल्लेबाजों के लिए खतरनाक है?

टी-20 विश्व कप : आयरलैंड की टीम को ग्रुप-ए मैच में 12 रन से दी शिकस्त

निकोलस की पारी से कनाडा ने खाता खोला

न्यूयॉर्क @ पत्रिका. कनाडा ने शुक्रवार को टी-20 विश्व कप के ग्रुप-ए मुकाबले में आयरलैंड को 12 रन से शिकस्त दी। यह टूर्नामेंट में उसकी दो मैचों में पहली जीत है। कनाडा की टीम ने सात विकेट पर 137 बनाए। जवाब में आयरलैंड की टीम सात विकेट पर 125 रन ही बना सकी। कनाडा के लिए प्लेयर ऑफ द मैच बने निकोलस किरटन ने 49 रन की पारी खेली। उन्होंने 35 गेंद खेलते हुए तीन चौके और दो छक्के लगाए। वहीं, श्रेयस मोवा ने 36 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 37 रन बनाए।

शुक्रवार को कनाडा के बल्लेबाज निकोलस और श्रेयस मोवा (दाएं)।

इंडोनेशिया ओपन

क्वार्टरफाइनल में हार बाहर हुए लक्ष्य सेन

जकार्ता@ पत्रिका. भारतीय शटलर लक्ष्य सेन को शुक्रवार को यहां खेले जा रहे इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। उनकी हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। 27 वर्षीय डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन ने 61 मिनट तक चले मुकाबले भारतीय खिलाड़ी लक्ष्य सेन को 24-22, 21-18 से शिकस्त दी। एंटोनसेन ने लक्ष्य के साथ कुल पांच मुकाबले खेले हैं और तीन में जीत हासिल की है।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट: नौवें राउंड में मिली शिकस्त

कारुआनो से पार नहीं पा सके प्रग्गनानंदा, तीसरे स्थान पर

स्टावेंजर (नार्वे) @ पत्रिका. भारत के 19 वर्षीय ग्रैंडमास्टर आर प्रग्गनानंदा को गुरुवार रात अमरीका के फैबियानो कारुआना के खिलाफ नौवें राउंड में हार झेलनी पड़ी। क्लासिकल मैच ड्रॉ रहने के बाद कारुआना ने प्रग्गनानंदा को सडन डेथ में हराया। प्रग्गनानंदा अब इस टूर्नामेंट दूसरी हार है और वह 13 अंकों संग तालिका में तीसरे जबकि कारुआना 10.5 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

आर प्रग्गनानंदा।

कार्लसन शीर्ष पर: विश्व के नंबर एक मैग्नस कार्लसन ने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा को हराया। कार्लसन 16 अंक के साथ तालिका में पहले स्थान पर डटे हुए हैं।

फ्रेंच ओपन टेनिस: स्पेनिश खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में जेनिक सिनर को हराया

अल्कारेज पहली बार खिताबी मुकाबले में

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने शुक्रवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। 21 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने पुरुष एकल के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जेनिक सिनर को 4 घंटे 9 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 2-6, 6-3, 3-6, 6-4, 6-3 से हराया। तीसरी वरीय अल्कारेज की इस सीजन शीर्ष-5 खिलाड़ियों के खिलाफ यह तीसरी जीत है।

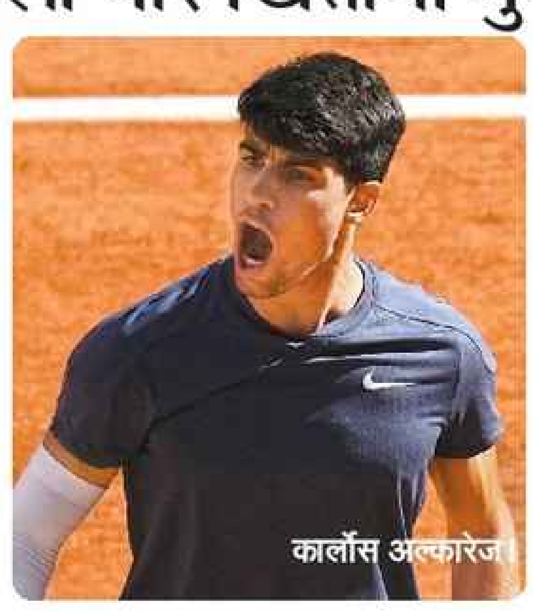
कार्लोस अल्कारेज।

नजरें तीसरे ग्रैंड स्लेम पर: अल्कारेज का सिनर के खिलाफ रेकॉर्ड 5-4 का हो गया है। टूर्नामेंट के फाइनल में अल्कारेज का सामना रविवार को कैस्पर रुड और एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता से होगा। वहीं, अल्कारेज की नजरें अब अपने तीसरे ग्रैंड स्लेम खिताब पर हैं।

50 दिन शेष **पेरिस ओलंपिक 2024** पेरिस के उत्तर में सीन डेंट डेनिस में बनाए गए खेल गांव के कमरों में एयर कंडीशनर की सुविधा नहीं होगा

शानदार: एफिल टॉवर पर लगी ओलंपिक रिंग्स

पेरिस. आगामी पेरिस ओलंपिक गेम्स के लिए एफिल टॉवर को खास तौर पर सजाया और संवारा जा रहा है। शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह से 50 दिन पहले एफिल टॉवर की पहली और दूसरी मंजिल के बीच पांच ओलंपिक रिंग्स स्थापित की गईं हैं। ये रिंग्स 29 मीटर चौड़ी और 13 मीटर ऊंची है। इनका वजन 30 टन है और प्रत्येक रिंग का डायमीटर 09 मीटर है।

फ्रांस के जियोथर्मल कूलिंग सिस्टम पर नहीं कई देशों को भरोसा, अपने साथ लाएंगे एसी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. इस साल 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक गेम्स में सभी की नजरें खेल गांव पर हैं, जिसे नए तकनीक के साथ बनाया जा रहा है। पेरिस ओलंपिक गेम्स जुलाई में होने हैं और इस दौरान काफी गर्मी होगी। इससे बचने के लिए, फ्रांस ने जियोथर्मल कूलिंग सिस्टम की तकनीक अपनाई है। इसके तहत कमरों में एयर कंडीशनर की सुविधा नहीं होगी और एथलीटों के कमरों को भूतापीय ऊर्जा से ठंडा रखा जाएगा। लेकिन इन खेलों में भाग लेने वाले कई देशों को इस सिस्टम पर पूर्ण भरोसा नहीं है।

ये भी जानें

1.17 खरब रुपए में खेल गांव का *निर्माण किया गया*

2800 अपार्टमेंट *कुल एथलीटों के रहने के लिए बनाए गए हैं*

14,500 से ज्यादा एथलीट व सपोर्ट **स्टाफ खेल गांव में ठहरेंगे**

कई देशों ने पोर्टेबल एसी का ऑर्डर भी दे दिया

फ्रांस के अधिकारियों को भले ही अपने जियोथर्मल कूलिंग सिस्टम पर भरोसा है लेकिन कई देशों को लेकर इसे लेकर संशय है। एक रिपोर्ट के तहत, इन देशों ने अपने खिलाड़ियों को गर्मी से बचाने के लिए नई योजना बनाई है और पोर्टेबल एसी का ऑर्डर किया है, जिससे उनके एथलीटों को अच्छी नींद नसीब हो सके तथा वे स्पर्धा में अपने उच्चतम स्तर का प्रदर्शन कर सकें।

अधिकारी बोले, एथलीटों को आराम देना जरूरी

- अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जर्मनी, कनाडा और इटली के अलावा करीब 20 बड़े देशों का कहना है कि उनके लिए भी पर्यावरण की सुरक्षा अहम है ***लेकिन ये भी जरूरी है कि हमारे खिलाड़ियों को पर्याप्त आराम मिल सके। इस कारण हम अपने एथलीटों के कमरों में पोर्टेबल एसी लगाएंगे।***
- एसी का चयन करने वाले देशों में से एक, ऑस्ट्रेलिया की ओलंपिक समिति के सार्वजनिक मामलों के प्रमुख स्टैथ गॉर्डन ने कहा, ***हमारे एथलीट खेल गांव में प्रवान किए जाने वाले तापमान से अधिक ठंडे तापमान में रहने के आदी हैं। वहीं, पेरिस में जुलाई के दौरान काफी गर्मी पड़ने की संभावना है।***

शूटिंग विश्व कप

सिफत कौर सामरा ने कांस्य पदक जीता

सिफत कौर, भारतीय शूटर।

म्यूनिख@ पत्रिका. भारतीय शूटर सिफत कौर सामरा ने शुक्रवार को यहां खेले जा रहे म्यूनिख विश्व कप 2024 के आखिरी दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल-3 पोजिशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। सिफत ने 452.9 अंक अर्जित किया और चीन की हान जियायू से महज 0.1 अंक पीछे रहते हुए रजत पदक से चूक गईं। ब्रिटेन की सियोनेड मैकिंटोश ने 466.7 अंक के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

आस्था के रथ : तमिलनाडु से टोक्यो तक आराध्यों को करवाया भ्रमण

कांचीपुरम. 'वैकासी ब्रह्मोत्सवम' रथ खींचने के उत्सव के सातवें दिन वैकुंठ पेरुमल ने थिरुथर (रथ) में भक्तों को दर्शन दिए। केले, फूलों आदि की सजावट से सजे रथ पर विशेष दीप पूजन के बाद रथ खींचते हुए भक्त।

टोक्यो. सन्नो फेस्टिवल के एक हिस्से के रूप में शाही वेशभूषा में सजे लोग पहियों वाले एक मंदिर के साथ चलते हुए। सन्नो फेस्टिवल जापान के प्रमुख त्योहारों में से एक है और 17वीं शताब्दी से मनाया जा रहा है।

कर्ज में घिरा पड़ोसी : 12 साल में दोगुना हो गया पाकिस्तान पर कर्ज

कंगाली से उबरने की आस लिए फिर चीन की चौखट पर पाकिस्तान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

124.5 अरब डॉलर विदेश कर्ज है पाकिस्तान पर, जो उसकी जीडीपी का 42 फीसदी है

30 अरब डॉलर का बकाया है चीन का, आइएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) का 7.8 अरब डॉलर

नई दिल्ली. कर्ज के संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मदद की आस लिए सबसे बड़े सहयोगी चीन की शरण में जा पहुंचे। शहबाज ने बलूचिस्तान के बुरे हालातों में फंसे ग्वादर जैसे प्रोजेक्ट को लेकर भरोसा भी दिलाया है, जिसको लेकर चीन कड़े तेवर दिखा चुका है। पाकिस्तान पर 124 अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी कर्ज है, जिसमें 30 अरब डॉलर अकेले चीन का है। पांच दिवसीय यात्रा में शहबाज को चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के अगले चरण की घोषणा की उम्मीद है, जिसके नाम पर वह अब तक अरबों डॉलर डकार चुका है।

2015 में शुरू हुआ 62 अरब डॉलर का यह मेगा प्रोजेक्ट चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआइ) का हिस्सा है, जिसका मकसद करीब 100 देशों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अरबों निवेश कर ड्रैगन के भूराजनीतिक प्रभाव का विस्तार करना है। सीपीईसी पर 2022 तक चीन पाकिस्तान में 25.4 अरब डॉलर का निवेश कर चुका है। चीन के लिए यह परियोजना रणनीतिक महत्व की है। यह उसके लिए पीओके के साथ ही हिंद महासागर तक सीधी पहुंच प्रदान करेगा।

बीजिंग में शुक्रवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलते पाक पीएम शहबाज शरीफ।

क्यों ठप पड़ी हैं सीपीईसी की योजनाएं

पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल और बलूचों के हिंसक विरोध के कारण बलूचिस्तान के ग्वादर में सीपीईसी प्रोजेक्ट को काफी नुकसान पहुंचाया है। अभी तक दर्जनों चीनी इंजीनियर आतंकवादी घटनाओं मे मारे गए। हाशिए पर पड़े बलूच लोगों का आरोप है कि उनकी जमीनें छीनी जा रही हैं, न कोई आर्थिक लाभ मिल रहा ना रोजगार। सारा लाभ अमीरों को मिल रहा है।

कर्ज : 8 माह में 80 फीसदी कर्ज ड्रेगन से

आइएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के ऊपर 124 अरब डॉलर का विदेशी ऋण है। इसमें 30 अरब डॉलर से ज्यादा तो चीन का ही है। ड्रैगन पर निर्भरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जुलाई 2021 और मार्च 2022 के बीच, पाकिस्तान का 80% से ज्यादा कर्ज चीन से मिला।

आइएमएफ भी झिझक रहा: पाकिस्तान पर विदेशी कर्ज 12 सालों में दो गुना बढ़ गया। 2011 में देश पर 66.4 बिलियन डॉलर का कर्ज था। 2023 में ये 124.6 बिलियन डॉलर हो गया। इससे उबरने के लिए मार्च में आइएमएफ 1.1 बिलियन डॉलर की किस्त देने पर सहमत हुआ। हालांकि आइएमएफ नहीं चाहता है कि उसके पैसे का उपयोग चीनी ऋण को पूरा करने के लिए किया जाए।

आठवीं बार यूएनएससी का अस्थायी सदस्य बना पाकिस्तान

उधर, पाकिस्तान आठवीं बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का अस्थायी सदस्य चुना गया है। पाकिस्तान का कार्यकाल 1 जनवरी 2025 से शुरू होगा और वह अगले दो साल तक यूएनएससी का सदस्य बना रहेगा। 193 सदस्यीय महासभा में से पाकिस्तान को 182 वोट मिले, जो दो तिहाई बहुमत के आवश्यक आंकड़े 124 से अधिक है। डेनमार्क, ग्रीस, पनामा और सोमालिया को भी सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुना गया। नए सदस्य देश चुने गए हैं, ये जापान, इक्वाडोर, माल्टा, मोजाम्बिक और स्विटजरलैंड की जगह लेंगे।

बंगाल: चुनाव बाद हिंसा
डीजीपी को सीधे ई-मेल से भेजें शिकायत : कोर्ट

कोलकाता @ पत्रिका. कलकत्ता हाईकोर्ट ने प्रदेश में लोकसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा कि राजनीतिक संबद्धता से परे प्रभावित लोगों की शिकायतें दर्ज किया जाना सुनिश्चित किया जाए। कोर्ट ने निर्देश दिया कि चुनावी हिंसा से संबंधित शिकायतें ई-मेल के माध्यम से पश्चिम बंगाल के डीजीपी को भी भेजी जा सकती हैं। राज्य पुलिस और केंद्रीय बल उन पर कानून के अनुसार जरूरी कार्रवाई करें। जस्टिस अपूर्व सिन्हा रे और जस्टिस कौशिक चंदा की बेंच ने चुनावी हिंसा के शिकार की एक याचिका पर यह निर्देश दिए।

अंतरिक्ष में डांस : स्पेस स्टेशन में प्रवेश के साथ ही खुशी से झूम उठीं सुनीता

वाशिंगटन. भारतीय मूल की अमरीकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स का इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचने का एक वीडियो वायरल हो रहा है। बोइंग के स्पेसक्रॉफ्ट से अंतरिक्ष गई सुनीता स्पेस स्टेशन में प्रवेश करते ही डांस करती और वहां पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को गले लगाती हुई नजर आईं। सुनीता की यह तीसरी अंतरिक्ष यात्रा है।

जमीन के बदले नौकरी
लालू व परिजनों के खिलाफ अंतिम चार्जशीट पेश

नई दिल्ली @ पत्रिका. सीबीआइ ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले में शुक्रवार को विशेष अदालत में राजद नेता लालू प्रसाद यादव, उनके परिजनों व लाभार्थियों के खिलाफ शुक्रवार को अंतिम चार्जशीट पेश की। चार्जशीट में रेलवे के सभी जोनों का विवरण देते हुए आरोप हैं कि अधिकारियों से मिलीभगत कर सर्कल व मार्केट रेट से भी कम दामों पर अपने रिश्तेदारों के नाम जमीन खरीद कर कुछ लोगों को नौकरी दी गई। कोर्ट ने पिछले दिनों अंतिम चार्जशीट पेश करने में देरी को लेकर सीबीआइ की खिंचाई की थी। अगली सुनवाई 6 जुलाई को होगी।

रूस चार भारतीय मेडिकल स्टूडेंट नदी में डूबे

मॉस्को @ पत्रिका. रूस में मेडिकल के चार भारतीय विद्यार्थियों की सेंट पीटर्सबर्ग के निकट एक नदी में डूबने से मौत हो गई। इनमें दो लड़के व दो लड़कियां हैं। नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थी महाराष्ट्र के जलगांव से हैं।

हांगकांग दो ब्रिटिश जजों ने दिया इस्तीफा

हांगकाग @ पत्रिका. दो ब्रिटिश न्यायाधीशों ने हांगकांग की शीर्ष अदालत से इस्तीफा दे दिया है। माना जा रहा है कि चीन के सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून से उपजी चिंताओं के चलते यह इस्तीफे हुए हैं। हांगकांग के कोर्ट ऑफ फाइनल अपील के गैर-स्थायी विदेशी न्यायाधीशों के रूप में कार्यरत जोनाथन सुम्पशन और लॉरेंस कोलिन्स ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

यूपी चलती ट्रेन का डिब्बा बेपटरी, हताहत नहीं

गाजियाबाद @ पत्रिका. नई दिल्ली-भुवनेश्वर तेजस राजधानी एक्सप्रेस का एक डिब्बा शुक्रवार को यूपी के गाजियाबाद में पटरी से उतर गया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है क्योंकि उस समय ट्रेन 'बहुत धीमी' गति से चल रही थी। डिब्बे को ट्रेन से अलग कर उसके यात्रियों को अन्य डिब्बे में बैठाकर दिल्ली के लिए रवाना किया गया।

दिल्ली कविता अब 21 तक हिरासत में

नई दिल्ली @ पत्रिका. आबकारी घोटाले में विशेष अदालत ने शुक्रवार को बीआरएस नेता के.कविता की न्यायिक हिरासत अवधि 21 जून तक बढ़ा दी। कविता के खिलाफ सीबीआइ ने भी अदालत में पूरक चार्जशीट पेश की। चार्जशीट पर कोर्ट छह जुलाई को सुनवाई करेगा।

ग्रीनलैंड में मिले बड़े वायरस, होंगे 'मददगार'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. शोधकर्ताओं को डेनमार्क के ग्रीनलैंड में जमी बर्फ की शीट में नए बड़े वायरस मिले हैं। ये ग्लोबल वार्मिंग के कारण बर्फ पिघलने की रफ्तार धीमा कर सकते हैं। ये वायरस बर्फ की शीट पर जमा शैवाल खाते हैं। शैवाल के कारण बर्फ तेजी से पिघलने लगती है।

साइंस डेली की रिपोर्ट के मुताबिक डेनमार्क की आरहूस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने बताया कि ग्रीनलैंड में पहली बार इतने बड़े वायरस मिले हैं। इनमें सामान्य वायरस के मुकाबले काफी बड़ा जीनोम अनुक्रम हैं। ये आम तौर पर समुद्र में शैवाल को संक्रमित करते हैं। यूनिवर्सिटी में पर्यावरण विज्ञान विभाग की लौरा पेरिनी ने कहा, फिलहाल हम इस वायरस के बारे में ज्यादा नहीं जानते, लेकिन हमें लगता है कि ये शैवाल फैलने के कारण पिघलने वाली बर्फ को कम करने के लिए हमारे बहुत काम आ सकते हैं।

शैवाल के दुश्मन, सामान्य वायरस के मुकाबले काफी बड़ा जीनोम अनुक्रम

अलग-अलग रंग की बर्फ के सैंपल में मिले

शोधकर्ताओं को दो अलग-अलग रंग की बर्फ के सैंपलों के अध्ययन में बड़े वायरस का पता चला। जिन सैंपलों में शैवाल ज्यादा थे, उनमें इनकी मात्रा ज्यादा थी। बड़े वायरस अब भी रहस्यमय जीव हैं। ये बाकी वायरसों से काफी अलग हैं। इनमें कई एक्टिव जीन होते हैं, जो इन्हें डीएनए रिपयेर, प्रतिकृति (रेप्लीकेशन) व प्रतिलेखन (ट्रांसक्रिप्शन) में सक्षम बनाते हैं।

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।
सम्पादकीय प्रभारी: सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी''